শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 162 | गुवाहाटी | सोमवार, 2 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएम ने सौ सीएनजी बसों को दिखाई हरी झंडी पेज 3
नए साल की पूर्व संध्या पर जमकर उड़ी ट्रैफिक नियमों की धज्जियां पेज 4
आरक्षण विरोधी है कांग्रेस, भाजपा और सपा : मायावती पेज 5
विवादों में घिरे हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने छोड़ा विभाग पेज 8

परेश बरुवा स्वाधीनता की बात छोड़ दें, तभी होगी वार्ता : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने देश की अखंडता को लेकर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्व) से कोई समझौता न करने, जेहादी गतिविधियों को रोकने, राज्य में विधानसभा क्षेत्र व लोकसभा के क्षेत्रों के परिसीमन और राज्य के विकास के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि अल्फा (स्वा) प्रमुख बरुआ स्वाधीनता की बात छोड़ दे तो उनसे बात हो सकती है। मुख्यमंत्री रविवार को अंग्रेजी नववर्ष 2023 के पहले दिन कोइनाधारा स्थित अतिथिशाला में वरिष्ठ पत्रकारों के साथ वार्ता कर रहे थे। उन्होंने अपनी सरकार के पिछले एक वर्ष का लेखाजोखा और उपलब्धियों को भी पत्रकारों के सामने रखा। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिमंडल के सभी सहयोगी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्वा.) और सरकार के बीच खुली वार्ता के लिए वे तैयार हैं। अल्फा (स्वा) प्रमुख परेश बरुवा स्वाधीनता के अलावा बात नहीं करना चाहते, लेकिन हम इस बात से कोई समझौता नहीं कर सकते। देश की एकता और अखंडता की रक्षा हमारा दायित्व है। सभी बुद्धिजीवी और संगठन मिलकर उनसे अपील करें कि वे स्वाधीनता की बात छोड़ दें, तभी बात हो पाएगी। उन्होंने बताया कि एक वर्ष में 72 कैबिनेट बैठकें आयोजित की गई हैं। इन बैठकों में 966 निर्णय लिए गए, जिसमें 60 प्रतिशत कार्य क्रियान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि सरकार जनता के द्वार योजना पर काम कर रही है। किसी को सरकारी कार्यालय में न दौड़ना पड़े, इसलिए धीरे-धीरे सब सुविधा ऑनलाइन की जा रही है। राशन कार्ड, ट्रेड लाइसेंस, जाति प्रमाण पत्र संपत्ति के नामजारी के लिए अब सेटलमेंट आफिस नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि असम सरकार वेतन के लिए आत्मनिर्भर हो गई है, पेंशन के लिए केंद्र सरकार का फंड लगता है। उन्होंने अरुणोदय योजना से 35 लाख परिवारों को लाभ मिलने की जानकारी दी। उन्होंने असम के आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक से असम ने जो कर्ज लिया है, उसमें अधिकांश भारत सरकार चुकाएगी। उन्होंने बताया कि असम पुलिस में कोई वैकेंसी नहीं है। पुलिस ने 781 करोड़ का ड्रग्स पकड़ा है। जेहादी गतिविधियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस पर नियंत्रण किया जा रहा है। राज्य में अल कायदा और अंसार उल बांग्लादेश के माड्यूल को ट्रैक कर इसे पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में आदिवासी उग्रवाद समाप्त हो गया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। पिछले एक वर्ष में 50 सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

परिसीमन का मानदंड जनसंख्या नहीं : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि जनसंख्या एक निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन का एकमात्र आधार नहीं होना चाहिए। उनका ये बयान राज्य मंत्रिमंडल द्वारा राज्य के चार नव निर्मित जिलों के विलय को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद आया है। उन्होंने यह भी कहा कि कैबिनेट ने परिसीमन के लिए जिलों के विलय को मंजूरी नहीं दी, बल्कि प्रशासनिक उपायों के लिए ऐसा किया। हालांकि, यह परिसीमन को थोड़ा प्रभावित करेगा लेकिन केवल लोगों के लाभ के लिए। उन्होंने रविवार को गुवाहाटी में कहा कि परिसीमन के लिए अन्य मानदंड भी होने चाहिए। लेकिन इस कवायद में हमें संसद द्वारा बनाए गए कानून -शेष पृष्ठ दो पर

सोनोवाल ने बच्चों के साथ मनाया नया साल

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग और आयुष मंत्री, सर्वानंद सोनोवाल ने रविवार को डिब्रूगढ़ में प्रेरणा चिल्ड्रेन होम के बच्चों के साथ नए साल का दिन बिताया। इस अवसर पर सोनोवाल ने बच्चों को किताबें वितरित कीं और आने वाले वर्ष की उन्हें शुभकामनाएं दीं। बच्चों ने मंच पर अपने विविध प्रदर्शन से सोनोवाल सहित दर्शकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। इस -शेष पृष्ठ दो पर

नववर्ष का कैलेंडर

आज के अंक के साथ संलग्न है।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुष्ट स्त्री बुद्धिमान व्यक्ति के शरीर को भी निर्बल बना देती है।

– आचार्य चाणक्य

त्रिपुरा में चुनाव आयोग मिशन-929 पर करेगा काम

अगरतला। त्रिपुरा में इसी साल की शुरुआत में होने वाले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कमर कस ली है। मतदान को 90 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के लिए आयोग मिशन-929 पर काम करने जा रहा है। इसके लिए 929 मतदान केंद्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 2018 के विधानसभा चुनाव में इन बूथों पर 89 प्रतिशत से कम मतदान दर्ज किया गया था। अब मतदान बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान के अलावा, चुनाव अधिकारी वरिष्ठ नागरिकों और -शेष पृष्ठ दो पर

नया साल का स्वागत आतिशबाजी और गुब्बारे से

नई दिल्ली। पुराना साल जा चुका है... नए साल का आगमन हो गया है। लोगों में नए साल को लेकर काफी उत्साह नजर आया। कहीं संगीत की धुन पर, तो कहीं गुब्बारे उड़ाकर नए साल का जश्न मनाया गया। देश के कई हिस्सों से नए साल की जश्न की तस्वीरें और वीडियो सामने आई हैं। आइए जानते है देश के विभिन्न हिस्सों में नए साल का जश्न कैसे मनाया गया...

दिल्ली के लोगों में नए साल को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे को नए साल की बधाई दी और उनके गले लगे। इस दौरान कनॉट प्लेस के इनर सर्कल पर लोगों ने जमकर जश्न मनाया। महाराष्ट्र के लोगों ने भी नए साल का शानदार स्वागत किया। इस दौरान पुणे में लोगों ने गुब्बारे उड़ाए और एक-दूसरे को नए साल की बधाई दी। इस दौरान लोग काफी खुश नजर आए। नए साल के मौके पर बड़ी संख्या में लोग गोवा पहुंचे, जिसकी वजह से यहां के होटलों में काफी भीड़ देखने को मिली। गोवा हमेशा से लोगों की पहली पसंद रही है। लोग यहां जाना पसंद करते हैं। गोवा की राजधानी पणजी में स्थित मैजेस्टिक ग्रुप होटल में भी लोगों ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान उन्होंने डांस भी किया। महाराष्ट्र -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी : सूची को वैध घोषित करे सरकार

गुवाहाटी। असम में कांग्रेस विधायक अब्दुर रशीद मंडल ने हिमंत विश्व सरकार को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के मुद्दे पर घेरा है। उन्होंने कहा है कि 31 अगस्त, 2019 में प्रकाशित हुई एनआरसी की अपडेटेड सूची को सरकार को स्वीकार करना चाहिए और इसे वैध घोषित करना चाहिए। कांग्रेस विधायक का यह बयान ऐसे में आया है जब, असम सरकार और राज्य के विभिन्न संगठनों ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की सूची को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने यह दावा किया है कि 31 अगस्त, 2019 को प्रकाशित की गई सूची में बड़ी संख्या में अवैध विदेशियों के नाम शामिल किए गए हैं। 2019 में प्रकाशित हुई -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

लड़की को गाड़ी से नशे में धुत युवकों ने घसीटा

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। शनिवार आधी रात को एक युवती एक्सीडेंट के बाद गाड़ी के नीचे फंस गई और 7-8 किमी तक घिसटती चली गई। इस घटना में युवती की मौत हो गई। युवती के शरीर से सभी कपड़े फट कर उतर गए थे। बाद में युवती की लाश नग्न अवस्था में पाई गई। पुलिस ने कार सवार पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले को हत्या और गैंगरेप बताकर झूठ फैलाया जा रहा है, जबकि ऐसा नहीं है। ये एक एक्सीडेंट है। डीसीपी आउटर के मुताबिक आउटर -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रबाबू नायडू की जनसभा में फिर भगदड़ : तीन की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू की जनसभा के दौरान भगदड़ मचने से 3 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए हैं। ये घटना ऐसे समय में सामने आई है जब हाल ही में नायडू की एक जनसभा के दौरान नेल्लोर में मची भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी। सूत्र ने गुंटूर के पुलिस अधीक्षक आरिफ हफीज के हवाले से बताया कि गुंटूर जिले में टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा आयोजित एक जनसभा के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

पीएम मोदी ने दिया हर्बल खेती का मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राष्ट्रीय गंगा परिषद की अध्यक्षता करते हुए कहा कि परिषद की बैठक नमामि गंगे पहल को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने का एक शानदार अवसर है। छोटे शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के नेटवर्क के विस्तार सहित स्वच्छता के प्रयासों को बढ़ाने के तरीकों के बारे में भी बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा नदी को एक साझी विरासत बताया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमें एक अनमोल विरासत दी है और यह हमारी नियति है कि हम इस विरासत को आने वाली पीढ़ियों को उसी स्थिति में और उसी पवित्रता के साथ सौंपें। प्रधानमंत्री मोदी ने 30 दिसंबर को कोलकाता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय गंगा परिषद की अध्यक्षता की। परिषद की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा नदी के किनारे हर्बल खेती को बढ़ावा देने के तरीकों पर जोर देने को कहा। बैठक से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो -शेष पृष्ठ दो पर

पाक : कुकिंग गैस की सप्लाई प्लास्टिक बैग में

इस्लामाबाद। क्या आपने कभी प्लास्टिक की थैली में किसी को एलपीजी ले जाते देखा है तो आपका जवाब नहीं होगा। लेकिन, पाकिस्तान में ये अब आम हो गया है। यहां सबसे ज्यादा गैस उत्पादक प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में परेशान लोग थैलियों में गैस भराकर खाना पका रहे हैं। इस प्रांत में गैस सिलेंडर आम लोगों की पहुंच से दूर है। जानकार इसे चलता-फिरता बम बता रहे हैं। श्रीलंका के बाद अब पाकिस्तान आर्थिक तंगी के सबसे बुरे -शेष पृष्ठ दो पर

एनसी देबबर्मा का निधन पीएम ने जताया दुख

अगरतला। त्रिपुरा के वरिष्ठ मंत्री और भाजपा की सत्तारूढ़ सहयोगी आईपीएफटी के संस्थापक-अध्यक्ष एनसी देबबर्मा का रविवार को निधन हो गया। इस की वजह सेरिब्रल स्ट्रोक बताई जा रही है। वह 80 वर्ष के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, चार बेटे और तीन बेटियां हैं। इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के प्रवक्ता अमित देबबर्मा ने बताया कि राज्य के राजस्व व वन मंत्री की हालत पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

ब्लैक संडे : देश में 45 से अधिक लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली। देश-विदेश में नए साल ने दस्तक दे दी है। नए साल का जश्न मनाने के लिए लोग बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकले। लेकिन इस बीच देशभर में नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी को अलग-अलग हादसों में 45 से अधिक लोग अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठे। राजधानी दिल्ली से लेकर राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से दुर्घटनाओं की खबर सामने आई। इन दुर्घटनाओं में करीब 4 दर्जन लोग अपनी जान गवां बैठे।

राजस्थान : राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के पल्लु थाना क्षेत्र में बिसरासर गांव में कार एवं ट्रक के टकराने पर पांच युवकों की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। राजस्थान के ही सीकर जिले के खंडेला थाना क्षेत्र में पिकअप के मोटरसाइकिल से टकराने के बाद बोरिंग मशीन ट्रक से भीड़ जाने से आज आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। राजस्थान के एक अन्य जिले जैसलमेर के रामदेवरा थाना क्षेत्र में फलौदी मार्ग पर नए साल के अवसर पर रामदेवरा दर्शन करके लौट रहे एक परिवार की कार अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे कार में सवार दो बालिकाओं की मौत हो -शेष पृष्ठ दो पर

ई-कचरा प्रबंधन के लिए एक अप्रैल से नए नियम

नई दिल्ली। देश में ई-कचरे की समस्या जिस तरह से विस्फोटक बनी हुई है, उनमें साल 2023 इसके बेहतर प्रबंधन के लिहाज से काफी अहम होगा। एक अप्रैल 2023 से केंद्र सरकार इनके प्रबंधन के लिए एक नया नियम लागू करने जा रही है। इसके तहत ई-कचरा पैदा करने वाले ब्रांड उत्पादकों की जवाबदेही तय होगी। जिसमें उन्हें किसी भी अधिकृत री-साइक्लर से पैदा किए जाने वाले ई-कचरे के बराबर या फिर निर्धारित मात्रा के बराबर री-साइक्लिंग का सर्टिफिकेट लेना होगा। नए नियमों में ब्रांड उत्पादकों को ई-कचरे के संग्रहण और री-साइक्लिंग जैसे जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। वन एवं पर्यावरण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नासिक में बॉयलर फटने से दो की मौत, 17 घायल

नासिक। साल के पहले ही दिन महाराष्ट्र के नासिक में एक बड़ा हादसा हो गया है। दरअसल, नासिक के एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जिसमें कई मजदूर फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि रविवार की सुबह लगभग 11 बजे अचानक फैक्ट्री के बॉयलर में विस्फोट हो गया, जिससे आग लग गई। दमकल की कई गाड़ियों को आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। महाराष्ट्र के नासिक मुंढेगांव गांव स्थित एक कारखाने में सुबह 11 बजे बॉयलर विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। फैक्ट्री की ये आग काफी भयावह बताई जा रही है। अब तक इसमें से तकरीबन 11 मजदूरों को बाहर निकाला जा चुका है, लेकिन अब भी कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। इस घटना की जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, महानगरपालिका में बेड खाली किए जाने लगे थे क्योंकि इस बात का अंदाजा किसी को नहीं था कि आखिर फैक्ट्री में कितने लोग फंसे हुए हैं। जिस फैक्ट्री में बॉयलर फटने से ब्लास्ट हुआ है वो जिंदल कंपनी की फैक्ट्री थी। केंद्रीय राज्य स्वास्थ्य मंत्री, डॉ. भारती प्रवीण पवार ने बताया कि इस फैक्ट्री में हुए हादसे में अब तक 2 व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है और 17 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। इस सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर प्रशासन के कई अधिकारी और जिले के कई मंत्री मौजूद हैं। महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। पॉली फिल्म फैक्ट्री में लगी आग बुझाने के लिए कई टीमें तैनात की गई हैं। नासिक फैक्ट्री विस्फोट में घायलों से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मिले। इस दौरान सीएम शिंदे ने कहा कि घायलों के इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के बाद आसपास के लोगों में काफी दहशत है। दरअसल, धमाका इतना अचानक हुआ कि जब तक मजदूर कुछ समझ पाते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपने चपेट में ले लिया था। बताया गया है कि कंपनी में स्थिति गंभीर है, आग के कारण लगातार कई तेज धमाके हो रहे हैं।

उत्तराखंड : मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंच जाना ऋषभ पंत का हाल

देहरादून (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने रविवार को राजधानी स्थित मैक्स अस्पताल पहुंच यहां भर्ती क्रिकेटर ऋषभ पंत का हाल चाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से ऋषभ के स्वास्थ्य सुधार के बारे में पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि ऋषभ के स्वास्थ्य में सुधार है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषभ पंत की माता और उनकी बहन से मैक्स अस्पताल में लगभग एक घंटे तक बातचीत की। चिकित्सकों से भी उनके इलाज और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ऋषभ के इलाज के लिए राज्य सरकार की ओर से पूरी मदद की जाएगी। ऋषभ पंत उत्तराखंड के ब्रांड एम्बेसडर भी हैं। इस कारण ऋषभ के पूरे इलाज का खर्च उठाने की बात मुख्यमंत्री धामी पहले ही कह चुके हैं। ऋषभ पंत से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऋषभ पंत की तबीयत में पहले से काफी सुधार है। वही कार दुर्घटना के कारण को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषभ ने उन्हें बताया की गड्ढा जैसे सामने आया था जिसके चलते अचानक से यह पूरी दुर्घटना हो गई। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अभी ऋषभ मैक्स अस्पताल में ही रहेंगे। बाहरी चोटों का दर्द जब कम हो जाएगा, उसके बाद उनके लिगामेंट के ट्रीटमेंट के बारे में आगे का निर्णय लिया जाएगा। शुक्रवार सुबह क्रिकेटर ऋषभ पंत का रुड़की के मंगलोर में एक्सीडेंट हो गया था। हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को उपचार के आवश्यक निर्देश दे दिए थे। मुख्यमंत्री कोलकाता दौरे से लौटने के बाद रविवार को क्रिकेटर ऋषभ पंत का हालचाल पूछने मैक्स हॉस्पिटल पहुंचे थे। शनिवार को अभिनेता अनिल कपूर और अनुपम खेर के अलावा बीसीसीआई के अधिकारी और अन्य लोगों ने अस्पताल पहुंच कर ऋषभ पंत के स्वास्थ्य की जानकारी ली है।

असम राइफल्स ने भारी मात्रा में हेरोइन और विदेशी सिगरेट किया जब्त

एजल (हि.स.)। असम राइफल की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर मिजोरम में भारी मात्रा में हेरोइन और विदेशी सिगरेट जब्त किया है। असम राइफल के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरचीप स्थित असम राइफल्स और आबकारी विभाग ने राज्य के चम्पाई जिला में ऑल्टो कार (एमजे-04ए-829) से 62 ग्राम हेरोइन जब्त की। जब्त कि गई हेरोइन का मूल्य 31.05 लाख रुपये आंकी गई है। इसी बीच चम्पाई के %%जोवाथार%% में छापेमारी के दौरान विदेशी सिगरेट के कई कार्टून जब्त किए गए हैं। असम राइफल्स ने कहा कि असम राइफल्स और आबकारी विभाग द्वारा जब्त सिगरेट की कीमत 41.60 लाख रुपये होगी।

नए साल के पहले दिन बजाली में विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी (हि.स.)। नए साल के पहले दिन रविवार को बजाली में कई दल संघटनों ने बजाली जिला के स्टेटस समाप्त किए जाने के विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पाठशाला आंचलिक छात्र संस्था की पहल पर आजाद भवन में नगरिक सभा का आयोजन किया, बजाली जिला को विलुप्त करने के कारण बीते कल से पूरे बजाली जिला में प्रतिवाद चल रहा है। आज पाठशाला आंचलिक छात्र संस्था की पहल पर पाठशाला के आजाद भवन परिसर में आयोजित एक नागरिक सभा में बजाली जिला की विलुप्ति किए जाने कड़े शब्दों में निंदा की गई। बजाली के विभिन्न दल संघटनों के प्रतिनिधियों ने भी राज्य सरकार के कैबिनेट फैसले की कड़ी आलोचन करते हुए बजाली जिला के स्टेट्स को फिर से बहाल करने की मांग की गई। बजाली जिला को विलुप्त करने के विरोध में आज पाठशाला हाईवे चौक पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा की प्रतिमा को भी फूंककर विरोध प्रदर्शन किया गया।

गुजरात तट के पास अरब सागर में डूब रहा था आपूर्ति पोत तटरक्षक बल ने चालक दल के 12 सदस्यों को बचाया

अहमदाबाद। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने गुजरात तट के करीब अरब सागर में डूब रहे एक आपूर्ति पोत के चालक दल के 12 सदस्यों को बचा लिया। रविवार को यह जानकारी दी गई। एक रक्षा विज्ञप्ति में जानकारी दी गई कि मुंबई स्थित आईसीजी मैरीटाइम रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर (एमआरसीसी) को शनिवार सुबह 11 बजे संकट का संदेश मिला, जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। मोटर आपूर्ति पोत (एमएसवी) के बुरी तरह डूबने की सूचना मिली थी। भारतीय चालक दल के सभी 12 सदस्यों को मोटर टैंकर (एमटी) सीरेंजर पर ले जाया गया। एमएसवी *निगाहें करम* जिबूती जाने के रास्ते पर था। एमआरसीसी ने घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र में काम कर रहे सभी जहाजों को सतर्क किया और समुद्री बचाव उप केंद्र (एमआरएससी) पोरबंदर के साथ कॉओर्डिनेशन कर एक मोटर टैंकर सीरेंजर को पोत की तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए डायवर्ट किया गया। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा क्षेत्र में सक्रिय आईसीजी जहां *सार्थक* को भी डायवर्ट किया गया और फास्ट इंटरसेप्टर वर्ग के जहाज सी-152 को भी तुरंत वडीनगर (द्वारका जिला) से रवाना किया गया। इसमें कहा गया, चालक दल के सदस्यों ने एमटी सीरेंजर से आईसीजी जहां में स्थानांतरित किया गया और वडीनगर लाया गया। प्रारंभिक चिकित्सा के बाद उन्हें जहाज के मालिक को सौंप दिया गया।

पृष्ठ एक का शेष

परेश बरुवा स्वाधीनता...

कहा कि राज्य में विधानसभा क्षेत्र और लोकसभा क्षेत्र का परिसीमन अनिवार्य है। जनसंख्या के आधार पर इस परिसीमन से असमवासियों का फायदा होगा। परिसीमन में कौन सी सीट एससी हो रही है, कौन से एसटी हो रही है, यह चिंता का विषय नहीं है। इस प्रक्रिया में असमिया समाज की चिंता करनी है। उन्होंने कहा कि राज्य में आंदोलन न होने से 1012 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ और कछार में नए चिड़ियाघर स्थापित करने की बात बताई और राज्य से अन्य राज्यों को जीवों भेजने और लाने से राज्य को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में ऊर्जा उत्पादन के संबंध में बताया कि 3 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन सौर शक्ति से होगा। कोयला पर निर्भरता खत्म करने का प्रयास हो रहा है। इथेनाल उत्पादन की भी योजना चल रही है। इस मौके पर असम सरकार के मंत्री रंजीतदास, चंद्रमोहन पटवारी, अतुल बोरा, परिमल शुक्लबैद्य, जयंत मल्ल बरुवा, पीयूष हजारिका, राज्य के मुख्य सचिव पबन बरठाकुर और डीजीपी भास्कर ज्योति महंत आदि मौजूद थे।

परिसीमन का मानदंड ...

के अनुसार चलना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जिलों को जनसंख्या नियंत्रण करने को कहा है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में इसका पालन नहीं किया गया है। शर्मा ने कहा कि जनसंख्या परिसीमन अभ्यास के लिए एकमात्र मानदंड है की नहीं, इस पर संसद में बहस होनी चाहिए क्योंकि मौजूदा कानून कम आबादी वाले क्षेत्रों की तुलना में अधिक आबादी वाले क्षेत्र को एक प्रीमियम देता है, परिसीमन एक विधायी निकाय वाले देश या राज्य में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा या सीमाओं को तय करने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा किपरिसीमन एक्सरसाइज हमारे समाज को बचा सकती है और विधानसभा के भीतर जनसांख्यिकीय परिवर्तन की रक्षा कर सकती है, उन्होंने कहा कि यह एक गैर-राजनीतिक संवैधानिक अभ्यास है, जो डेटा पर आधारित होगा और निष्पक्ष होगा। इस बात पर जोर देते हुए कि परिसीमन 2001 की जनगणना पर किया जाना चाहिए, शर्मा ने कहा कि जिला सीमा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसलिए हमें एक कठोर निर्णय लेना होगा।

सोनोवाल ने बच्चों ...

अवसर पर सोनोवाल ने कहा कि बच्चों की आंखों में चमक और आशा नवीनता का सही प्रतिबिंब है। वे हमारे देश का भविष्य हैं। उनके सपनों को वास्तविकता की मंजिल तक पहुंचने दें। सादगी और बच्चों की ईमानदारी ने मेरे दिल को छू लिया है। मैं उन्हें नई संभावनाएं तलाशने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। केंद्रीय मंत्री के साथ डिब्रूगढ़ के विधायक प्रशांत फुकन और डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

त्रिपुरा में चुनाव...

विकलांग व्यक्तियों से मिलेंगे और उनसे वोट डालने की अपील करेंगे। चुनाव अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग व्यक्तियों के लिए मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हीलचेयर और अलग कतार जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे ताकि मतदाता अपना वोट डाल सकें। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का लक्ष्य 92 प्रतिशत मतदान हासिल करना है। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए आयोग *मिशन जीरो पोल वायलेंस* पर भी काम कर रहा है। चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की गई है। मिशन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि चुनाव संबंधी तैनाती के लिए केंद्रीय बलों की लगभग 50 कंपनियां पहले ही राज्य में भेजी जा चुकी हैं। अतिरिक्त 50 और कंपनियां तैनात की जाएंगी।

नया साल का ...

की राजधानी मुंबई में लोगों ने आतिशबाजी के साथ नए साल का स्वागत किया। मरीन ड्राइव पर बड़ी संख्या में पहुंचे लोग आतिशबाजी को अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए। इस दौरान उनमें काफी उत्साह नजर आया। वहीं उत्तराखंड की राजधानी मसूरी पर्यटकों को काफी पसंद आता है। यही वजह है कि यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। मसूरी में लोगों ने संगीत और डांस के साथ नए साल का स्वागत किया। उधर पश्चिम बंगाल में लोगों ने नए साल का धूम-धाम के साथ स्वागत किया। कोलकाता के पार्क स्ट्रीट पर बड़ी संख्या में लोग नए साल के जश्न के लिए इकट्ठा हुए। महाराष्ट्र के शिरडी में भी लोगों ने नए साल का स्वागत किया। हिमाचल प्रदेश के मनाली के माल रोड पर भी नए साल का स्वागत करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में नए साल को लेकर लोगों में काफी उत्साह नजर आया है। उन्होंने इस मौके पर जमकर जश्न मनाया। लोगों ने संगीत की धुन पर डांस भी किए। मध्य प्रदेश के इंदौर में भी लोगों ने नए साल पर जमकर जश्न मनाया। उन्होंने आतिशबाजी के साथ नए साल का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और जमकर पटाखे फोड़े। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के मैक्लोडगंज में मुख्य चौक पर लोगों ने नए साल का जश्न मनाया। उन्होंने इस जश्न की तस्वीरों को भी अपने कैमरे में कैद किया। लोगों में काफी उत्साह नजर आ रहा था। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में लोगों को नए साल पर जश्न मनाना भारी पड़ गया। पुलिस ने बेकाबू हुई भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। नए साल पर बड़ी संख्या में पर्यटक राजस्थान के जैसलमेर पहुंचे। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह नजर आया है। पर्यटकों की वजह से यहां के होटल भी गुलजार नजर आए। जैसलमेर किले को देखने काफी संख्या में लोग पहुंचे।

पीएम मोदी ने दिया...

कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नमामि गंगे और पेयजल-स्वच्छता परियोजनाएं की आधारशिला रखी। इसके अतिरिक्त उन्होंने 990 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 7 सीवरेज विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से नबद्वीप, कछरापरा, हालीशर, बज-बज, बैरकपुर, चंदन नगर, बांसबेरिया, उत्तरपारा कोट्रंग, बैद्यबती, भद्रेश्वर, नैहाटी, गरूलिया, टीटागढ़ और पानीहाटी की नगर पालिकाओं को लाभ होगा। ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल राज्य में 200 एमएलडी से अधिक की सीवेज ट्रीटमेंट कैपेसिटी को बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत 1,585 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से विकसित होने वाली 5 सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इन परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल में 190 एमएलडी नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता जुड़ जाएगी। इन परियोजनाओं से उत्तरी बैरकपुर, हुगली-चिनसुरा, कोलकाता केएमसी क्षेत्र गार्डन रीच और आदि गंगा और महेस्तला शहर के क्षेत्रों को लाभ होगा।

पाक : कुकिंग गैस ...

दौर से गुजर रहा है। पाकिस्तान में रसोई गैस की कीमतें आसमान छू रही हैं जिस कारण यह आम लोगों की पहुंच से काफी दूर हो गई है। लगातार बढ़ रही महंगाई ने इतने हालात इतने बिगाड़ दिए हैं कि लोगों को प्लास्टिक की थैलियों में रसोई गैस बेचने और खरीदने पर मजबूर कर दिया है। जी हां पाकिस्तान में लोग अब थैलियों में एलपीजी यानि कुकिंग गैस भरकर लेकर जा रहे हैं। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के दौर में गैस भंडारण में कमी आई है। घटते गैस भंडार ने अधिकारियों को घरों, फिलिंग स्टेशनों और औद्योगिक इकाइयों को आपूर्ति कम करने के लिए मजबूर कर दिया है। एक बड़ी आबादी के पास गैस कनेक्शन नहीं है। गैस की कमी और उच्च दरों पर मिल रही कुकिंग गैस व पेट्रोलियम उत्पादों भी एक बड़ी वजह है कि लोग ऐसे तरीके अपनाने को मजबूर हैं। सिलेंडर की ऊंची कीमत इसे लोगों के लिए और ज्यादा मुश्किल बना रही है। सिलेंडरों के महंगे दाम होने की वजह से प्लास्टिक थैली में गैस 500 से 900 रुपए तक में मिल रही है। इनकी कीमत अलग-अलग थैलियों की साइज पर निर्भर करती है। इसे भरने वाला कंप्रेशर 1,500 से 2,000 रुपए में उपलब्ध है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कॉमर्शियल गैस सिलेंडर करीब 10,000 पाकिस्तानी रुपए में मिलता है, जिसे खरीदना हर किसी के बस में नहीं है। बता दें कि सबसे ज्यादा गैस का उत्पादन खैबर पख्तूनख्वाह में ही होता है। 2020 में 85 लाख बैरल से ज्यादा का तेल उत्पादन हुआ था जबकि 64,967 मिलियन क्यूबिक फीट गैस भी यहीं के पांच फील्ड से निकली थी। बावजूद इसके यहां के इलाकों में लोग प्लास्टिक बैग में गैस लेने को मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पख्तूनख्वा के कराक जिले में 2007 से लोगों को गैस कनेक्शन नहीं दिए गए हैं, वहीं जहां पड़ोस के हांगू जिले की सप्लाई लाइन से गैस मिलती है वो भी पिछले 2 सालों से टूटी पड़ी है। जिस जगह पाइप टूटी है वहां लोग 2 घंटे लंबी लाइनों में लगकर प्लास्टिक में गैस भरके ले जाते हैं। गैस पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ी दुकानों में प्लास्टिक की थैलियों में एक कंप्रेशर की मदद से 2 किलोग्राम, 3 किलोग्राम के हिसाब से एलपीजी भर कर दी जा रही है। इन थैलियों के मुंह पर नॉजेल और वॉल्व को टाइट करके लगा दिया जाता है। पाकिस्तानी मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक 3 से 4 किलोग्राम गैस की थैली भरने में एक घंटे का समय लगता है। एलपीजी से भरी ये गैस की थैलियां फिर लोगों को बेची दी जाती हैं जो अपनी रसोइयों में एक छोटे से इलेक्ट्रिक सक्शन पंप की मदद से इन थैलियों को गैस सिलेंडर की तरह यूज करते हैं।

एनसी देबबर्मा का...

कुछ महीनों से ठीक नहीं थी। वह मधुमेह से भी पीड़ित थे। प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें शनिवार को मस्तिष्काघात हुआ था। उन्हें यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई। रविवार अपराह्न 2.45 बजे उनका निधन हो गया। ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर), अगरतला के निदेशक के रूप में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद देबबर्मा ने 2009 में आईपीएफटी की स्थापना की थी। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के साथ गठबंधन किया था। आईपीएफटी ने उनके नेतृत्व में पिछले विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित नौ में से आठ सीट पर जीत हासिल की थी। मेवार कुमार जमातिया के साथ देबबर्मा को बिप्लब कुमार देब के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने देबबर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देबबर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें आने वाली पीढ़ियां एक मेहनती जमीनी नेता के रूप में याद रखेंगी, जिन्होंने हमेशा लोगों की भलाई के लिए काम किया। पीएम ने ट्वीट कर कहा कि एनसी देबबर्मा को आने वाली पीढ़ियों द्वारा एक मेहनती जमीनी नेता के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने हमेशा लोगों की भलाई के लिए काम किया। उन्होंने त्रिपुरा की प्रगति में एक समृद्ध योगदान दिया। उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। नरेंद्र चंद्र देबबर्मा के निधन पर त्रिपुरा छ्ट्रूमाणिक साहा ने कहा कि वे बहुत सज्जन व्यक्ति थे। उनसे हम बहुत कुछ सीखते थे। मैं उनसे मिलने भी गया था, डॉक्टर से भी मेरी बात हुई थी। उनकी सोच को आगे रखकर हम आगे बढ़ेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले। हमने 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।

एनआरसी : सूची ...

एनआरसी सूची में 3.11 करोड़ लोगों के नाम शामिल थे। करीब 19 लाख से अधिक आवेदक इससे बाहर हो गए थे। कांग्रेस विधायक ने कहा कि भाजपा एनआरसी में शामिल अवैध विदेशी के नाम के बारे में बात कर रही है, लेकिन वे क्या कर रहे हैं। एनआरसी जब पूरा हुआ था, तब सत्ता में कौन था? राज्य और केंद्र में उनकी सरकार थी। ऐसे में सरकार को उन सभी अधिकारियों को दंडित करना चाहिए, जो एनआरसी प्रक्रिया में लगे थे। कांग्रेस विधायक ने कहा कि हमने इस एनआरसी को तैयार करने में बहुत पैसा खर्च किया है। वे एनआरसी के मुद्दे पर विदेशियों का नाम लेकर राजनीति करना चाहते हैं और लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 19 लाख लोग, जो एनआरसी से बाहर रह गए हैं, उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए अदालत जाने का मौका दिया जाना चाहिए। सरकार को ऐसे लोगों को अस्वीकृति पर्ची प्रदान करनी चाहिए। कांग्रेस विधायक ने कहा कि एनआरसी तैयार करने में अगर कोई घोटाला हुआ है तो इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है क्योंकि, 2014 से वह केंद्र में है और 2016 से असम में सत्ता में है।

ब्लैक संडे : देश में 45 से ...

गई तथा चार लोग घायल हो गए।

दिल्ली : दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-2 में एक वृद्धाश्रम में रविवार सुबह आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें *अंतरा केयर फॉर सीनियर्स* नामक वृद्धाश्रम में आग लगने की सूचना सुबह पांच बजकर 14 मिनट पर मिली। दिल्ली के कंझावला में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। शनिवार आधी रात को एक युवती एक्सीडेंट के बाद गाड़ी के नीचे फंस गई और 7-8 किमी तक घिसटती चली गई। इस घटना में युवती की मौत हो गई।

जम्मू-छत्तीसगढ़ और केरल : जम्मू के कठुआ जिले में एक कार सड़क से फिसलकर 300 फुट गहरी खाई में गिर गई जिससे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इसने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग एक निजी दूरसंचार कंपनी के कर्मचारी थे। उधर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नववर्ष की पूर्व संध्या पर हुए सड़क हादसे में एक पुलिस कांस्टेबल सहित दो लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसा राखी थाना क्षेत्र के निमोरा इलाके में हुआ। वहीं केरल के इडुक्की जिले के आदिमाली इलाके में रविवार को पर्यटकों की एक बस सड़क से करीब 100 फुट नीचे गिर गई, जिसमें सवार एक छात्र की मौत हो गई और 40 छात्रों समेत 43 अन्य घायल हो गए। वेल्लाथुवाल थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना देर रात डेढ़ से दो बजे के बीच हुई जब बस तमिलनाडु के पर्वतीय इलाके कोडाइकनाल से आ रही थी।

यूपी : उत्तर प्रदेश में जालौन से लेकर कदौरा थाना क्षेत्र तक छाए घने कोहरे के बीच एक ट्रैक्टर के गहरे गड्ढे में गिर जाने से उसमें सवार दो किसानों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के ही गोरखपुर जिले के चौरीचौरा थाना इलाके में रविवार को गुब्बारे में गैस भरते समय सिलेंडर फट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए।

झारखंड : झारखंड के कोडरमा जिले में सड़क किनारे एक गड्ढे में एक वाहन के गिरने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने रविवार को कहा कि घटना तिलैया बांध पुलिस चौकी क्षेत्र के कांको गांव में शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे हुई।

तेलंगाना : तेलंगाना के महबूबाबाद जिले के कुरावी गांव में एक लॉरी (ट्रक) से ले जाए जा रहे ग्रेनाइट पत्थर ऑटो-रिक्शा पर गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (महबूबाबाद टाउन) के. सदैया के अनुसार, दोरनाकल मंडल के मुगोरिगुडेम गांव से आठ लोग शनिवार रात कुरवी गांव में नए साल का जश्न मनाने के लिए ऑटो-रिक्शा से यात्रा कर रहे थे, तभी एक लॉरी से कुछ बड़े ग्रेनाइट पत्थर ऑटो-रिक्शा पर गिर गए।

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नासिक जिले में रविवार को एक रसायन कंपनी की भट्टी (बॉयलर) में विस्फोट के बाद लगी आग में 9 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। महाराष्ट्र के ही सोलापुर जिले में रविवार को एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

ई-कचरा प्रबंधन ...

मंत्रालय ने ई-कचरे से जुड़े इन नए नियमों को नवंबर 2022 में ही अधिसूचित कर दिया था। जो अब एक अप्रैल 2023 से अमल में लाया जाएगा। इस बीच मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसे लेकर जागरूकता अभियान चलाने की योजना बनाई है। जो जनवरी से मार्च 2023 तक चलेगा। इस दौरान सभी राज्यों में मौजूद इलेक्ट्रानिक्स और इलेक्ट्रिकल उत्पादों से जुड़े उद्योगों को इससे जुड़ी जानकारी दी जाएगी। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इन नियमों का पालन न करने पर ब्रांड उत्पादकों पर भारी जुर्माने और आपराधिक कार्रवाई होगी। जिसमें जेल जाना पड़ सकता है। साथ ही उत्पादों के उत्पादन पर रोक भी लग सकती है। मंत्रालय ने वैसे तो ई-कचरे के प्रबंधन के लिए वर्ष 2016 में ही नियम तैयार कर लिए थे। लेकिन वह इतने प्रभावी नहीं थे। जिसके चलते ई-कचरे के संग्रहण और री-साइक्लिंग दोनों ही एक बड़ी समस्या बना हुआ था। फिलहाल मंत्रालय ने इससे जुड़े नियमों को बदल दिया है। इसके तहत ई-कचरे के संग्रहण और री-साइक्लिंग की जिम्मेदारी री-साइक्लर की होगी। इसके बदले उन्हें ई- कचरे से निकलने वाली कीमती धातुएं मिलेगी। साथ ही वह जितना ई-कचरा री-साइकल करेंगे, उतनी मात्रा का सर्टिफिकेट ब्रांड उत्पादकों को बेच सकेंगे। गौरतलब है कि मौजूदा समय में देश में हर साल करीब 11 लाख टन ई-कचरा पैदा हो रहा है, उसमें से सिर्फ दस फीसद हिस्से का ही संग्रहण और री-साइक्लिंग हो पाता है। यह स्थित तब है जब देश में साढ़े चार सौ से ज्यादा री-साइक्लर है, जिनकी री-साइक्लिंग की क्षमता सालाना 14 लाख टन है।

लड़की को गाड़ी ...

दिल्ली की पुलिस को सुबह तड़के सूचना मिली थी कि एक गाड़ी में बॉडी लटकी हुई है, यह गाड़ी कुतुबगढ़ की तरफ जा रही थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर गाड़ी की तलाश में जुट गई। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि कंझावला इलाके में सड़क पर एक युवती की नग्न लाश पड़ी हुई है। क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया और फॉरेंसिक एविडेंस भी कलेक्ट किए गए। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने कार की तलाश शुरू की तो कार सुल्तानपुरी में क्षतिग्रस्त अवस्था में पाई गई है। वहीं पुलिस को एक स्कूटी भी मिली जो दुर्घटना का शिकार हुई थी। पुलिस के मुताबिक जानकारी करने पर पता चला कि एक्सीडेंट के बाद एक स्कूटी सवार युवती गाड़ी के पहियों में फंसी हुई थी और गाड़ी दूर तक उसे घिसटती हुई गई है। मौके का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें लाश नग्न अवस्था में पाई गई है। ऐसे में पुलिस सभी पहलुओं पर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। शुरुआती जानकारी पुलिस ने इस मामले को हादसा बताया है। जांच में सामने आया कि एक्सीडेंट के बाद लड़की गाड़ी से घिसटते हुए काफी दूर तक गई, जिस वजह से उसके कपड़े फट गए। आरोपी लड़के शराब के नशे में थे जो मुरथल सोनीपत से वापस अपने घर मंगोलपुरी लौट रहे थे। उसी दौरान सुल्तानपुरी के पास उनकी लड़की की स्कूटी से टक्कर हो गई। इसके बाद लड़की कार के नीचे फस गई और आरोपी लड़के 7-8 किलोमीटर दूर तक उसे घसीटते रहे। कंझावला के जोंटी गांव के पास एक राहगीर ने लड़की की लाश को कार के नीचे फंसे हुए देखकर पुलिस को कॉल की। पता चला है कि लड़की कल देर रात एक प्राइवेट फंक्शन में वेलकम गर्ल का काम करके घर लौट रही थी। उसी दौरान उसके साथ हादसा हुआ। फिलहाल गाड़ी चला रहे आरोपी अमित, उसके साथ आगे बैठे कालू समेत तीन और युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

वास हिमालय कन्दरा, आश डास नहिं पास।
कन्दमूल फल अशन है, झरना सुरुचि सुपास॥ 39॥

शब्दार्थ : (वास) निवास (कन्दरा) गुहा (डास) बिछौना (अशन) भोजन (सुरुचि) रुचिकर, दर्शनीय।

भाष्य : अवधूत योगी का हिमालय की गुहा ही घर है। उसे न किसी पदार्थ की आशा है, न किसी प्रकार का वस्त्र-बिछावन है। वह स्वच्छ झरने का जल पीकर, कंदमूल और फलों का भोजन करके देह की रक्षा कर निशिदिन महाप्रभु का भोजन करता है।

हम हमार कुछ नहिं रहा, एकहिं एक अधार।
तन मन की कछु सुधि नहीं, अन्दर अगम अकार॥ 40॥

शब्दार्थ : (सुधि) ध्यान, चेत।

भाष्य : अपना जग-ममत्व कुछ नहीं रहता। एक आत्मा का ही अंदर में अगम, अकार, आधार, अनुभव होता है, सरीर एवं मन का भाव नहीं रहता। इस प्रकार शरीर-संघात के अभिमान को छोड़कर एकाकी महाप्रभु के भजन करने वाले सहज योगी को अवधूत कहते हैं। अवधूत वृत्ति वाला योगी सर्वश्रेष्ठ, महान होता है।

सीएम ने सौ सीएनजी बसों को दिखाई हरी झंडी

महानगर के पहले सीएनजी ईंधन स्टेशन का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) को गुवाहाटी स्मार्ट सिटी लिमिटेड से उपहार में मिलीं एक सौ नई कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) बसों को हरी झंडी दिखा रवाना किया। उन्होंने शहर के पहले सीएनजी ईंधन का भी उद्घाटन किया। गुवाहाटी स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अपने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इन बसों को खरीदा है, जो एयर कंडीशनिंग, आग का पता लगाने, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम आदि से लैस हैं और एएसटीसी द्वारा संचालित की जाएंगी। इस मौके पर एक जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएनजी से चलने वाली बसों का शुभारंभ और शहर के पहले सीएनजी ईंधन स्टेशन का उद्घाटन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के क्रमिक में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा के ऐसे स्रोतों के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन असम सहित दुनिया के कई हिस्सों में जलवायु असंतुलन पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने की दिशा में सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए और एक दीर्घकालिक और स्थायी समाधान निकालना चाहिए। स्वच्छ और हरित ऊर्जा जैसे सीएनजी को जोड़ने से समस्या का समाधान हो सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि मार्च 2023 तक, पूरब भारती शहर में कम से कम 5 सीएनजी स्टेशनों का संचालन करेगी और कुछ वर्षों में, ऐसे ईंधन स्टेशनों की कुल संख्या 50 हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहनों जैसे ऑटोरिक्शा, वैन को भी धीरे-धीरे सीएनजी के दायरे में लाया जाएगा, जैसा कि दिल्ली में होता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जब एक बार इसकी पूर्ति के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार हो जाएगा तो सीएनजी से चलने वाले निजी वाहनों को भी अनुमति देने की संभावना तलाशी जाएगी। पूरबा भारती शहर के घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) भी उपलब्ध कराएगी और गुवाहाटी में सेवा शुरू करने के लिए आवश्यक ढांचागत कार्य वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि सीएनजी बेचने के लिए गैस राज्य के बाहर से लाई जा रही है, मुख्यमंत्री ने गैस-ग्रिड परियोजना को लागू करने में उनकी भूमिका के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी मानसिकता को श्रेय दिया, जिसके बिना असम में सीएनजी स्टेशन का शुभारंभ संभव नहीं होता। मुख्यमंत्री ने राज्य के परिवहन विभाग और एएसटीसी प्रशासन से अपील की कि वह एक सौ नई सीएनजी बसों का उपयोग खुद को लाभ कमाने वाले और कुशल संगठन के रूप में बदलने के अवसर के रूप में करें और कई परिहार्य और अपरिहार्य कारणों से वर्षों से चली आ रही सुस्त छवि को दूर करें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एएसटीसी अपने दैनिक कामकाज में कॉर्पोरेट घरानों के कार्य नैतिकता को शामिल करेगा। समारोह में असम कैबिनेट के मंत्री अशोक सिंघल, बिमल बोरा और परिमल शुक्लबैद्य सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

गैंडों के सिंग से दवा बनाने वाली बात मिथक : हिमंत

गुवाहाटी (विभास)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य भर में वर्ष 2022 में गैंडों के अवैध शिकार की कोई घटना नहीं हुई। उन्होंने नव नर्ष 2023 के पहले दिन मीडिया में बयान देते हुए कहा, गैंडों का अवैध शिकार अतीत में बड़े पैमाने पर होता था, जो अब कड़ी निगरानी और अधिकारियों द्वारा की जा रही अन्य सुरक्षा व्यवस्था के कारण काफी कम हो गया है। आगे असम सीएम ने कहा कि असम अपने एक सींग वाले गैंडे के लिए जाना जाता है और यह राज्य बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है जो ऐसे स्थलों को देखने आते हैं। उन्होंने कहा काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान अब 2,613 गैंडों का घर है और राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण द्वारा नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के अनुसार संख्या बढ़ रही है। असम सीएम ने कहा कि 2021 में, अवैध शिकार में गैंडों की संख्या 21 साल में सबसे कम थी, जो कि केवल 1 थी। 2013 और 2014 में, शिकारियों द्वारा 27 गैंडों को मार दिया गया था। शिकारियों को यह स्पष्ट संदेश देने के लिए कि गैंडे के सींग कोई औषधीय या मौद्रिक मूल्य नहीं देते हैं, असम सरकार ने सार्वजनिक रूप से सितंबर में 2,479 सींगों का भंडार जला दिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा, गैंडों के सींगों का औषधीय प्रयोजनों के लिए उपयोग एक मिथक है।

हथौड़ी से पीट-पीटकर पत्नी ने पति को उतारा मौत के घाट

बाक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिला के मुसलपुर में एक महिला द्वारा अपने पति की बड़ी बेरहमी से हथौड़ी से पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बीती रात करवी बैश्य नामक महिला ने अपने पति हृदय बैद्य की बड़ी बेरहमी से हथौड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया। पुलिस ने पति की हत्या करने के आरोप में पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि दूसरे के घर में 31 दिसंबर की पार्टी में शरीक होने को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था।. जिसके बाद पत्नी ने पति के सर पर हथौरी से ताबड़-तोड़ हमला कर दिया। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। मृतक मुसलपुर में गहने की दुकान चलाता था।. पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार महिला से सघन पूछताछ कर रही है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के डिगबोई के सिंगराई में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि बीती देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर सिंगराई इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नारायण दास के रूप में की गई है। मृतक घटना के समय सिंगराई बाजार में स्थित अपनी दुकान को बंद कर घर जा रहा था।

सीआरपीएफ प्रमुख एसएल थाउसेन ने बीएसएफ डीजी का अतिरिक्त प्रभार संभाला

गुवाहाटी (विभास)। असम के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रमुख सुजॉय लाल थाउसेन ने सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाला. बीएसएफ 7419 किमी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा करता है जो भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ साझा करता है। एसएल थाउसेन ने 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार सिंह से बीएसएफ महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। असम के एसएल थाउसेन अगले आदेश तक बीएसएफ डीजी का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। थाउसेन इससे पहले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में विशेष महानिदेशक के तौर पर काम कर चुके हैं। 58 वर्षीय सुजॉय लाल थाउसेन मध्य प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। असम के हाफलोंग के रहने वाले आईपीएस अधिकारी सुजॉय लाल थाउसेन ने उज्जैन विश्वविद्यालय से पीएचडी की है। सुजॉय लाल थाउसेन का जन्म 6 नवंबर, 1963 को असम के हाफलोंग में हुआ था। थाउसेन ने विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) सहित विभिन्न क्षमताओं में विभिन्न बलों की सेवा की थी, जिसे भारत के प्रधान मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्रियों को निकट सुरक्षा प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है। सुजॉय लाल थाउसेन ने एसपीजी में दो बार सेवा की थी और पीएम मनमोहन सिंह और भारत के पूर्व प्रधानमंत्रियों की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे थे। थाउसेन ने अंतर्राष्ट्रीय पुलिस टास्क फोर्स के हिस्से के रूप में संयुक्त राष्ट्र में भी काम किया। उन्हें 1999 से 2000 तक बोस्निया और हर्जेगोविना में तैनात किया गया था। उन्होंने गणतंत्र दिवस, दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह और राष्ट्रमंडल खेल 2010 जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया।

मेरापानी में बर्मीज सुपारी समेत ट्रक जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

गोलाघाट (हि.स.)। सीआरपीएफ ने शनिवार की रात गोलाघाट जिले के मेरापानी में बर्मीज (म्यांमार) से लायी गई अवैध सुपारी लदे एक ट्रक को जब्त किया है। सीआरपीएफ ने ट्रक चालक को पकड़ कर जब्त सामान के साथ स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। बताया गया कि रात एक ट्रक नगालैंड के डिमापुर के माध्यम से वखा होते हुए मेरापानी सीमा के माध्यम से असम में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। सीआरपीएफ के जवानों संदेह होने पर ट्रक को रोक कर तलाशी ली। ट्रक में बर्मीज सुपारी के लगभग 306 बैग मिलने पर रोक लिया और ट्रक को मेरापानी पुलिस को सौंप दिया है। ट्रक से जब्त सुपारी की कीमत 30 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। पुलिस ने वाहन चालक हैंडीमैन को भी गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क किनारे व्यक्ति का शव मिला

बंगाईगांव (हि.स.)। साल के पहले दिन बंगाईगांव और चिरांग जिले के सीमावर्ती कासदहा इलाके में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बंगाईगांव जिले के तिलपुखुरी निवासी मिजानुर रहमान के रूप में हुई है। व्यक्ति का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। मौत की वजह का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की है।

कोठोरा उच्च माध्यमिक और शहीद सुनंद शालै मध्य विद्यालय का विद्यालय सप्ताह संपन्न

रंगिया (निसं)। कोठोरा उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा शहीद सुनंद शालैई अंग्रेजी विद्यालय का खुला अधिवेशन, अभिभावक सम्मेलन, वार्षिक पुरस्कार समारोह व सम्मान समारोह एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ शुक्रवार को संपन्न किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे छात्र एकता सभा के अध्यक्ष विनय भट्ट द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। तत्पश्चात कोठोरा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज पल्लव शर्मा की अध्यक्षता में खुली बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में तुलसीबाड़ी बहुमुखी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका लिनू बरदलै, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के जनसंपर्करक्षी अधिकारी सनातन दास व लोकप्रिय गायिका रूपही दास उपस्थित रहीं। दूसरी ओर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंगिया विद्यालयों के उप-निरीक्षक मोइनुल हक चौधुरी ने भाग लिया। बैठक में प्राचार्य पंकज पल्लव शर्मा ने पिछले साल हाईस्कूल की परीक्षा मे मेरिट से पास करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र, गामोछा और किताबें प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथि सनातन दास ने सभी को एक-एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। बैठक की शुरुआत में सहायक शिक्षक यादव कुमार कलिता ने उद्देश्य की व्याख्या की वहीं स्वागत भाषण मध्य शाखा के प्राचार्य गजेन चंद्र लहकर ने दिया। इस मौके पर गायक रूपोहि दास ने गिरिजानन्द भट्टाचार्य की प्रतिभार जोनाक का विमोचन किया। बैठक में छात्र-छात्राओं ने महो हो, विवाह गीत आदि प्रस्तुत कर दर्शकों का ध्यान खींचा।

नगांव में दो परिवार के घर जलकर राख

नगांव (निसं)। साल के पहले दिन भाड़े घर में रहने वाले दो परिवारों के घर बुरी तरह जल जाने से इलाके के लोग मर्माहत है। आज दोपहर तकरीबन 12 बजे हैबरगांव लाऊखोवा रोड स्थित पिंटू बोरा नामक व्यक्ति के भाड़े घर में अचानक आग लगकर भयावह विस्फोट की आवाज सुनाई देने से लोगों के बीच अफ़रा-तफ़री मच गई। लोगों के अनुसार रसोई गैस फटने से विस्फोट की आवाज हुई है। आग लगने का पता नहीं चल पाया है। लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है रसोई गैस सिलेंडर से आग लगी है। उल्लेखनीय है कि विमल दास और पारुल दास का घर बुरी तरह जलकर राख हो गया। घर का एक भी सामान नहीं बचा। दूसरे के घर में काम करकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाला विमल दास और पारुल दास का रोने- विलखने की दृश्य ने उपस्थित लोगों को मर्माहत कर दिया। इस आगजनी घटना में नगद धन और लाखों की सामाग्री आग में जलाकर भस्म हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल मां-बेटा गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल मां-बेटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में सोनापुर थाना क्षेत्र के बर्नीहाट पुल के पास चलाए गए अभियान के दौरान मां-बेटे को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों के पास से ड्रग्स के अलावा चोरी के मोबाइल फोन, नगद रुपए भी पुलिस ने जब्त किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान सोनापुर थाना क्षेत्र के सहारा बेगम और उसके बेटे की पहचान सहीदुल अली के रूप में की गई है। दोनों के पास से पुलिस ने चोरी के 10 मोबाइल फोन, 17 खैनी के डिब्बे में भरकर रखे गए हेरोइन, 26 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर भर कर रखे गए हेरोइन, नगद 3400 रुपए जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार मां-बेटे से सघन पुछताछ कर रही हैं।

विश्वनाथ में कौशल-विकास प्रशिक्षण आयोजित

बिश्वनाथ चराली (निसं)। नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट, असम क्षेत्रीय कार्यालय परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी कैडेट के सहयोग से 2019-20 से बिश्वनाथ जिले के सकोमाथा विकास खंड में एक एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना लागू कर रहा है। गैर सरकारी संगठन। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र के सात गांवों में लगभग दो सौ आदिवासी परिवारों का समग्र विकास करना है। नाबार्ड द्वारा स्थानीय निवासियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए क्षेत्रों में बुनाई, मशरूम की खेती, अगरबत्ती बनाने, बांस हस्तशिल्प आदि पर कई कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। बिश्वनाथ के उपायुक्त, मुनिंद्र नाथ नगेटे ने हाल ही में नाबार्ड के डीडीएम के साथ नाबार्ड के आईटीडीपी के तहत विकसित ऐसे दो गांवों का दौरा किया। उन्होंने नाबार्ड के बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के लाभार्थियों द्वारा विकसित किए जा रहे निर्माणाधीन बुनाई केंद्र का भी दौरा किया। उपायुक्त, नगेटी ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए नाबार्ड द्वारा की गई पहल की सराहना की।

न्यू जलपाईगुड़ी-सांतरागाछी स्पेशल का गुवाहाटी तक सेवा विस्तार

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 08047/08048 सांतरागाछी - न्यू जलपाईगुड़ी - सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन की सेवा को गुवाहाटी तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं से आठ ट्रिपों के लिए संचालित होगी। इस विस्तार से गोवालपारा, कोकराझार, न्यू कोचबिहार जैसे विस्तृत अंचल के यात्रियों को लाभ होगा, जिन्हें सांतरागाछी (कोलकाता के पास) की यात्रा की आवश्यकता है। ट्रेन संख्या 08047 (सांतरागाछी - गुवाहाटी) स्पेशल 06 जनवरी, 2023 से 24 फरवरी, 2023 तक प्रत्येक शुक्रवार को सांतरागाछी से 18:00 बजे रवाना होगी और गुवाहाटी अगले दिन 15:00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 08048 (गुवाहाटी - सांतरागाछी) स्पेशल 07 जनवरी, 2023 से 25 फरवरी, 2023 तक प्रत्येक शनिवार को गुवाहाटी से 16:45 बजे रवाना होगी और सांतरागाछी अगले दिन 12:30 बजे पहुंचेगी। दोनों छोर से यात्रा के दौरान ट्रेन वाया गोवालपारा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू कोचबिहार, किशनगंज, मालदा टाउन और बर्द्धमान स्टेशनों से होकर चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 21 कोच होंगे। इसमें तीन एसी 3-टीयर, एक एसी 2-टीयर, बारह स्लीपर क्लास, तीन जनरल क्लास सीटिंग और दो लगेज ब्रेक वैन शामिल है। इस ट्रेन के ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और विभिन्न समाचारपत्रों एवं पू. सी. रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की गई है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

मजारचर छात्र संघ के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का लाईखुटा स्थापित

नागरबेड़ा (निस)। बरपेटा जिले के बागबर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत मजारचर छात्र संघ के स्वर्ण जयंती समारोह का लईखुटा आज औपचारिक रूप से स्थापित किया गया। मजारचर छात्र संघ के संस्थापक महासचिव खलीलुर रहमान ने मजारचर छात्र संघ के अध्यक्ष मोजम्मिल हक की अध्यक्षता में आयोजित फाउंडेशन समारोह को औपचारिक रूप से स्थापित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में लुइतपरिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जसीम उद्दीन अहमद, एफए अहमद हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक सबन अली अहमद, अलोपति चार थाने के प्रभारी पुलिस अधिकारी प्रकाश डेका उपस्थित थे। प्रमुख व्यक्तित्व नौशाद अली बेपारी, जुलहक मंडल, हनीफ उद्दीन और कई अन्य। उन्होंने स्वर्ण जयंती समारोह के सर्वांगीण विकास की कामना की और सभी स्तरों पर लोगों से सहयोग और सहयोग मांगा। फखरुद्दीन अली अहमद हाई स्कूल के खेल के मैदान के प्रांगण में आयोजित समारोह में बड़े क्षेत्र के लगभग तीन सौ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नए साल की पूर्व संध्या पर जमकर उड़ी ट्रैफिक नियमों की धज्जियां

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या पर पूरे शहर में यातायात के सुचारू संचालन और विनियमन के लिए व्यापक व्यवस्था की थी। बावजूद इसके लोगों ने कानून नियम की जमकर धज्जियां उड़ाई। इस बार नाबालिग को भी वाहन चलाते हुए पकड़ा गया है। यातायात उल्लंघन करने वाले चालकों पर नजर रखने के लिए, वर्ष के अंतिम तीन दिनों में जोर दिया गया था। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 29 दिसंबर से पूरी दिल्ली में विशेष अभियान चलाया गया और तीन दिनों में कुल 3830 मोटर चालकों के खिलाफ विभिन्न यातायात उल्लंघन के लिए चालान किए गए। जिसमें 661 मोटर चालकों का शराब पीकर गाड़ी चालने के लिए, 514 का खतरनाक ड्राइविंग के लिए, 186 का गलत साइड के लिए, 134 का ट्रिपल राइडिंग के लिए, वहीं 192 का मामूली ड्राइविंग के लिए। जबकि 2004 का बिना हेलमेट के लिए चालान किया गया। जबकि 143 वाहनों को मौके पर ही जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि नए साल की पूर्व संध्या पर यातायात पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच के लिए श्वास विश्लेषक से लैस 114 टीमों को तैनात किया गया था। वहीं मोटर साइकिल पर स्टंट, ओवर स्पीड, लापरवाह, जिग-जैग और खतरनाक ड्राइविंग की जांच के जिए विशेष पिकट भी लगाये गए थे।

कुछ ऐसे रही है पुलिस की कर्रवाई – विशेष जांच अभियान के दौरान कुल 1329 मोटर चालकों पर विभिन्न उल्लंघन के लिए मुकदमा दिया गया, जिसमं 318 मोटर चालकों को शराब पीकर गाड़ी चलाने के लिए, 175 को खतरनाक ड्राइविंग के लिए, 55 को गलत साइड के लिए, 47 को ट्रिपल राइडिंग के लिए, 70 को नाबालिग वाहन चालन के लिए, 664 को बिना हेल्मेट के लिए।जबकि 53 वाहनों को मौके पर ही जब्त किया गया। इस साल नव वर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीकर गाड़ी चलाने के लिए कुल 318 मोटर चालकों पर मुकदमा दिया गया। जबकि वर्ष 2021 में यह संख्या 25, 2020 में 19 और 2019 में 299 वाहन चालकों पर मुकदमा दिया गया था। वहीं नव वर्ष की पूर्व संख्या पर किसी व्यक्ति की घातक दुर्घटना में मृत्यु नहीं हुई।जबकि 2019 में नए साल की पूर्व संध्या पर घातक दुर्घटना में 2 लोगों की मौत हुई थी। जबकि 2020 में 3 लोगों की और 2021 में एक की मौत हुई थी।

यहां रही कड़ी व्यवस्था – कनॉट प्लेस, साकेत, एम ब्लॉक मार्केट ग्रेटर कैलाश, चिराग दिल्ली, न्यू फ्रेंडस कॉलोनी, डिफेंस कॉलोनी, साउथ एक्सटेंशन, महरौली, आया नगर बार्डर, खानपुर, इरोज होटल, नेहरू प्लेस, गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास, कुतुब मीनार, हौज खास विलेज, वसंत विहार, वसंत कुंज, कापसहेड़ा, द्वारका, राजौरी गार्डन, नेताजी सुभाष प्लेस, रोहिणी, पीतमपुरा, अशोक विहार, मॉडल टाउन, मुखर्जी नगर, जीटी करनाल रोड, कडकडडूमा, लक्ष्मी नगर, प्रीत विहार, विकास मार्ग और मयूर विहार फेज-2 के आस-पास के इलाकों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

आज से दिल्ली का आश्रम फ्लाईओवर 45 दिन तक के लिए बंद

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आश्रम फ्लाईओवर को रविवार से 45 दिन के लिए बंद कर दिया गया। इस दौरान संपर्क सड़क का निर्माण किया जाना है। इस फ्लाईओवर के बंद रहने से दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से आने-जाने वाले यातायात पर असर पड़ेगा। यातायात पुलिस ने लोगों को केवल निर्दिष्ट स्थानों पर ही वाहन पार्क करने और अस्पतालों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों या हवाईअड्डों तक पहुंचने के लिए यात्रा की योजना पहले से बनाने की सलाह दी है। यातायात पुलिस का कहना है कि इस कदम से आश्रम चौक, डीएनडी फ्लाईओवर, मथुरा रोड और नोएडा से गुजरने वाले कैरिज-वे के दोनों तरफ आउटर रिंग रोड से आने वाले यातायात पर असर पड़ने की संभावना है। यातायात पुलिस ने कहा कि इस अवधि के दौरान फ्लाईओवर के नीचे रिंग रोड के दोनों कैरिज-वे चालू रहेंगे। यातायात पुलिस ने शनिवार को कहा था- एक जनवरी से आश्रम फ्लाईओवर और नए डीएनडी फ्लाईओवर के बीच संपर्क सड़क बनने के कारण आश्रम फ्लाईओवर के दोनों कैरिज-वे बंद हो जाएंगे।

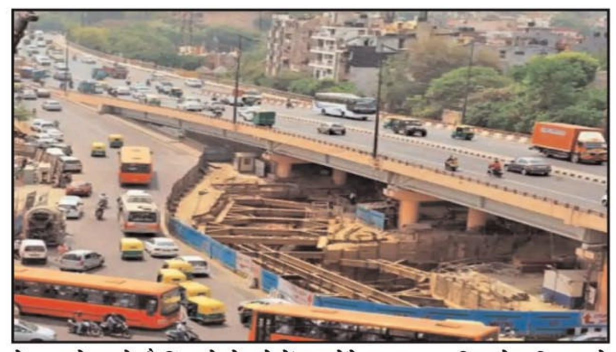

कर्नाटक के नेलमंगला और देविहल्ली के बीच राजमार्ग तैयार : गडकरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि कर्नाटक के नेलमंगला और देविहल्ली के बीच एक सड़क का निर्माण किया गया है जो राष्ट्रीय राजमार्ग -75 के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि सड़क राज्य की राजधानी और मैसूरु, हलेबीडु, सकलेशपुरा और धर्मस्थल जैसे पर्यटन स्थलों के बीच संपर्क को बढ़ाएगी। गडकरी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, एनएच-75 पर नेलमंगला-देविहल्ली के बीच एक खंड का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है। यह खंड मैसूरु, सकलेशपुरा, हेलेबिडु, धर्मस्थल आदि जैसे पर्यटन स्थलों को जोड़ेगा और सप्ताहांत पर लगभग 30 हजार वाहन इससे गुजरेंगे। यह बेंगलुरु-मंगलुरु, बेंगलुरु-मैसूरु, बेंगलुरु-हसन, सकलेशपुरा, धर्मस्थल को जोड़ेगा। मंत्री ने कहा कि उन्होंने राजमार्ग को इस तरह से बनाने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल किया है कि ताकि यह क्षति से प्रतिरोधी हो। गडकरी ने लिखा, हमने निर्माण के दौरान कुछ नवीन उपायों को लागू किया है जैसे कि माइक्रो-सरफेसिंग मिश्रण की फ्लेक्सुरल ताकत को बढ़ाने के लिए फाइबर प्रबलित माइक्रो सरफेसिंग का उपयोग और जिससे दरार प्रतिरोध एवं दीर्घकालिक स्थायित्व में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि यह गलियारा राज्य में आसपास के उद्योगों को भी मदद करेगा। गडकरी ने कहा, हमने पेवमेंट संकटों को सटीक रूप से निर्धारित करने के लिए अत्याधुनिक पेवमेंट जांच का भी उपयोग किया है। गलियारे को रणनीतिक रूप से विकसित किया गया है क्योंकि राजमार्ग को जोड़ने के लिए कई उद्योगों और परिधीय रिंग सड़कों का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, हम कर्नाटक के लोगों के लिए असाधारण सड़क बुनियादी ढांचा सुनिश्चित कर रहे हैं।

आगामी चुनाव में कांग्रेस के जीत के दावे पर शिवराज का तंज, बोले- मन बहलाने को ख्याल अच्छा है

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी के कांग्रेस की जीत के दावे पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तंज कसा है। उन्होंने नए साल के मौके पर शिरडी में राहुल गांधी के बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि मन बहलाने को राहुल का ख्याल अच्छा है। दरअसल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर वर्ष की भांति इस बार भी नए साल की शुरूआत पर अपने परिवार के साथ शिरडी साईं बाबा के दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने रविवार तड़के अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह और बेटे कार्तिकेय के साथ शिरडी के साईं बाबा के दर्शन कर पूजा अर्चना की और साईं बाबा से मध्यप्रदेश की जनता के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की। इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए राहुल गांधी के बयान पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि मन बहलाने को राहुल का ख्याल अच्छा है। खुद का मजाक उड़ाने में कोई हर्ज नहीं। आगे बढ़ो और खुद का मजाक बनाओ। मैं मीडिया से ये कहने के लिए भी तैयार हूं कि भाजपा मध्य प्रदेश में आगामी चुनावों में क्लीन स्वीप करेगी। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने शनिवार को नई दिल्ली में भारत जोड़ो यात्रा के संदर्भ में आयोजित प्रेस वार्ता में दावा किया था कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। मैं लिखित में दे सकता हूं कि मध्य प्रदेश चुनाव में कांग्रेस क्लीन स्वीप करने जा रही है। भाजपा कहीं नजर नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि मध्य प्रदेश का हर व्यक्ति जानता है कि भाजपा ने धन बल से अपनी सरकार बनाई है। इससे लोगों में गुस्सा में है।

दिल्ली के सीनियर सिटीजन केयर होम में आग लगने से दो की मौत

अजय कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश पार्ट-2 के ई ब्लॉक में स्थित सीनियर सिटीजन केयर होम में आग लग गई। इस हादसे में वयोवृद्ध दो लोगों की मौत हो गई और छह लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। आग बुझाई जा चुकी है। यह जानकारी दिल्ली फायर सर्विस ने दी। दक्षिण दिल्ली पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने कहा है कि इस हादसे में दो महिलाओं की मृत्यु हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। कुल 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर है। उसे मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाए गए लोगों में बुजुर्गों के अलावा उनके सहायक भी हैं।

भारत और पाकिस्तान ने असैन्य बंदियों व मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और पाकिस्तान ने राजनयिकों के माध्यम से एक-दूसरे के यहां जेलों में बंद असैन्य बंदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया। भारत ने 339 पाकिस्तानी नागरिक कैदियों और 95 मछुआरों की सूची सौंपी। इसी तरह पाकिस्तान ने अपनी जेलों में बंद 51 भारतीय असैन्य कैदियों और 654 मछुआरों की सूची साझा की है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा, भारत और पाकिस्तान ने आज नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ राजनयिक चैनलों के माध्यम से, उनकी हिरासत में नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया। 2008 के समझौते के प्रावधानों के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान हर साल 01 जनवरी और 01 जुलाई को किया जाता है। इसमें कहा गया है कि भारत ने 339 पाकिस्तानी नागरिक कैदियों और 95 पाकिस्तानी मछुआरों की सूची साझा की है जो वर्तमान में भारतीय हिरासत में हैं। इसी तरह, पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में 51 नागरिक कैदियों और 654 मछुआरों की सूची साझा की है, जो भारतीय हैं या भारतीय माने जाते हैं। बयान में भारत सरकार ने पाकिस्तान की हिरासत से असैन्य कैदियों, लापता भारतीय रक्षाकर्मियों और मछुआरों को उनकी नावों के साथ जल्द रिहा करने और वापस लाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मंगलवार को 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 जनवरी को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) को संबोधित करेंगे। इस वर्ष के आईएससी का मुख्य विषय ह्यमहिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकीह्व है। इस आयोजन के दौरान सतत विकास, महिला सशक्तिकरण और इसे प्राप्त करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं के योगदान को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध महिला वैज्ञानिकों के व्याख्यान होंगे। आईएससी के साथ-साथ कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। बच्चों के बीच वैज्ञानिक रुचि और स्वभाव को प्रोत्साहित करने में मदद करने के लिए बाल विज्ञान कांग्रेस का भी आयोजन किया जाएगा। किसान विज्ञान कांग्रेस जैव-अर्थव्यवस्था में सुधार और युवाओं को कृषि के प्रति आकर्षित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। जनजातीय विज्ञान कांग्रेस भी आयोजित की जाएगी, जो आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान देने के साथ-साथ स्वदेशी प्राचीन ज्ञान प्रणाली और परंपरा को वैज्ञानिक तरीके से दशार्ने के लिए एक मंच होगा। विज्ञान कांग्रेस का पहला अधिवेशन 1914 में आयोजित किया गया था। आईएससी का 108वां वार्षिक सत्र राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा, जो इस वर्ष अपनी शताब्दी भी मना रहा है।

भारत आने वाले कुछ देशों के विमान यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर की 'निगेटिव' रिपोर्ट अनिवार्य

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र ने कोरोना संक्रमण से बचाव के मद्देनजर चीन, सिंगापुर, हांगकांग, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और जापान से आने वाले विमान यात्रियों के लिए आज से आरटी-पीसीआर की 'निगेटिव' रिपोर्ट अनिवार्य कर दी है। सरकार के एयरलाइन को जारी निर्देश के मुताबिक, वे 01 जनवरी 2023 से इन देशों से यात्रा करने वाले विमान यात्रियों के लिए चेक-इन नियमों में संशोधन करें। केवल उन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को विमान में सवार होने की अनुमति दी जाए, जिन्होंने एयर सुविधा पोर्टल पर सेल्फ डिक्लेरेशन फार्म जमा किए हैं। कोरोना की रैंडम जांच में अब तक 53 मामले सामने आए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 30 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से भारत आने वाले यात्रियों के लिए संशोधित कोरोना दिशा-निर्देश जारी किया है। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि आरटी-पीसीआर की रिपोर्ट यात्रा शुरू करने से 72 घंटे के भीतर की होनी चाहिए। प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में आने वाले यात्रियों में दो प्रतिशत यात्रियों की रैंडम जांच भी जारी रहेगी। यह निर्णय दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लिया गया है। मौजूदा हालात के मद्देनजर प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार पीके मिश्रा ने शनिवार को सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की।

नए साल पर दिल्ली व आसपास महसूस किए गए भूकंप के झटके घबराकर घरों के बाहर निकले लोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर और इसके आसपास के इलाकों में शनिवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके तब महसूस किए गए जब लोग नए साल के जश्न में डूबे हुए थे। भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग अपने घरों के बाहर निकला आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में जमीन से 5 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में भूकंप के कई झटके आ चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप 31 दिसंबर को देर रात करीब 1.19 बजे आया। ठीक एक दिन पहले यानी 31 दिसंबर की सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर हिमाचल के मंडी जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए जिनकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र मंडी जिले में जमीन से पांच किलोमीटर नीचे था।

दान में मिले अंगों को मेट्रो से अस्पतालों में पहुंचाने की व्यवस्था

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली सहित देश के कुछ बड़े शहरों में अंगदान होने के बाद उनकी जरूरत को देखते हुए मानव अंगों को संबंधित अस्पताल में पहुंचाने के लिए परिवहन सेवाओं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। दान में मिले अंगों का सही समय पर प्रत्यारोपण हो जाए। इसके लिए दिल्ली में मेट्रो के जरिए भी अंगों को निश्चित समय सीमा में भेजने की प्रक्रिया बनाने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय अंग और उत्तक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) दान में मिले अंगों को बिना किसी बाधा के जल्द से जल्द एक स्थान से दूसरे स्थान में पहुंचाने के लिए बेहतर सुविधा विकसित करने की तैयारी में लगा हुआ है। आने वाले समय में मेट्रो विमान सड़क पथ से एंबुलेंस के अलावा अन्य विकल्पों द्वारा तय समय पर अंग पहुंचाने के सभी विकल्प तलाशे जा रहे हैं। ताकि दान में मिले हुए अंगों का उपयोगमरीजों के प्रत्यारोपण और उपचार के लिए हो सके।

राधे मां 8 साल बाद घरेलू हिंसा के मामले से बरी

मुंबई। मुंबई सत्र कोर्ट ने राधे मां को घरेलू हिंसा के मामले से बरी कर दिया है। 8 साल पहले राधे मां पर एक महिला ने घरूली हिंसा का आरोप लगाया था। महिला की शिकायत के बाद राधे मां के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया गया था। महिला ने राधे मां उनके पति के साथ परिवार के 5 सदस्यों के खिलाफ 2014 में शिकायत की थी। तब पीड़िता ने कहा था कि उसके सास-ससुर ने उसके साथ मारपीट की और दहेज भी मांगा है। आरोप था कि यह सब कुछ उन्होंने राधे मां के कहने पर किया। इस मुकदमे के बाद 2017 में राधे मां ने मुंबई सत्र न्यायालय का रुख किया था। हालांकि तब मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले में राधे मां का नाम दर्ज एफआईआर से हटाने से इनकार कर दिया था। दरअसल राधे मां ने यह अपील की थी कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। बाद में मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए सत्र न्यायालय ने हाल में कहा कि मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट गलत निष्कर्ष पर पहुंची थी कि राधे मां भी इस मामले में शामिल हैं। जबकि राधे मां का इस मामले से कोई लेना देना नहीं है।

चीन को जवाब देने के लिए एलएसी के पास न्योमा एयरबेस को अपग्रेड करने की तैयारी

– एलएसी से 50 किमी. दूर यह एयरबेस रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण
– भारत ने शुरू की टेंडर प्रक्रिया, बीआरओ विकसित करेगा एयरफील्ड

नई दिल्ली, (हि.स.)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के दूसरी तरफ चीनी बुनियादी ढांचे का मुकाबला करने के लिए भारत लद्दाख में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर न्योमा एयरबेस को तेजस, मिराज-2000 जैसे फाइटर जेट्स के लिए अपग्रेड करने जा रहा है। लड़ाकू विमानों के लिए सक्षम एलएसी से महज 50 किमी. दूर न्योमा एयरफील्ड के लिए भारत ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। वायु सेना यहां से लड़ाकू विमानों का संचालन कर सकेगी, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में दुश्मनों के किसी भी दुस्साहस से निपटने की क्षमता और मजबूत होगी। यह अपग्रेडेड एडवांस लैंडिंग ग्राउंड दो साल में लड़ाकू विमानों के संचालन के लिए तैयार हो जाएगा। बोली दस्तावेज के अनुसार परियोजना पर लगभग 214 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नए एडवांस लैंडिंग ग्राउंड के लिए साइट 1,235 एकड़ में फैली होगी, जहां संबद्ध सैन्य बुनियादी ढांचे के साथ 2.7 किलोमीटर का रनवे बनेगा। सीमा सड़क संगठन ने काम को अंजाम देने के लिए ठेकेदारों की मांग करते हुए बोली आमंत्रित की है। रनवे का एलाइनमेंट ऐसा होगा कि विमान दोनों दिशाओं में लैंड कर सके और इसकी चौड़ाई 45 मीटर से अधिक होगी। नए रनवे का स्थान लेह-लोमा रोड के पास होगा, जिससे इस संवेदनशील क्षेत्र में सैनिकों और सैन्य सामग्री की त्वरित आवाजाही होगी। वायु सेना का यह एयरबेस चीन सीमा पर एलएसी के सबसे नजदीक होने के कारण रणनीतिक रूप से सबसे ज्यादा संवेदनशील होने के साथ ही महत्वपूर्ण भी है। पूर्वी लद्दाख सीमा के पास 18 सितंबर, 2009 को शिलान्यास किये गए न्योमा एयरफील्ड को अपग्रेड करने का फैसला चीनी बुनियादी ढांचे की विकास गतिविधियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। चीन सीमा से 50 किमी. से कम दूरी पर न्योमा एयरबेस अपग्रेड होने के बाद क्षेत्र में लड़ाकू और प्रमुख परिवहन विमानों के संचालन करने में आसानी होगी। इस हवाई क्षेत्र से चीन के किसी भी दुस्साहस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने में सहूलियत होगी। न्योमा एयरबेस के मुख्य संचालन अधिकारी ने कहा कि चीन के साथ गतिरोध शुरू होने के बाद से न्योमा उन्नत लैंडिंग ग्राउंड से अपाचे हेलीकॉप्टर, चिनूक हैवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर, एमआई-17 हेलीकॉप्टर और सी-130जे स्पेशल ऑपरेशंस एयरक्राफ्ट का संचालन होता है। न्योमा हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल सैनिकों और सैन्य सामग्री की आपूर्ति के लिए किया गया है। चिनूक और अपाचे हेलीकॉप्टरों ने चीन सीमा पर तैनात सैनिकों को रसद पहुंचाने के लिए नॉन-स्टॉप काम किया है। अपग्रेड होने के बाद यहां से तेजस, मिराज-2000 जैसे फाइटर जेट्स उड़ान भर सकेंगे, जिससे न्योमा में हवाई संचालन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही न्योमा एएलजी और लेह के बीच 180 किलोमीटर की दूरी घटने से पूर्वी लद्दाख में सैनिकों और सैन्य सामानों को पहुंचाने में आसानी होगी। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि एएलजी (उन्नत लैंडिंग ग्राउंड) को जल्द ही लड़ाकू विमानों के संचालन के लिए अपग्रेड किया जा रहा है, क्योंकि अधिकांश आवश्यक मंजूरी और अनुमोदन पहले ही आ चुके हैं। केंद्र की मंजूरी मिलने के बाद नए हवाई क्षेत्र और सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण सीमा सड़क संगठन करेगा। इसके अलावा भारत एलएसी से कुछ ही मिनटों की दूरी पर पूर्वी लद्दाख में दुनिया की सबसे ऊंची हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी और फुकचे में भी हवाई क्षेत्र विकसित करने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है।

आरक्षण विरोधी है भाजपा, कांग्रेस और सपा : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी की ओर से सभी देशवासियों को आंग्ल नव वर्ष की हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने नये साल में सभी के लिए रोजगार युक्त व महंगाई मुक्त आत्म-सम्मान के सुख, शान्ति व समृद्धि भरे जीवन की शुभकामनाएं दीं और साथ ही इनकी प्राप्ति के लिए अपना-अपना सतत सत्ता संघर्ष जारी रखने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि वैसे भी देश के करोड़ों गरीबों, मजदूरों, किसानों, व्यापारी वर्ग व अन्य मेहनतकश समाज को, बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों की तरह सरकारी दया व कृपादृष्टि पर ही आगे बढ़ने के बजाय, हमेशा अपनी कड़ी मेहनत एवं संघर्ष के बल पर थोड़े में ही गुजारा करने की ज्यादातर आदत है। अगर सरकार चाहे तो अपनी नीयत व नीति में थोड़ा सुधार करके इन सभी लोगों के जीवन को अच्छे दिन में जरूर बदल सकती है और यही सरकार का कर्तव्य भी है। लेकिन दुःख की बात है कि इन सभी मामले में केन्द्र व राज्यों की सरकारें हमें बिल्कुल भी गम्भीर नजर नहीं आती हैं। मायावती ने कहा जबकि दुनिया के लिए एक आदर्श मानवतावादी व समतामूलक भारत बनाना बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर आदि महापुरुषों की आस्था रही है। जिसके अनुरूप ही भारत का संविधान बनाया गया। इसकी मूल मंशा के अनुरूप देश को जातिवादी व साम्प्रदायिक द्वेष, नफरत व संकीर्णता आदि से मुक्त रखकर देश को सुखी व समृद्ध बनाना ही मूल मकसद रहा है। क्योंकि इसके अभाव का सबसे बड़ा भुक्तभोगी बहुजन समाज के करोड़ों लोग ही होते हैं। इसी खराब बीमारी को दूर करने के लिए ही बसपा की स्थापना की गई है ताकि सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके यहां देश में राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक व आर्थिक लोकतंत्र की भी स्थापना की जा सके। जहां तक लोगों को जोड़कर भारत को असली भारत बनाने के लिए यत्न की बात है तो यह काम बसपा ने समस्त 85 प्रतिशत शोषितों-पीड़ितों व उपेक्षितों को बहुजन समाज की शक्ति में जोड़कर काफी पहले से शुरू कर दिया है। लेकिन इसकी स्थापना में सबसे बड़ी चुनौती आरक्षण को लागू करने को लेकर संविधान बनने से लेकर आज तक बनी हुई है। इस मामले में कांग्रेस, भाजपा व समाजवादी पार्टी सहित कोई भी विरोधी पार्टी आरक्षण के साथ इस संवैधानिक उत्तरदायित्व के प्रति ईमानदार नहीं है। यही आज तक का कड़वा इतिहास है। इसके साथ ही एससी व एसटी के आरक्षण को लागू करने के मामले में ही नहीं बल्कि ओबीसी के आरक्षण को लेकर भी इन पार्टियों का रवैया अति जातिवादी व क्रूर देखने को मिला है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने केन्द्र में अपनी सरकार के लम्बे दौर के रहते हुए भी पिछड़ों के आरक्षण सम्बन्धी मण्डल कमीशन की रिपोर्ट को लागू नहीं होने दिया। साथ ही, एससी व एसटी के आरक्षण को भी निष्प्रभावी बना दिया और अब भाजपा भी इस मामले में जगजाहिर तौर पर कांग्रेस के पदचिन्हों पर ही चलकर बहुजनों के आरक्षण के हक को मारने का भी घोर अनुचित काम रही है। यह सब अति-दुखद व अति चिन्तनीय भी है। इतना ही नहीं बल्कि, देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सपा की रही सरकार ने भी खासकर अति पिछड़ों को पूरा हक नहीं देकर इनके साथ हमेशा छल करने का ही काम किया है। मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने एससी व एसटी का पदोन्नति में आरक्षण को खत्म कर दिया। इससे सम्बन्धित बिल को सपा ने संसद में फाड़ दिया तथा इसे पास भी नहीं होने दिया। इतना ही नहीं इस पार्टी ने ओबीसी की 17 अति-पिछड़ी जातियों को ओबीसी वर्ग की सूची से हटाकर एससी वर्ग में शामिल करने का गैर-संवैधानिक कार्य करके इन वर्गों के लाखों परिवारों को ओबीसी आरक्षण से वंचित कर दिया। क्योंकि सपा सरकार को ऐसे करने का अधिकार नहीं होने के बावजूद भी यह गलत कदम उठाने पर वे सभी जातियां न ओबीसी में ही रह पायीं और ना ही एससी में उन्हें शामिल किया जा सका। ऐसे कदम पर सपा सरकार को कोर्ट की फटकार अलग लगी। मायावती ने कहा कि जबकि बसपा सरकार में एससी व एसटी के साथ-साथ अति-पिछड़ों व पिछड़ों को भी आरक्षण का पूरा हक एवं आदर-सम्मान भी दिया गया। साथ ही, दलित व अन्य पिछड़े वर्गों में समयसमय पर जन्मे व हमेशा तिरस्कृत रहे महान संतों, गुरुओं एवं महापुरुषों को आदर-सम्मान देने में उनकी सरकार ने पर्यटकों के आकर्षण के केन्द्र भव्य स्थल, पार्क व अन्य संस्थान स्थापित किए। नए जिले आदि बनाए। उनकी उपेक्षा व नामान्तरण आदि जातिवादी मानसिकता वाली सपा सरकार में जारी रहे। इनका समाधान बसपा के उत्थान में ही निहित है।

आत्मविश्वास से भरे व्यक्ति के लिए कोई कार्य कठिन नहीं : जिलाधिकारी

झांसी, (हि. स.)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने रविवार को राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत कोचिंग ले रहे विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अगर व्यक्ति में आत्मविश्वास है तो उसके लिए कोई भी कार्य कठिन नहीं है। छोटी-छोटी चीजें महत्वपूर्ण हो सकती हैं, इसलिए जीवन में किसी चीज को छोटा न समझिए। हर महत्वपूर्ण चीज को नोट करने की आदत डालना, नोटबुक बनाना, दूसरों के नोट्स से नहीं, बल्कि अपने नोट्स से अपनी तैयारी करना फायदेमंद होता है। यदि आप सभी विद्यार्थी यह आदत डाल लें तो अगली प्रदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में मेरिट लिस्ट में स्थान बना पायेंगे। उन्होंने मोटिवेशन स्पीच में कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है। कोई भी परीक्षा हो, उस परीक्षा की पूरी तैयारी करना आवश्यक है। परीक्षा से पहले सभी विद्यार्थियों को भय और तनाव से मुक्त रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी परीक्षा के सम्बन्ध में चर्चा की है, वह अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने अभ्युदय योजना में कोचिंग ले रहे आईएएस, नीट, यूपीएससी, कैट के छात्र-छात्राओं से मेमोरी शार्प करने के नुस्खे बताये।

उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि हमें न्यूज पेपर पढ़ने की आदत डालनी चाहिए, न्यूज पेपर आपकी जनरल नॉलेज को हमेशा अपडेट करेगा, न्यूज पेपर और दुनिया की जानकारी लेने का एक बेहतर माध्यम होता है। विशेषकर संपादकीय का पृष्ठ अनिवार्य रूप से पढ़ना चाहिए और महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट करने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकालय का भी विशेष महत्व है, वहां पर विभिन्न विषयों की पुस्तकों से जानकारी ली जा सकती है। अन्य क्षेत्रों में भी रुचि लेनी चाहिए। यह व्यक्तित्व विकास का माध्यम होता है।

नव वर्ष के पहले दिन घने कोहरे और धुंध ने रोकी जीवन की रफ्तार, बर्फीली हवाओं ने गलन बढ़ाया

वाराणसी, (हि.स.)। आंग्ल नववर्ष के पहले दिन रविवार को घने कोहरे और धुंध की चादर पूरे दिन तनी रही। शनिवार देर रात से ही घने कोहरे ने आसमान से लेकर जमीन तक अपनी चादर तान दी। जिसका असर पूरे दिन बना रहा। अलसुबह से लेकर शाम तक हालात यह रही कि चार पहिया वाहन जहां फॉग लैंप के साथ नजर आए तो घना कोहरा वाले क्षेत्रों में दोपहिया वाहन भी धीमी गति से चलते रहे। कोहरे की चादर इस तरह छाई रही कि रास्ते में पचास मीटर भी कुछ साफ नहीं दिख रहा था। घने कोहरे के चलते बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री हवाईअड्डे पर मुम्बई से आया विमान देर तक चक्कर लगाने के बाद भुवनेश्वर डायवर्ट हो गया। बाबतपुर एयरपोर्ट पर अपरान्ह 1.23 बजे तक रनवे की दृश्यता 400 मीटर रही। जिसके चलते एयर इंडिया का दिल्ली से आने वाला विमान लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। कोहरे के चलते कोलकाता, मुम्बई और हैदराबाद से आए विमान वाराणसी हवाई क्षेत्र का कई चक्कर लगाने के बाद विमानतल पर उतरे। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी ट्रक चालक धीमी गति से चलते रहे। घने कोहरे, हवा में नमी के चलते ठंड और गलन भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी चार–पांच दिनों तक ऐसा ही मौसम रहेगा। मौसम के तेवर में बदलाव और अवकाश का दिन रहने के कारण लोग अपरान्ह बाद घर में लौट गये। वाराणसी में शाम पांच बजे अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 09 डिग्री सेल्सियस रहा। दृश्यता 10 फीसद और आद्रता 92 फीसद दर्ज किया गया। शनिवार को अधिकतम तापमान 23.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार देश में कई जगहों पर शीतलहर चल रही है। उसी का असर है कि कोहरा छाने के साथ ही तापमान में भी कमी देखने को मिल रही है। घरों में जहां लोग अलाव या अंगीठी के साथ रूम हीटर जलाकर शरीर को गर्म करते दिखे। वहीं, सड़कों पर भी लोग अलाव जला कर गलन से राहत पाने का प्रयास करते रहे।

दो दिवसीय प्रवास पर लखनऊ आ रहे बीएल संतोष, पार्टी के काम-काज की करेंगे समीक्षा

लखनऊ (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष 2 जनवरी को दो दिवसीय प्रवास पर लखनऊ आ रहे हैं। राष्ट्रीय महामंत्री संगठन दो दिवसीय प्रवास के दौरान पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, मोर्चों के अध्यक्षों के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे । इसके अलावा वह पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियानों, कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे एवं आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना को लेकर मार्गदर्शन देंगे। प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने बताया कि इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, प्रदेश सहप्रभारी सत्याकुमार, संजीव चौरसिया और सुनील ओझा मौजूद रहेंगे।

राजभवन में शुरू हुई परम्परागत खेल प्रतियोगिता

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजभवन में आवासित एवं कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके बच्चों के लिए परम्परागत खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। यह प्रतियोगिता एक से 15 जनवरी तक राजभवन के छोटे लॉन में होगी। इस प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, गिल्ली-डण्डा, लंगड़ी, रस्सी कूद, गोला फेंक, लम्बी कूद, 100 मीटर दौड़ तथा स्लो साइकलिंग रेस, वाली बाल, रस्सा खींच, टेबल टेनिस, शतरंज, जूडो, कैरम एवं बैडमिन्टन खेल का आयोजन होगा। प्रतियोगिता के प्रथम दिन जूडो का खेल हुआ। इस अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, विशेष सचिव बीएन सिंह, विधिक परामर्शदाता प्रशान्त मिश्रा, ओएसडी राज्यपाल अशोक देसाई, ओएसडी (शिक्षा) पंकज जॉनी सहित राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

नववर्ष पर संगम क्षेत्र में लगा निःशुल्क मेडिकल शिविर

प्रयागराज, (हि.स.)। अंतश फाउंडेशन एवं भारत विकास परिषद् की मंगलम् शाखा प्रयागराज द्वारा आज नववर्ष के प्रथम दिन एक निःशुल्क मेडिकल कैम्प स्थानीय संगम मेला क्षेत्र में बड़े हनुमान जी मंदिर के समीप लगाया गया। जिसमें लगभग चार सौ मरीजों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। मेला क्षेत्र का यह शिविर रश्मि मित्तल तथा राकेश मित्तल के सौजन्य से आयोजित कराया गया। जिसका संचालन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ वी.के. मिश्रा के नेतृत्व में डॉक्टरों की सक्षम टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ ईशान्या राज, डॉ विनोद पांडेय, डॉ आरके सिंह, डॉ राम सिया सिंह, डॉ विश्वदीप केसरवानी, डॉ सुमित पटेल, डॉ अरुणिशा जायसवाल आदि सम्मिलित थे। मेला क्षेत्र में भारी संख्या में मरीजों को कुशल चिकित्सकों द्वारा चिकित्सकीय परामर्श तथा निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। शिविर में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर यादव एवं बड़े हनुमान मंदिर के महन्त बलबीर गिरि महाराज ने अपनी उपस्थिति के साथ इस पुनीत कार्य को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए कार्यक्रम की सफलता तथा इसे निरन्तर जारी रखने की प्रेरणा दी।

निःशुल्क इलाज मिलने के कारण मेला क्षेत्र के लोगों में जैसे-जैसे जानकारी मिली मरीजों की संख्या भी उसी भांति उत्तरोत्तर बढ़ती गई। शिविर में भारत विकास परिषद् प्रयाग प्रान्त के संरक्षक शिवनन्दन गुप्ता, अध्यक्ष निशा जायसवाल, महासचिव सुनील धवन, मंगलम् शाखा के संरक्षक स्क्वैड्रन लीडर वीके मित्तल, अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह के अतिरिक्त सचिव अमित श्याम, वीपी गुप्ता, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार, अरुण जायसवाल, नामित पार्षद आशीष गुप्ता, धर्मेन्द्र कुशवाहा, नागेन्द्र जायसवाल आदि पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अंतश फाउंडेशन एवं भारत विकास परिषद् मंगलम् शाखा द्वारा विगत कई महीनों से ऐसे कैम्पों को लगातार आयोजित किया जा रहा है। यह कैम्प भी उसी शृंखला की अगली कड़ी थी।

राज्य के 491 पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए मिले एक करोड़ 39 लाख

रांची, (हि.स.)। झारखंड में तैनात 491 पुलिसकर्मियों के मेडिकल बिल को मंजूरी देते हुए एक करोड़ 39 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। डीजीपी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक हुई, जिसके बाद पुलिस सहायता एवं कल्याण कोष से उन पुलिसकर्मियों व उनके निकट परिजनों को चिकित्सा के लिए अलग-अलग राशि स्वीकृत की गई है। शारीरिक रूप से बीमार पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों को झारखंड पुलिस सहायता कल्याण कोष से बड़ी सहायता राशि मिलने की उम्मीद है। किडनी ट्रांसप्लांट, कैसर जैसे गंभीर बीमारी के लिये झारखंड पुलिस सहायता एवं कल्याण कोष से उन पुलिसकर्मियों के लिए राहत राशि मंजूर की गई है, जिन्होंने इलाज के वास्ते पुलिस मुख्यालय में आवेदन दिया था। यह राशि पांच हजार रुपयेए से लेकर 1.20 लाख तक निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि 544 पुलिसकर्मियों ने आवेदन दिया था, जिसमें 34 आवेदन पेंडिंग हैं जबकि 19 आवेदन रिजेक्ट कर दिया गया है। अन्य 491 के आवेदनों की मंजूरी के बाद इलाज के लिए एक करोड़ 39 लाख की रकम आवंटित की गई है। कई पुलिसकर्मियों ने अपनी पत्नी के प्रसव के दौरान सीजर ऑपरेशन, गर्भ संबंधी कई समस्याओं की चिकित्सा के लिए विभाग से आर्थिक मदद मांगी थी। वहीं, कई पुलिसकर्मियों ने अपने माता, पिता व संतानों के इलाज के लिए अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला दे कल्याण कोष से सहायता का आवेदन दिया था।

पिकनिक स्पॉट में लोगों की उमड़ी भीड़, बच्चों- युवाओं ने की खूब मस्ती

रांची, (हि.स.)। नए वर्ष पर राजधानी रांची के पिकनिक स्पॉट में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान बच्चे और युवा खूब मस्ती करते दिखे। इस दौरान पिकनिक स्पॉट पर पुलिस बल और दंडाधिकारी तैनात रहे। राजधानी के कई स्थानों पर डंक एंड ड्राइव अभियान भी चलाया गया। रांची के रॉक गार्डन, कांके डैम, सिदो-कान्हू पार्क, मछली घर ,नक्षत्र वन, हटिया डैम, हुण्डरु फॉल, दशम फॉल, दिउड़ी मंदिर, सूर्य मंदिर, जोन्हा फॉल, गेतलसूद डैम, सीता फॉल, गौतम धारा, रुक्का डैम, ऑक्सीजन पार्क, बिरसा मुण्डा पार्क, स्वर्ण रेखा, मगरमच्छ प्रजनन केन्द्र, जैविक उद्यान, फन कैशल पार्क, डोरंडा स्थित श्रीकृष्णा पार्क, टैगोर हिल, धुर्वा डैम और पिठोरिया घाटी सहित अन्य स्थानों पर लोग सुबह से लेकर शाम तक घूमते दिखे। एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार को बताया कि पार्क, डैम और अन्य पिकनिक स्पॉट पर शांतिपूर्वक लोगों ने नव वर्ष का आनंद लिया।

लूट की योजना बनाते 3 आरोपित गिरफ्तार

मुरादाबाद (हि.स.)। मुरादाबाद की थाना मझोला पुलिस ने लूट की योजना बनाते हुए 3 आरोपितों को गिरफ्तार किया जिनके पास से अवैध तमंचे कारतूस और चाकू बरामद हुए। पुलिस अधीक्षक नगर अखिलेश भदौरिया पुलिस क्षेत्राधिकारी सिविल लाइन डॉ. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि थाना मझोला पुलिस ने रविवार को लूट की योजना बना रहे आरोपित अनुराग उर्फ पोपू पुत्र भूरे बाल्मीकि निवासी मोहल्ला लक्ष्मनपुरी चिड़िया टोला थाना मझोला मुरादाबाद, गोलू उर्फ शिवम पुत्र भूकन सैनी निवासी मोहल्ला लक्ष्मनपुरी चिड़िया टोला थाना मझोला मुरादाबाद व लक्की उर्फ रक्षित भटनागर पुत्र विपिन भटनागर निवासी मोहल्ला गायत्री नगर थाना मझोला मुरादाबाद को गागन वाली मैनाठेर की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। सीओ सिविल लाइन ने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर व दो कारतूस जिन्दा 315 बोर, दो अवैध चाकू व 590/- रुपये आदि बरामद हुए। गिरफ्तार करने वाली टीम थाना मझोला के रामतलैया चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मदन कुमार, मुख्य आरक्षी इन्द्रपाल सिंह, आरक्षी दीपक तोमर, साबिर अली, सचिन कुमार शामिल रहे।

सब्जी बाजार व्यवसाय संघ द्वारा भंडारे का आयोजन

सहरसा, (हि.स.)। नव वर्ष के उपलक्ष्य में सब्जी बाजार व्यवसाय संघ एवं मेयर प्रत्याशी योगेश कुमार भगत उर्फ मिंटू भगत उर्फ टोपीवाला के सौजन्य से शंकर चौक पर पुलिस कैंप स्थित परिसर में रविवार को भंडारा का आयोजन किया गया।जहां सुबह से ही लोग कतारबद्ध होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते रहे।इस अवसर पर सब्जी बाजार व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कैलाश दास एवं उपाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह उर्फ बजरंगबली ने कहा कि नव वर्ष के अवसर पर व्यवसाय संघ द्वारा हर वर्ष भंडारा का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष भी लोगों को पूरी सब्जी एवं बुनिया का वितरण कर श्रद्धा पूर्वक भोजन कराया गया। योगेश कुमार भगत ने बताया कि नव वर्ष के अवसर पर नगर निगम क्षेत्र के सभी जनता को सुख समृद्धि एवं शांति की कामना कर रहा हूं । उन्होंने कहा कि व्यवसाय संघ द्वारा हर वर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता है। मकर संक्रांति के अवसर पर भी खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया जाता है। उन्होने बताया कि 12 बजे तक पूड़ी, सब्जी एवं बुनिया का वितरण किया। जबकि 12 बजे से शाम तक मसालेदार खिचड़ी खिलाई गई। उन्होंने कहा की नगर निगम क्षेत्र के लोगों की जीवन में खुशहाली आए यही कामना करता हूं। इस अवसर पर सचिव मनोज कुमार मुन्ना, कार्य समिति सदस्य अनिल सिंह,मोइनुद्दीन राइन, दिलीप केसरी, मिट्ठू भगत, राजू चौधरी,रूपेश कुमार दास, राजन कुमार, पंकज कुमार, मिथिलेश, सिंटू भगत, मनोज शर्मा, लालटू भगत, भारती,दीना साह, सुभाष साह, इकबाल, शमशेर आलम, विकास, विवेक, बबलू एवं प्रभु कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

कोडरमा में अहिबरन जयंती और मिलन समारोह

- सांसद अन्नपूर्णा देवी व पूर्व जिप प्रधान शालिनी गुप्ता ने दी नए साल की बधाई

कोडरमा, (हि.स.)। नए साल पर बरनवाल सेवा सदन में रविवार को अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कोडरमा सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, पेंशनर समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी, समाज के अध्यक्ष अशोक वर्णवाल, सचिव अजीत वर्णवाल, संजीव समीर, सतीश कुमार दीपू ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस दौरान अतिथियों ने महाराज अहिबरन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अपने सम्बोधन में सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज आगे बढ़ता है और संगठन मजबूत होता है।

पूर्व जिप प्रधान शालिनी गुप्ता ने नए साल की शुभकामना देते हुए ऐसे आयोजनों की सराहना की और कहा कि इससे समाज की एकता को भी बल मिलता है। पेंशनर समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी, अशोक वर्णवाल, आरके बसन्त और अजीत वर्णवाल ने समाज की एकता पर बल देते हुए सकारात्मक कार्य करने की अपील की। आयोजन समिति अध्यक्ष सतीश कुमार दीपू और शंभूलाल ने आयोजन में सहयोग देने के लिए समाज के लोगों के प्रति आभार जताया।

नीतीश ने मां की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी मां परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथि पर पैतृक गांव कल्याण बिगहा में श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने पिता कविराज रामलखन सिंह एवं धर्मपत्नी मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के बड़े भाई सतीश कुमार एवं उनके परिजनों ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने पैतृक गांव में भगवती मंदिर (देवी स्थान) पर पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कल्याण बिगहा एवं आसपास के लोग मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर अत्यधिक प्रफुल्लित थे। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों की समस्यायें सुनी और उसके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक जितेन्द्र कुमार, विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद ललन सर्राफ, जिलाधिकारी पटना चन्द्रशेखर सिंह, राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सिंह सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं ने भी परमेश्वरी देवी, राम लखन सिंह एवं मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम गरीब कल्याण योजना में हो रहा भष्ट्राचार ,सभी दलों के विधायक ले रहे है पीसी : प्रशांत किशोर

मोतिहारी, (हि.स.)। जन सुराज पदयात्रा के दौरान जिले के केसरिया प्रखंड पहुंचे प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पदयात्रा के दौरान अबतक जो सबसे बड़ी समस्या सामने आई है,उसमे बेरोजगारी और पलायन है ।उन्होने कहा कि यह बात मै पटना में बैठकर भी कह सकता था ।लेकिन,पदयात्रा के माध्यम से हम जिन गांवो से गुजर रहे हैं,वहां इसकी भयावह सच सामने आ रही है। उन्होने कहा कि नीतीश कुमार इस भयावह सच से मुंह चुरा रहे है ।पीके ने नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राज्य में हो रहे जहरीले शराब से मौतों का माखौल उड़ा रहे है,जिससे जनता में उनके खिलाफ जबरदस्त रोष व्याप्त है ।उन्होने कहा कि एक राजनीतिक विश्लेषक होने के नाते अपनी समझ और जमीनी हकीकत को देखते हुए मै दावे के साथ कहता हुँ,कि जदयू एक डूबती हुई नाव है। जो हालात 2002 में राजद के खिलाफ था, वही हालत आज जदयू के साथ है ।समाज में तीर छाप पर बटन दबाने वाले लोग बहुत कम रह जाएंगे। उन्होने कहा कि नीतीश कुमार के बारे में मै एक भविष्यवाणी करता हूं कि नीतीश जी अगर यात्रा करेंगे तो उस यात्रा में सारे सुरक्षाओं के बावजूद आपको अप्रिय घटना देखने-सुनने को मिलेगी। इस बात को आप एडवांस में लिख कर रख लीजिए ।क्योकी मैं जनता के अंदर उनके खिलाफ रोष को देखा है, जो बढ़ता जा रहा है ।इस दौरान जो लोग जन सुराज से जुड़ना चाहते हैं या इसके संस्थापक सदस्य बनना चाहते हैं, उसकी बहुत बड़ी संख्या है। उन्होंने कहा कि 8 जनवरी को हवाईअड्डे ग्राउंड,मोतिहारी में जन सुराज पदयात्रा का जिला सम्मेलन है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे और इसके संस्थापक सदस्य बनेंगे। निमंत्रित किए गए सारे लोग इस बात पर चर्चा करेंगे कि जन सुराज अभियान को आगे कैसे बढ़ाया जाए। अलग-अलग प्रखंड से आए हुए लोगों को यह बताने की पूरी आजादी होगी कि जन सुराज को गैर-राजनीतिक रहने दिया जाए, या इसे दल में परिवर्तित किया जाए। आने वाले समय में चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं या कौन सा चुनाव लड़ना चाहिए इसपर सभी लोग बैठ कर आपस में अपना-अपना मत बैलेट पेपर के माध्यम से वोट करेंगे।

भाजपा विधायक भी कर रहे हैं भ्रष्टाचार - प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में हो रहे भ्रष्टाचार पर बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा,ज्यादातर लोगों को पांच किलो अनाज नहीं मिलता है, उन्हें चार या साढ़े चार किलो ही अनाज मिलता है। व्यवस्थित तरीके से 40 रुपया प्रति क्विंटल के हिसाब से विधायक से लेकर अफसर और जनप्रतिनिधि तक गरीब जनता से पीसी काट रहे हैं। मौजूदा समय में सरकार की दो योजनाएं चल रही। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना जिसमें भाजपा समेत अन्य दलो के विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि और अफसर मिलकर 40 रुपया प्रति क्विंटल पीसी ले रहे है, जिसकी वजह से लाभार्थियों को पांच के बजाए 4 या 4.5 किलो ही अनाज मिल रहा है।

संपादकीय

आरोपों लगाने की जगह आत्म मूल्यांकन करे कांग्रेस

कांग्रेस के साथ कई नयी समस्याओं के साथ एक समस्या यह भी है कि वह अपने गिरेबां में झांकने की जगह दूसरों पर आरोप लगाने के लिए उतावती रहती है। अंत में होता यह है कि कांग्रेस अपने आरोपों के कारण खुद ही कठघरे में खड़ी हो जाती है। जब बेबुनियाद आरोप लगाए जाएंगे, तब स्वयं की किरकिरी ही नहीं होती अपितु साख भी गिरती है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक का मामला उठाते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गृह मंत्रालय को शिकायती पत्र लिखा था। जब गृह मंत्रालय ने सुरक्षा एजेंसियों से इस संबंध में स्पष्टीकरण देने को कहा, तब सामने आया कि स्वयं राहुल गांधी ही सुरक्षा प्रबंधों का उल्लंघन करते हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने गृह मंत्रालय को बताया है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी लेकिन राहुल गांधी की ओर से ही सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश (सिक्योरिटी प्रोटोकॉल) का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कई बार सुरक्षा उपायों का उल्लंघन किया। ठीक यही बात दिल्ली पुलिस ने भी बताई है। यह तथ्य सामने आने के बाद से लोग कांग्रेस पर सवाल उठा रहे हैं कि जब उसके नेता खुद ही सुरक्षा निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, तब कोई भी व्यवस्था उन्हें सुरक्षा कैसे दे सकती है। कांग्रेस ने इस आरोप के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया था। कांग्रेस की ओर से यह संदेश भी देने का प्रयास किया जा रहा है कि भाजपा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से डर गई है? ऐसे में यह भ्रम भी खड़ा कर दिया जाए कि भाजपा सरकार राहुल गांधी को जानबूझकर सुरक्षा प्रदान नहीं कर पा रही है, तब उसका उक्त बेबुनियाद आरोप भी प्रमाणित हो जाता। किंतु देश की जनता ने भी इसकी अनुभूति की है कि राहुल गांधी की तथाकथित भारत जोड़ो यात्रा को कहीं भी नहीं रोका गया और न ही किसी राज्य में किसी प्रकार अवरोध उत्पन्न होने दिए। जबकि इतिहास साक्षी है कि कांग्रेस के शासनकाल में भाजपा की विभिन्न राजनैतिक यात्राओं को कैसे सत्ता का दुरुपयोग करके रोक दिया जाता था, नेताओं को पकड़कर हिरासत में ले लिया जाता था और सुरक्षा के प्रबंध कैसे रहते थे? कांग्रेस के नेताओं को भी शायद ऐसा ही लगता है कि जैसा उनकी सरकार विपक्षी दलों के साथ व्यवहार करती थी, वैसा ही व्यवहार उनके साथ भी हो रहा है। लेकिन यह सच नहीं है। सच तो सामने आ गया है। सीआरपीएफ के अनुसार, 2020 से लेकर अब तक 113 बार राहुल गांधी की ओर से सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया गया है। सीआरपीएफ की ओर से समय-समय पर राहुल गांधी को बताया भी गया कि वे सुरक्षा निर्देशों का पालन करें लेकिन वे ध्यान ही नहीं देते हैं। याद रखें कि सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंध तभी सही से काम करते हैं, जब सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति भी खुद दिशानिर्देशों का पालन करे। लोकप्रिय नेता दिखने के चक्कर में राहुल गांधी कई बार सुरक्षा घेरा तोड़कर लोगों से मिलने के क्रम में अपनी सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। यह ठीक प्रवृत्ति नहीं है। कभी-कभीर यह हो जाता है कि नेता नागरिकों की अभिलाषा पूरी करने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़कर उनसे मिल लेते हैं लेकिन बार-बार यह करना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस को भी आरोप लगाने से पहले वास्तविकता को समझना चाहिए। अच्छा होता कि कांग्रेस के महासचिव गृह मंत्रालय की जगह राहुल गांधी को समझाइश देते और उनसे सुरक्षा संबंधी व्यवस्था का पालन करने का आग्रह करते।

> कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक का मामला उठाते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गृह मंत्रालय को शिकायती पत्र लिखा था। जब गृह मंत्रालय ने सुरक्षा एजेंसियों से इस संबंध में स्पष्टीकरण देने को कहा, तब सामने आया कि स्वयं राहुल गांधी ही सुरक्षा प्रबंधों का उल्लंघन करते हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने गृह मंत्रालय को बताया है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी लेकिन राहुल गांधी की ओर से ही सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश (सिक्योरिटी प्रोटोकॉल) का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कई बार सुरक्षा उपायों का उल्लंघन किया। ठीक यही बात दिल्ली पुलिस ने भी बताई है। यह तथ्य सामने आने के बाद से लोग कांग्रेस पर सवाल उठा रहे हैं कि जब उसके नेता खुद ही सुरक्षा निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, तब कोई भी व्यवस्था उन्हें सुरक्षा कैसे दे सकती है।

कुछ अलग

राहुल गांधी की तुलना राम से?

कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद के बयान पर आजकल काफी लत्तम-धत्तम चल रही है। उन्होंने कह दिया कि जहाँ राम नहीं पहुँच सकते, वहाँ उनकी खड़ाऊ पहुंच जाएगी याने राहुल गांधी जहाँ-जहाँ नहीं पहुंच पाएंगे, वहाँ-वहाँ उनकी खड़ाऊ पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। यह तो सबको पता है कि उन्होंने राहुल को राम नहीं कहा है। मैंने उनके वाक्यों को पढ़कर नहीं, सुनकर यह लिखा है लेकिन कुछ भाजपा नेताओं ने खुर्शीद को यह कहकर निंदा की है कि उन्होंने राहुल को राम बना दिया है। उन्होंने राहुल को राम नहीं बताया है बल्कि सिर्फ खड़ाऊ पर जोर दिया है। राहुल के जो फोटो अखबारों में छप रहे हैं और टीवी पर दिखाई पड़ रहे हैं, उनमें वे जूते पहने दिखाई पड़ रहे हैं तो फिर खुर्शीद के बयान का अर्थ क्या निकला? यही कि उन्होंने उपमा का इस्तेमाल किया है। क्या सलमान खुर्शीद जैसे पढ़े-लिखे नेता इतनी बड़ी गलती कर सकते हैं कि राहुल को राम बता दें? उन्होंने जूतों को भी खड़ाऊ नहीं बताया है। सिर्फ उपमा दी है। कांग्रेस के शीर्ष नेता, राहुल के प्रति कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्त्ताओं के दिल में आजकल बहुत सम्मान पैदा हो, यह स्वाभाविक है। उन्हें लग रहा है कि राहुल की इस लंबी यात्रा से अधमरी कांग्रेस में जान पड़ जाएगी, हालांकि ऐसा कुछ होता हुआ दिखाई नहीं पड़ रहा है। गुजरात और दिल्ली में कांग्रेस का सूंपड़ा साफ क्यों हुआ, इस यात्रा के दौरान? यदि अभी यह हाल है तो यात्रा के खत्म होने पर क्या होगा? लगभग सभी प्रांतों में कांग्रेस के स्थानीय नेताओं में दंगल आजकल तेजी पर हैं। उन-उन प्रदेशों में इन दंगलों को राहुल की यात्रा से ज्यादा प्रचार मिल रहा है। राहुल के कुछ विवादास्पद बयानों ने भी कांग्रेस और उनकी छवि को धक्का पहुंचाया है, हालांकि इस यात्रा के दौरान राहुल की भाषण-कला में काफी सुधार हुआ है। इसमें तो ज़रा भी शक नहीं है कि इस यात्रा के दौरान इस नौसिखिए नेता की बाप-कमाई में काफी हिस्सा आप-कमाई का भी जुड़ गया है लेकिन उससे कांग्रेस को कितना फायदा मिलेगा, यह कहना मुश्किल है। राहुल गांधी ने जैसी सड़क-यात्रा की है, वैसे ही वे दो-चार साल विचार-यात्रा करें तो वे निश्चय ही अच्छे नेता बनकर उभर सकते हैं। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि हमारे ज्यादातर नेताओं के पास बी.ए.—एम.ए. की डिगरियां तो होती हैं लेकिन बौद्धिक दृष्टि से वे नर्सरी के छात्रों से थोड़े ही बेहतर होते हैं। राहुल गांधी कांग्रेस की डूबती नाव के खिवैया हैं। उनका चरित्र या आचरण निष्कलंक है। सिर्फ भाजपा और नरेंद्र मोदी को कोसने से उनकी यात्रा सफल नहीं होगी। यात्रा तो सफल तभी होगी जबकि देशोद्धार का कोई वैकल्पिक दर्शन प्रस्तुत किया जाए।

> कांग्रेस के शीर्ष नेता, राहुल के प्रति कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्त्ताओं के दिल में आजकल बहुत सम्मान पैदा हो, यह स्वाभाविक है। उन्हें लग रहा है कि राहुल की इस लंबी यात्रा से अधमरी कांग्रेस में जान पड़ जाएगी, हालांकि ऐसा कुछ होता हुआ दिखाई नहीं पड़ रहा है। गुजरात और दिल्ली में कांग्रेस का सूंपड़ा साफ क्यों हुआ, इस यात्रा के दौरान? यदि अभी यह हाल है तो यात्रा के खत्म होने पर क्या होगा? लगभग सभी प्रांतों में कांग्रेस के स्थानीय नेताओं में दंगल आजकल तेजी पर हैं।

पूर्व सरकारों ने गरीबी, भूख एवं बेरोजगारी को केवल सत्ता हासिल करने का हथियार बना रखा था

लोकतांत्रिक अधिकार है गरीबों को मुफ्त अनाज

ललित गर्ग

> भारत की 135 करोड़ आबादी को देखते हुए 81 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जो इस मदद का लाभ उठायेंगे। सरकार को अधिक लोककल्याणकारी शासन-व्यवस्था की ओर बढ़ते हुए ऐसी भी योजनाएं लागू करनी चाहिए जिससे किसी भी नागरिक को मुफ्त अनाज के विवश न होना पड़े। वह सक्षम बने अपने भरण-पोषण के लिये। हर व्यक्ति को काम मिले, ऐसी योजना पर गंभीरता से कदम बढ़ाये जाने चाहिए। इसी से गरीबी का संबोधन मिट सकेगा।

आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में आबादी के एक बड़े हिस्से का भूखे रहना या भूखें ही सो जाना शर्म का विषय होना चाहिए। इस तरह की स्थितियों का होना राष्ट्र के कर्णधारों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए। जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो गरीबी पर वोट की राजनीति करें, वह शासन-व्यवस्था कैसी? शर्म का विषय तो बेरोजगार को रोजगार न देना भी होना चाहिए। लेकिन हमारी पूर्व सरकारों ने गरीबी, भूख एवं बेरोजगारी को केवल सत्ता हासिल करने का हथियार बना रखा था। दुनिया की तमाम शासन व्यवस्थाएं हर नागरिक को कोई न कोई ऐसा काम देने, जिससे वह खुद अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके, नाकाम रही है। सबको रोटी एवं रोजगार देने की आदर्श स्थिति शायद किसी भी देश में नहीं है। इसलिए जो लोग खुद अपने भोजन का प्रबंध कर पाने में अक्षम हैं, उन्हें भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकारों पर आ जाती है। ऐसे लोगों के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने एक उल्लेखनीय जन-कल्याणकारी निर्णय के अन्तर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत गरीबी रेखा के नीचे प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 35 किलो अनाज मुफ्त सुलभ कराने की घोषणा की है। अब किसी को भूखे पेट नहीं सोना पड़ेगा। भारत की 135 करोड़ आबादी को देखते हुए 81 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जो इस मदद का लाभ उठायेंगे। सरकार को अधिक लोककल्याणकारी शासन-व्यवस्था की ओर बढ़ते हुए ऐसी भी योजनाएं लागू करनी चाहिए जिससे किसी भी नागरिक को मुफ्त अनाज के विवश न होना पड़े। वह सक्षम बने अपने भरण-पोषण के लिये। हर व्यक्ति को काम मिले, ऐसी योजना पर गंभीरता से कदम बढ़ाये जाने चाहिए। इसी से गरीबी का संबोधन मिट सकेगा। इसी से भारत एक आदर्श समाज-व्यवस्था को निर्मित करते हुए सशक्त भारत- नये भारत के संकल्प को सार्थक आयाम दे सकेगा। स्वयं का भी विकास और समाज का भी विकास, यही समष्टिवाद है और यही धर्म है, यही संतुलित एवं समतामूलक नजरिया है। निजीवाद कभी धर्म नहीं रहा। जीवन वही सार्थक है, जो

समष्टिवाद से प्रेरित है। केवल अपना उपकार ही नहीं परोपकार भी करना है। अपने लिए नहीं दूसरों के लिए भी जीना है। यह हमारा दायित्व भी है और ऋण भी, जो हमें अपने समाज और अपनी मातृभूमि को चुकाना है। परशुराम ने यही बात भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र देते हुए कही थी कि वासुदेव कृष्ण, तुम बहुत माखन खा चुके, बहुत लीलाएं कर चुके, बहुत बांसुरी बजा चुके, अब वह करो जिसके लिए तुम धरती पर आये हो। परशुराम के ये शब्द जीवन की अपेक्षा को न केवल उद्घाटित करते हैं, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को परत-दर-परत खोलकर रख देते हैं। लगभग यही स्थिति नरेन्द्र मोदी के सामने है कि दुनिया में अपना नाम बहुत कर चुके, अपनी सरकार की स्थिति भी बहुत मजबूत कर चुके, अब वह करो, जिससे भारत से गरीबी की त्रासद स्थिति खत्म हो जाये। मोदी ऐसा ही करने की ओर तत्पर है। हालांकि भोजन के अधिकार के नाम से विख्यात राष्ट्रीय सुरक्षा खाद्य अधिनियम 2013 में डा. मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान पारित हुआ था मगर इसे सुचारु रूप से लागू करने की जिम्मेदारी 2014 में सत्ता में आयी मोदी सरकार को ही निभानी पड़ी थी। केन्द्र सरकार ने 2020 में कोरोना संक्रमण के फैलने पर इस अधिकार के अतिरिक्त गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रति माह पांच किलो अनाज मुफ्त प्रदान कराने की योजना भी लागू की थी। इस योजना को दिसम्बर 2022 तक बढ़ा दिया गया था जबकि खाद्य सुरक्षा अधिनियम बदस्तूर लागू था। खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गरीब परिवारों को चावल तीन रु., गेहूं दो रु. व मोटा अनाज एक रु., प्रतिकिलो की दर से मुहैया कराया जाता था। अब यह मुफ्त सुलभ कराया जायेगा और यह योजना 1 जनवरी 2023 से शुरू होकर 31 दिसम्बर 2023 तक लागू रहेगी। पिछले कई सालों से लगातार भारत विश्व भुखमरी सूचकांक में पायदान-दर-पायदान नीचे खिसक रहा है। अगले साल आबादी के पैमाने पर हम दुनिया का सबसे बड़ा देश बनने जा रहे हैं। इस तरह भोजन और पोषण संबंधी चुनौतियां उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही हैं। उत्पादन के मामले में भी पिछड़ रहे हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। विशेषज्ञ लगातार सुझाव देते रहे हैं कि इस समस्या से पार पाने का यही तरीका है कि हर हाथ को काम मिले। मगर इस पहलू पर सफलता कठिन बनी हुई है। गरीबी और भुखमरी हर चुनाव में मुद्दा बनती है, राजनीतिक दल इनके जरिए गरीबों का लुभाने एवं ठगने का भी प्रयास करते हैं, मगर हकीकत यही है कि हर साल ये समस्याएं बढ़ रही हैं। इनके समाधान के लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है। ऐसी दृढ़ इच्छाशक्ति मोदी ने दिखाई है, उससे यह विश्वास जगा है कि देश से गरीबी को दूर किया जा सकेगा। क्योंकि गरीबी के कायम रहते हुए यदि हम दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होते हैं, जो यह बेमानी जैसा लगता है। भारत जैसे विकासशील देश में अन्न सुरक्षा कानून के तहत शहरों की पचास प्रतिशत आबादी व गांवों की 75 प्रतिशत आबादी आती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आर्थिक असमानता का स्तर क्या है? इस असमानता को पाटने की गरज से ही खाद्य सुरक्षा कानून बनाया गया था जिसका पालन पिछले नौ वर्षों से हो रहा है। कल्याणकारी राज में सरकार अपने नागरिकों की आर्थिक हैसियत देखकर जो भी सुविधाएं उन्हें उपलब्ध कराती है, वह कोई खैरात या दया नहीं होती बल्कि उनका अधिकार होता है क्योंकि प्रत्येक नागरिक किसी न किसी रूप में राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देता है। वैसे भी लोकतन्त्र का यह नियम होता है कि नागरिकों को सुविधाएं उनके कानूनी हक के रूप में मिलती हैं क्योंकि उन्हीं के एक वोट की ताकत से सरकारों का गठन या बदलाव होता है। इस तरह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना एवं वोटों को प्रभावित करने के लिये मुफ्त की बिजली एवं पानी या अन्य सुविधाओं में बड़ा अन्तर है। इनमें नीति एवं नियत का भी फर्क है।

विकसित देशों की नागरिकता ले रहे कुछ भारतीय, देश की आर्थिक प्रगति को ही दर्शा रहे हैं

> देश में लगातार तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के चलते कई भारतीयों की आर्थिक स्थिति में इतना अधिक सुधार हुआ है कि वे सपरिवार कई विकसित देशों की, पर्यटन की दृष्टि से, यात्रा पर जाने लगे हैं। वर्ष 2019 में 252,71,965 भारतीयों ने अन्य देशों की यात्रा की है, कोरोना महामारी के चलते यह संख्या वर्ष 2020 में 66,25,080 एवं वर्ष 2021 में 77,24,864 पर आकर कम हो गई थी परंतु वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) पुनः तेजी से बढ़कर 183,12,602 हो गई है। विकसित देशों की यात्रा के दौरान ये भारतीय वहां रह रहे नागरिकों के रहन सहन के स्तर एवं बहुत आसान जीवन शैली से बहुत अधिक प्रभावित होकर इन देशों की ओर आकर्षित होते हैं। भारत में आने के बाद ये परिवार लगातार यह प्रयास करना शुरू कर देते हैं कि किस प्रकार इनके बच्चों को इन विकसित देशों में रोजगार प्राप्त हों और मौका मिलते ही अर्थात रोजगार प्राप्त होते ही कई भारतीय इन विकसित देशों में बसने की दृष्टि से चले जाते हैं।

केंद्र सरकार ने दिनांक 9 दिसम्बर 2022 को भारतीय संसद को सूचित किया कि वर्ष 2011 से 31 अक्टोबर 2022 तक 16 लाख भारतीयों ने अन्य देशों, विशेष रूप से विकसित देशों, की नागरिकता प्राप्त कर ली है। इसकी वर्षवार जानकारी भी प्रदान की गई है – वर्ष 2011 में 122,819 भारतीयों ने अन्य देशों की नागरिकता प्राप्त की थी, इसी प्रकार वर्ष 2012 में 120,923 भारतीय; वर्ष 2013 में 131,405 भारतीय; वर्ष 2014 में 129,328 भारतीय; वर्ष 2015 में 131,489 भारतीय; वर्ष 2016 में 141,603 भारतीय; वर्ष 2017 में 133,049 भारतीय; वर्ष 2018 में 134,561 भारतीय; वर्ष 2019 में 144,017 भारतीय; वर्ष 2020 में 85,256 भारतीय; वर्ष 2021 में 163,370 भारतीय एवं वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) 183,741 भारतीयों ने अन्य देशों की नागरिकता प्राप्त की। वर्ष 2011 से यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है केवल वर्ष 2020 को छोड़कर, क्योंकि इस वर्ष कोरोना महामारी ने पूरे विश्व को अपनी जकड़ में ले लिया था। जिन भारतीयों ने हाल ही के वर्षों में अन्य देशों में नागरिकता प्राप्त की है, उनमें से अधिकतम भारतीयों ने अमेरिका में नागरिकता प्राप्त करने के उपरांत भारतीय नागरिकता छोड़ी है। वर्ष 2021 में 78,284 भारतीयों ने अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की जो वर्ष 2020 में 30,828 भारतीयों द्वारा अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की गई संख्या से बहुत अधिक है। भारतीय किन कारणों के चलते अन्य देशों में नागरिकता प्राप्त कर रहे हैं, इस विषय पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इसके पीछे दरअसल कई आर्थिक कारण ही जिम्मेदार हैं। सबसे पहिले तो भारत में लगातार तेजी से हो रहे आर्थिक विकास के चलते कई भारतीय अन्य देशों में अपना व्यवसाय फैला रहे हैं, इस व्यवसाय की देखभाल करने के उद्देश्य से कई भारतीय परिवार अपने कुछ सदस्यों को अन्य देशों विशेष रूप से विकसित देशों में नागरिकता प्रदान करवा रहे हैं। क्योंकि वर्तमान में जारी नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति केवल एक देश की नागरिकता प्राप्त कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति ने अमेरिकी नागरिकता प्राप्त कर ली है तो उसे भारतीय नागरिकता छोड़नी होगी। दूसरे, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी जैसे तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त भारतीय नौजवानों को रोजगार के अधिकतम अवसर विकसित देशों में ही उपलब्ध हो रहे हैं, और इन देशों में वेतन भी भारत की तुलना में बहुत अधिक प्राप्त होता है। आज अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिक जो उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल वाले क्षेत्रों में कार्यरत हैं उनका औसत वेतन प्रतिवर्ष 125,000 डॉलर से अधिक है जबकि अमेरिका में निवास कर रहे नागरिकों का औसत वेतन प्रतिवर्ष लगभग 70,000 डॉलर के आसपास है। एक तो नौकरियों की अधिक उपलब्धता दूसरे बहुत अधिक वेतन, ये बहुत महत्वपूर्ण कारक हैं जो उच्च शिक्षा प्राप्त भारतीयों को अन्य देशों में रोजगार प्राप्त करने हेतु आकर्षित कर रहे हैं। तीसरे, कई विकसित देशों ने अन्य देशों के नागरिकों को शीघ्रता से नागरिकता प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष निवेश योजनाएं चला रखी हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत यदि कोई विदेशी नागरिक इन देशों में एक पूर्व निर्धारित राशि का निवेश करता है एवं पूर्व निर्धारित संख्या में रोजगार के नए अवसर उस देश में निर्मित करता है तो उसे उस देश की नागरिकता 'गोल्डन वीजा रूट' के अंतर्गत शीघ्रता से प्रदान कर दी जाती है। इसी कारण के चलते भी कई भारतीय इन देशों में अपनी बहुत बड़ी राशि का निवेश कर रहे हैं एवं इस चैनल के माध्यम से इन विकसित देशों की नागरिकता प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 2021 में इंग्लैंड में 'गोल्डन वीजा रूट' के माध्यम से बसने हेतु प्राप्त की जाने वाली जानकारी प्राप्त करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या वर्ष 2021 में 54 प्रतिशत बढ़ गई। अब तो इस प्रकार की योजनाएं यूरोपीय देश, पुर्तगाल, माल्टा, ग्रीस, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड आदि भी लागू कर भारतीयों को अपने अपने देशों में आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि भारत आर्थिक क्षेत्र में पिछले लगभग 8-9 वर्षों से लगातार तेजी से विकास कर रहा है, अतः पूरे विश्व के लिए एक आकर्षण का क्षेत्र बना हुआ है। भारत में विदेशी निवेश बहुत तेज गति से बढ़ रहा है एवं कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में अपनी औद्योगिक एवं विनिर्माण इकाईयों की लगातार स्थापना कर रही हैं, इससे कई भारतीयों ने भी आर्थिक क्षेत्र में अकल्पनीय तरक्की हासिल की है जिसके चलते कई भारतीय अपनी व्यावसायिक इकाईयों को अन्य देशों विशेष रूप से विकसित देशों में भी स्थापित कर अपने व्यवसाय को वैश्विक स्तर पर फैलाना चाहते हैं इसलिए यह देश इस वर्ग को एक आकर्षण के रूप में दिखाई दे रहे हैं। वैसे भी अब पूरा विश्व ही एक तरह से वैश्विक गांव का रूप ले चुका है। देश में लगातार तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के चलते कई भारतीयों की आर्थिक स्थिति में इतना अधिक सुधार हुआ है कि वे सपरिवार कई विकसित देशों की, पर्यटन की दृष्टि से, यात्रा पर जाने लगे हैं। वर्ष 2019 में 252,71,965 भारतीयों ने अन्य देशों की यात्रा की है, कोरोना महामारी के चलते यह संख्या वर्ष 2020 में 66,25,080 एवं वर्ष 2021 में 77,24,864 पर आकर कम हो गई थी परंतु वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) पुनः तेजी से बढ़कर 183,12,602 हो गई है। विकसित देशों की यात्रा के दौरान ये भारतीय वहां रह रहे नागरिकों के रहन सहन के स्तर एवं बहुत आसान जीवन शैली से बहुत अधिक प्रभावित होकर इन देशों की ओर आकर्षित होते हैं। भारत में आने के बाद ये परिवार लगातार यह प्रयास करना शुरू कर देते हैं कि किस प्रकार इनके बच्चों को इन विकसित देशों में रोजगार प्राप्त हों और मौका मिलते ही अर्थात रोजगार प्राप्त होते ही कई भारतीय इन विकसित देशों में बसने की दृष्टि से चले जाते हैं। साथ ही, आज लाखों भारतीय विदेशों में उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल युक्त क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने एवं अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के उद्देश्य से विकसित देशों की ओर रूख कर रहे हैं क्योंकि इन देशों में इन भारतीयों को तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक वेतन प्राप्त हो रहा है। इन विकसित देशों में भारतीय मूल के नागरिकों को वहां की नागरिकता प्राप्त होते ही वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों को भी इन देशों में बुला लेते हैं एवं सपरिवार इन विकसित देशों में बस जाते हैं।

देश दुनीया से

पानी का अदृश्य निर्यात

धान गेहूं, कपास और गन्ना ऐसी फसलें हैं, जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होने पर ज्यादा पानी सोखती हैं। इसीलिए किसानों को मोटा अनाज, दालें, तिलहन पैदा करने और एनपीके खाद डालने को कहा जाता है। मगर इस बिंदु का विरोधाभासी पहलू यह है कि भारत सरकार यूरिया-डीएपी (नाइट्रोजन और फास्फोरस से बनी खाद) जैसी खादों पर भारी सबसिडी देती है। नतीजतन, मिश्रित एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फेट और पोटाश से निर्मित खाद) की जगह डीएपी सस्ती पड़ती है। विडंबना है कि एनपीके पर सबसिडी नहीं मिलने के कारण यह खाद महंगी मिलती है, जिससे किसानों ने इसे लगभग खारिज कर दिया है। सरकार डीएपी पर सबसिडी इसलिए दे रही है कि उसे राजनीतिक हानि न उठानी पड़े। सरकार ने यूरिया-डीएपी पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ रुपए की प्रत्यक्ष सबसिडी दी है। इससे खेती में धान और गेहूं का रकबा इस साल बढ़ गया है। ये फसलें ज्यादा मात्रा में पैदा होती हैं और इन्हीं का ज्यादा निर्यात होता है। किसान बहुफसलीय खेती करने से भी कतरा रहे हैं। इस वजह से देश को दलहन और तिलहन बड़ी मात्रा में आयात करने पड़ते हैं। इनके आयात में बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी भी खर्च होती है। यही नहीं, गेहूं, धान जैसी फसलों को पैदा करने में पानी के प्रबंधन और बिजली व्यवस्था में जो धन खर्च होता है, वह भी परोक्ष निर्यात के जरिए नुकसान का सबब बन रहा है। पर राजनीति के परिप्रेक्ष्य में इस हकीकत का न तो खुलासा होता है और न ही विपक्ष इन मुद्दों को संसद में उठाता है। खेती और कृषिजन्य औद्योगिक उत्पादों से जुड़ा यह ऐसा मुद्दा है, जिसकी अनदेखी के चलते पानी का बड़ी मात्रा में निर्यात हो रहा है। इस पानी को 'वर्चुअल वाटर' भी कह सकते हैं। दरअसल, भारत से बड़ी मात्रा में चावल, चीनी, वस्त्र, जूते-चप्पल, फल और सब्जियां निर्यात होते हैं। इन्हें तैयार करने में बड़ी मात्रा में पानी खर्च होता है। अब तो जिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हमारे यहां बोतलबंद पानी के संयंत्र लगाए हुए हैं, वे भी इस पानी को बड़ी मात्रा में अरब देशों को निर्यात कर रही हैं। इस तरह निर्यात किए जा रहे पानी पर कालांतर में लगाम नहीं लगाई गई, तो पानी का संकट और बढ़ेगा। जबकि देश के तीन चौथाई घरेलू रोजगार पानी पर निर्भर हैं। आमतौर पर यह भुला दिया जाता है कि शुद्ध पानी तेल और लोहे जैसे खनिजों की तुलना में कहीं अधिक मूल्यवान है, क्योंकि पानी पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में बीस हजार डालर प्रति हेक्टेयर की दर से सर्वाधिक योगदान करता है। इस दृष्टि से भारत से कृषि और कृषि उत्पादों के जरिए पानी का जो परोक्ष निर्यात हो रहा है, वह हमारे भूतलीय और भूगर्भीय दोनों ही प्रकार के जल भंडारों का दोहन करने का बड़ा सबब बन रहा है। दरअसल, एक टन अनाज उत्पादन में एक हजार टन पानी की जरूरत होती है। चावल, गेहूं, कपास और गन्ने की खेती में सबसे ज्यादा पानी खर्च होता है। इन्हीं का हम सबसे ज्यादा निर्यात करते हैं। सबसे ज्यादा पानी धान पैदा करने में खर्च होता है। पंजाब में एक किलो धान पैदा करने में 5,389 लीटर पानी लगता है, जबकि इतना ही धान पैदा करने में पश्चिम बंगाल में करीब 2,713 लीटर पानी खर्च होता है। पानी की इस खपत में इतना बड़ा अंतर इसलिए है, क्योंकि पूर्वी भारत की अपेक्षा उत्तरी भारत में तापमान अधिक रहता है। खेत की मिट्टी और स्थानीय जलवायु भी पानी की कम-ज्यादा खपत से जुड़े अहम पहलू हैं। इसी तरह चीनी के लिए गन्ना उत्पादन में बड़ी मात्रा में पानी लगता है। गेहूं की अच्छी फसल के लिए भी तीन से चार मर्तबा सिंचाई करनी होती है। सबसे ज्यादा, सत्तर प्रतिशत पानी सिंचाई में खर्च होता है। उद्योगों में बाईस फीसद और पीने से लेकर अन्य घरेलू कार्यों में आठ फीसद जल खर्च होता है। मगर नदियों और तालाबों की जल संग्रहण क्षमता लगातार घटने और सिंचाई तथा उद्योगों के लिए दोहन से सतह के ऊपर और नीचे जल की मात्रा लगातार छीज रही है।

> किसी भी वस्तु में सबसिडी यानी छूट सुनने में अच्छी लगती है। मगर कृषि के लिए डीएपी खाद पर दी जा रही सबसिडी पानी और राष्ट्र की सकल पूंजी को हानि पहुंचा रही है। शदकों से किसानों को कृषि विभाग और वैज्ञानिक समझा रहे हैं कि खेत में नाइट्रोजन का अधिक प्रयोग न करें। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है और फसल में पानी भी अधिक देना होता है। किसी भी वस्तु में सबसिडी यानी छूट सुनने में अच्छी लगती है। मगर कृषि के लिए डीएपी खाद पर दी जा रही सबसिडी पानी और राष्ट्र की सकल पूंजी को हानि पहुंचा रही है। शदकों से किसानों को कृषि विभाग और वैज्ञानिक समझा रहे हैं कि खेत में नाइट्रोजन का अधिक प्रयोग न करें। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है और फसल में पानी भी अधिक देना होता है।

नागरिक बोध

साइप्रस से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान को भारत से दूर रहने की दी सलाह

साइप्रस में एस जयशंकर ने तुर्की, चीन और पाकिस्तान को खरी खरी सुनाई। आतंकवाद पर चीन और पाकिस्तान को चेतावनी दी। विदेश मंत्री के साइप्रस दौरे से तुर्की नाराज है। तुर्की के झुकाव पाकिस्तान की और ज्यादा रहा है। एस जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि भारत को बातचीत की मेज पर लाने में सक्षम नही हो सकता। हम पड़ोसी देशों के साथ साथ सभी देशो से एक अच्छा रिश्ता चाहते है। भारत साइप्रस के साथ तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए। जिस तरह भारत पाकिस्तान के रिस्ते है वैसे ही साइप्रस और तुर्की के रिस्ते अभी वर्तमान में है। जनरल थिमैया ने अपनी मृत्यु तक साइप्रस में दी गई सेवाओ के योगदान को सराहा। तुर्की की दुःखती रग ओर हाथ रखा। तुर्की पाकिस्तान का हमदर्द है। अंतराष्ट्रीय राजनीति में चीन और तुर्की पाकिस्तान के सदाबहार समर्थक रहे है। तुर्की और भारत के संबंधो की सबसे बडी बाधा पाकिस्तान है। एसलिए एस जयशंकर ने साइप्रस का दौरा कर तुर्की की दुःखती रग दबाने में सफल हुए है। तुर्की न केवल कश्मीर के मामले में बल्कि अंतरास्ट्रीय राजनीति में भी सदा पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया है। तुर्की के राष्ट्रपति ऐनो आन ने भारत की यात्रा भी की थी। कश्मीर के मामले में तुर्की जिस तरह का समर्थन देता रहा है। उसे देखते हुए वह भारत का अधिक रुख नही कर सकता है। तुर्की की दो दुःखती रग है एक आर्मेनिया और दूसरा साइप्रस। पहले विश्व युद्ध मे 15 लाख आर्मीनियाईयो को मरवा दिया था। आर्मेनिया उससे इस नरसंहार पर पश्चाताप जताने और क्षमा मांगने की मांग करता रहा था। इसे लेकर दोनों देशों के बीच तनातनी रही थी। भारत ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी को आर्मेनिया भेजकर तुर्की को जता दिया कि वह भी कूटनीतिक कर सकता है। इसी तरह तुर्की ने साइप्रस के एक भाग पर कब्जा कर रखा है। उसे लेकर साइप्रस और तुर्की में तनातनी रहती है। भारत ने ए दो आन की यात्रा से पहले साइप्रस के रास्ट्रपति को आमंत्रित करके तुर्की को एक और संकेत दे दिया कि वे भारत को हल्के में नही ले। उन्होंने पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाया और भारत यात्रा की औपचारिकता पूरी करके चले गए। इस बार फिर तुर्की पाकिस्तान को सपोर्ट करने की गुप्त चर्चा के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने साइप्रस में चीन और पाकिस्तान को खरी खरी सुनाई। जिससे तुर्की की आंख खुल गई है। उसने पाकिस्तान के समर्थन में बात दोहराई और तुर्की का साइप्रस के एक भाग पर कब्जे पर तुर्की ने पाकिस्तान का राग अलापना छोड़ दिया। उसको यह आभास हो गया कि हम पाकिस्तान को समर्थन देंगे तो भारत साइप्रस का मुद्दा उठाने और सनर्थन करना नही छोड़ेगा। इसलिए चुप रहने में ही भलाई है। तुर्की के साथ भारत का व्यापार भी अधिक नही है। पाकिस्तान और तुर्की के व्यापार कई गुना है।

नए साल पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने दिया संदेश, बताया– 2023 में देश को संकट से कैसे उबारेंगे

कोलंबो।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने रविवार को कहा कि 2023 नकदी की तंगी वाले देश के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष होगा क्योंकि उनका शासन संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए बहुत आवश्यक प्रोत्साहन देने के लिए सख्त प्रयास कर रहा है।

विक्रमसिंघे ने अपने नए साल के संदेश में कहा कि हम नए साल 2023 को सबसे कठिन समय, अपार कठिनाइयों, साथ ही पिछले साल की अनिश्चितताओं और निराशा से गुजरने के बाद देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि हम सभी पर कितना बड़ा बोझ डाला गया है और हममें से अधिकांश लोगों ने देश के दयनीय आर्थिक पतन के कारण जो झटके झेले हैं वे काफी चुनौतीपूर्ण थे।

उन्होंने कहा कि 2023 में हम अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बदलने की योजना बना रहे हैं। हर मोर्चे पर जमीनी स्तर से काम करेंगे। लोगों की समस्याओं को जानेंगे। वहीं वैश्विक स्तर पर रिश्ते सुधारने की कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि हमें आने वाले दशक में एक समृद्ध और उत्पादक श्रीलंका बनाने के लिए प्रस्तावित सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुधारों को साहसपूर्वक लागू करना होगा। आगे के रोडमैप की व्याख्या करते हुए, राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि देश का सबसे खराब वित्तीय संकट खत्म हो सकता है यदि हमसब एकजुट होकर इससे लड़े। 73 वर्षीय विक्रमसिंघे ने नागरिकों को उनके धैर्य और साहस के लिए धन्यवाद दिया क्योंकि सरकार ने अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए।

उन्होंने कहा कि 2023 ब्रिटिश साम्राज्य से आजादी का 75वां वर्ष भी है। राष्ट्रीय दिवस, जिसे स्वतंत्रता दिवस के रूप में भी जाना जाता है, 4 फरवरी को 1948 में ब्रिटिश शासन से देश की राजनीतिक स्वतंत्रता के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

सूडानी नेता ने राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर निकलने के लिए सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की

खार्तूम। सूडान की ट्रांजिशनल सॉवरेन काउंसिल के अध्यक्ष अब्देल फत्ताह अल–बुरहान ने देश में राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर निकलने के लिए सेना की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की है। अल–बुरहान ने शनिवार को सूडान की स्वतंत्रता की 67वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्र के नाम एक संदेष में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हम क्रांतिकारी मांगों और संक्रमण की आवश्यकताओं के जवाब में संक्रमणकालीन अवधि की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ राजनीतिक प्रक्रिया से पूरी तरह से बाहर निकलने के लिए सैन्य संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने उम्मीद जताई कि आर्थिक समस्याओं का तत्काल समाधान खोजने, पूर्ण शांति निर्माण, सुरक्षा और स्थिरता हासिल करने और देश को चुनाव के लिए तैयार करने के उद्देश्य से अपने मुख्य कार्यक्रमों के साथ ट्राजिशनल सरकार का गठन किया जाएगा। अल–बुरहान ने आगे राष्ट्रीय और राजनीतिक नेताओं से रैंकों को एकजुट करने और देश की एकता और निर्माण की नींव रखने का आह्वान किया। 5 दिसंबर को, सूडान के सैन्य और नागरिक नेताओं ने राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने और दो साल की ट्रांजिशनल नागरिक सत्ता स्थापित करने के लिए एक राजनीतिक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए।

काबुल के मिलिट्री एयरपोर्ट पर धमाकाः आत्मघाती हमले में 10 लोगों की मौत हुई, 8 लोग घायल

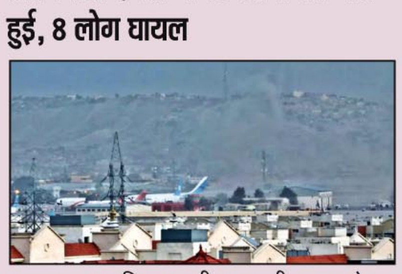

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के एक मिलिट्री एयरपोर्ट पर रविवार को धमाका हुआ है। सोशल मीडिया पर वहां के पत्रकारों ने बताया है कि इस हमले में 10 लोगों के मारे जाने की आशंका है। वहीं 8 लोग घायल भी हुए हैं। तालिबान के प्रवक्ता अब्दुल नफी टक्कुर ने भी धमाके की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि काबुल मिलिट्री एयरपोर्ट पर यह धमाका सुबह के समय हुआ। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सुबह के 8 बजे मिलिट्री एयरपोर्ट के करीब धमाके सुने गए थे। जिसके बाद सुरक्षा दलों ने पूरे एरिया को ब्लॉक कर दिया और सभी रास्ते भी बंद कर दिए। तीन दिन पहले यानी 29 दिसंबर को भी अफगानिस्तान के तालुकन प्रोविंस में धमाका हुआ था। जिसमें 4 लोग घायल हो गए थे। खामा प्रेस के मुताबिक यह धमाका तब हुआ जब एक सरकारी दफ्तर के स्टाफ के डेस्क के नीचे रखा बम फट गया था। इससे पहले 26 दिसंबर को भी एक बादाखशान प्रोविंस में हुए धमाके में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी।

नए साल पर भी चुप नहीं बैठे पुतिनः जेलेंस्की भाषण दे रहे थे, उधर मिसाइल हमलों से दहल उठा कीव

कीव। दुनिया के लिए नए साल का आगाज भले ही हो चुका हो, लेकिन यूक्रेन के लिए स्थिति जस की तस है।

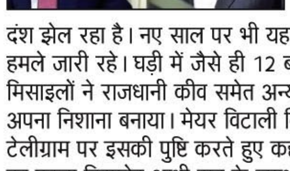

एक तरफ दुनिया 2023 के जश्न में डूबी हुई है तो दूसरी तरफ यूक्रेन रूसी हमलों का दंश झेल रहा है। नए साल पर भी यहां रूसी मिसाइल हमले जारी रहे। घड़ी में जैसे ही 12 बजे, रूसी मिसाइलों ने राजधानी कीव समेत अन्य शहरों को अपना निशाना बनाया। मेयर विटाली क्लिट्सको ने टेलीग्राम पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए साल का पहला विस्फोट आधी रात के लगभग 30 मिनट बाद शुरू हुआ, जिसमें दो जिलों को निशाना बनाया गया। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने की जानकारी अभी तक नहीं मिली है। इससे पहले शनिवार को भी रूसी प्रशासन ने दावा किया था कि 20 से ज्यादा क्रूज मिसाइलें रूस की ओर से दागी गई थीं, जिसमें कई लोग घायल हुए थे। यूक्रेन की राजधानी कीव पर ये हमले राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के संदेश के कुछ देर बाद ही हुए। नए साल पर देशवासियों को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेनियन जीत हासिल करने तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा, पूरा देश एक टीम के रूप में लड़ रहा है। मैं इसके लिए सभी की प्रशंसा करता हूं।

नॉर्थ कोरिया ने किया 2023 का पहला मिसाइल परीक्षण

तानाशाह किम जोंग ने कहा– इस साल बढ़ाएंगे परमाणु हथियारों की संख्या

प्योंगयांग।

दुनिया भर के देश जहां नए साल का जश्न मना रहे थे। वहीं नॉर्थ कोरिया ने रात 2 बजकर 50 मिनट पर 2023 का पहला मिसाइल टेस्ट भी कर लिया। साउथ कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक नॉर्थ कोरिया ने राजधानी प्योंगयांग से शॉर्ट-रेंज बैलेस्टिक मिसाइल लॉन्च की जो 400 किमी दूर जाकर गिरी। साउथ कोरिया और जापान ने इस मिसाइल परीक्षण को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

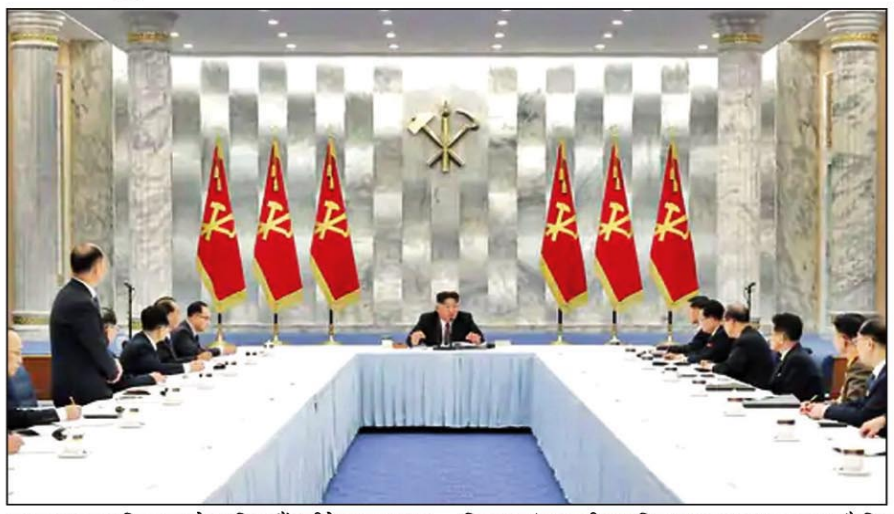

इससे पहले 31 दिसंबर की शाम को तानाशाह किम ने कहा कि आने वाले साल में नॉर्थ कोरिया को बड़े पैमाने पर परमाणु हथियारों का उत्पादन करना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया में 2022 की समीक्षा करने के लिए 6 दिन का सत्र आयोजित किया गया था। किम इसके आखिरी दिन बोल रहे थे। उन्होंने एक नई 'इंटर–कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल' विकसित करने की भी बात कही। जिससे नॉर्थ कोरिया तेजी से हमलों का जवाब दे सके।

किम ने साउथ कोरिया और अमेरिका को बताया खतरा

नॉर्थ कोरिया ने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने के पीछे अमेरिका, साउथ कोरिया से खतरे को वजह बताया है। तानाशाह किम ने कहा कि दुश्मन देश साउथ कोरिया और उसका सहयोगी अमेरिका ने नॉर्थ कोरिया को ज्यादा हथियार रखने पर मजबूर किया हुआ है।

2022 में 37 बार की मिसाइल टेस्टिंग

नॉर्थ कोरिया ने 2022 के आखिरी दिन 31 दिसंबर को भी मिसाइल टेस्ट किया था। उसने तीन बैलेस्टिक मिसाइल लॉन्च की थी। 2022 में नॉर्थ कोरिया ने सबसे ज्यादा 37 बार मिसाइल टेस्ट किए हैं। बीते साल 2017 के बाद पहली बार 'इंटर–कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल' का परीक्षण किया गया था। माना जाता है कि इस मिसाइल की जद में पूरा अमेरिका आता है।

2023 में भी खत्म नहीं होंगी ब्रिटेन की मुश्किलें: ऋषि सुनक ने नए साल पर दिए संदेश में कहा- अगले 12 महीने परेशानी भरे होंगे

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने नए साल पर लोगों को संदेश दिया है। इसमें सुनक ने लोगों को चेताया है कि ब्रिटेन की मुसीबतें 2023 में खत्म नहीं होने वाली हैं। बल्कि 2023 आने वाले 12 मुश्किल महीनों की शुरूआत है। सुनक ने कहा, मैं ब्रिटेन के लोगों की बेहतरी के लिए बिना रुके काम करुंगा लेकिन, मैं ये दावे नहीं कर सकता कि सारी समस्याएं नए साल में खत्म हो जाएंगी। हालांकि 2023 हमें मौका देगा कि हम ब्रिटेन की बेहतर चीजों को दुनिया के सामने ला सकें। उन्होंने कहा जब भी हमारा लोकतंत्र और हमारी आजादी खतरे में पड़ेगी तो हम उसे बचाएंगे। ऋषि सुनक ने नए साल के मैसेज में रूस को कोसा। उन्होंने कहा जैसे ही दुनिया कोरोना महामारी के असर से निकल रही थी। उसी समय रूस ने यूक्रेन में घुसपैठ कर जंग शुरू कर दी। जिसका पूरी दुनिया के साथ ब्रिटेन की इकॉनोमी पर भी बुरा असर पड़ा। सरकार जंग की वजह से आई आर्थिक मंदी को काबू करने की पूरी कोशिश कर रही है। ब्रिटेन में विपक्षी लेबर पार्टी के लीडर सर कीर स्टार्मर ने ऋषि सुनक के नए साल पर दिए मैसेज का हवाला देते हुए कहा कि ब्रिटेन ने बुरा समय गुजारा है। अब वक्त आ गया है कि देश की राजनीति को बदला जाए।

कोरोना विस्फोट के बावजूद चीन में नए साल का जबरदस्त जश्न, बेपरवाह भीड़ ने जमकर की आतिशबाजी

बीजिंग।

कोरोना महामारी के साए के बीच दुनिया के कई देशों में लोग नए साल का जश्न काफी उत्साह से मना रहे हैं। महामारी के खतरे के बीच कई लोग सड़क पर भी उतरे दिखे। लेकिन सबसे हैरान करने वाले दृश्य चीन से सामने आए हैं जहां कोरोना विस्फोट के कारण मच रही तबाही के बावजूद लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे नजर आए। भारी संख्या में लोग गुब्बारे छोड़ने के साथ-साथ आतिशबाजी करते दिखे। कई लोग एक दूसरे के गले लगते भी दिखे। हालांकि, इस दौरान सभी लोग मास्क लगाए हुए दिखे।

चीन में नए साल पर इस तरह से लापरवाही को लेकर लोगों ने बात भी की है। 17 वर्षीय वुहान हाई स्कूल के छात्र ने कहा कि पिछले साल के अंतिम महीने से कोरोना महामारी बहुत गंभीर स्थिति में है और मेरे परिवार के कुछ सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन हमलोग लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए यह जश्न मना रहे हैं। लोगों के मन से डर भगाना चाहते हैं। वहीं एक महिला ने कहा कि मुझे पहले डर लगा कि मैं फिर से कहीं संक्रमित न हो जाऊं लेकिन फिर मैंने सड़कों पर भारी संख्या में लोगों को देखा फिर मैं खुद को रोक नहीं सकी।

आने वाले दिनों में स्थिति बिगड़ सकती है

जनवरी के मध्य तक, एक दिन में कोरोना के 37 लाख मामले आ सकते हैं। 23 जनवरी तक चीन में कुल 5,84,000 मौतों की आशंका है। बीजिंग पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी छुपाने का आरोप लगाया गया है, इसलिए सही संख्या का आकलन करना मुश्किल है। हालांकि, चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने पिछले हफ्ते पुष्टि की थी कि देश का मौजूदा प्रकोप दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा है।

अपने सबसे अहम मोड़ से गुजर रहा है पाकिस्तान : सेना प्रमुख

कराची।

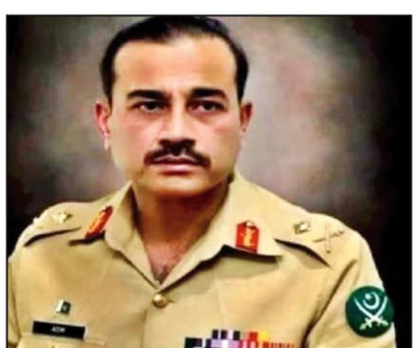

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने देश को मौजूदा आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों से बाहर निकालने के लिए एक राष्ट्रीय सहमति की जरूरत पर बल दिया है, एक मीडिया आउटलेट ने ये जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने परेड में जनरल मुनीर के हवाले से कहा, पाकिस्तान अपने सबसे महत्वपूर्ण मोड़ से गुजर रहा है और इसके लिए अर्थव्यवस्था और आतंकवाद की चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी हितधारकों द्वारा राष्ट्रीय सहमति के विकास की आवश्यकता है, एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया।

सेना प्रमुख ने प्रशिक्षण के सफल समापन और पाकिस्तान के समुद्री सीमाओं के संरक्षक बनने के लिए कमीशनिंग अवधि की बधाई दी।

समुद्री डोमेन लगातार बदल रहा है, मुख्य रूप से तकनीकी प्रगति के कारण, जिसमें केवल वही नौसेना प्रबल होगी और प्रभावी साबित होगी जो प्रोफेशनल होगी और युद्ध के आधुनिक तरीकों को सीखेगी, उन्होंने आगे कहा।

सेना प्रमुख ने न केवल पाकिस्तानी कैडेटों बल्कि मित्र देशों के कैडेटों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पाकिस्तान नौसेना अकादमी की सराहना की। उन्होंने युवा अधिकारियों को भविष्य के नेताओं के रूप में अपने आचरण, चरित्र, पेशेवर कौशल और दूरदर्शिता से नेतृत्व करने की सलाह दी।

सेना प्रमुख ने आधुनिक युद्ध और निर्देशित सूचना संचालन के पेशे और मांगों पर ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इससे पहले आगमन पर, कराची कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बाबर इफ्तिखार ने जनरल सैयद आसिम मुनीर का स्वागत किया।

ईरान में हिजाब के बाद इस्लामिक राज का विरोध: तानाशाह को मौत के नारे लगे, अब तक 100 लोगों को मौत की सजा मिली

तेहरान।

ईरान में हिजाब के बाद अब इस्लामिक शासन के खिलाफ विरोध का दौर शुरू हो गया है। लोगों ने सरकार द्वारा किए जा रहे दमन के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया है। लोग सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खुमैनी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी जाहेदान में 'तानाशाह को मौत, खुमैनी को मौत' के नारे लगाए गए।

इस्लामिक शासन खत्म करन चाहते हैं प्रदर्शनकारी

लोगों की मांग है कि खुमैनी को मौत की सजा दी जाए। साथ ही महिला प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमें ऐसी सरकार नहीं चाहिए, जो बच्चों का कत्लेआम करती हो। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए प्रदर्शनकारियों के 40 दिन पूरे होने पर उनकी कब्रों पर भी जमा हुए।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अब ये लड़ाई सिर्फ हिजाब की अनिवार्यता खत्म करने की नहीं है, बल्कि इस्लामिक शासन को ही खत्म करने की है। हम महिलाओं के लिए पूर्ण और लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं। जब तक अधिकार नहीं मिल जाते, हम सड़कों पर विरोध करते रहेंगे।

एक और युवक को फांसी की सजा

ईरान में 22 साल के मोहम्मद गोबाद्लू को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। उसने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। गिरफ्तार किए जाने के बाद उसे प्रताड़ित किया गया। कोर्ट में उसे बचाव के लिए वकील उपलब्ध कराए बगैर जज ने मौत की सजा सुना दी। मानवाधिकार समूहों का दावा है कि अब तक 100 प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है।

सिंगापुर में आग लगने से भारतीय नागरिक की मौत

सिंगापुर।

सिंगापुर में आग लगने के बाद 38 साल के एक भारतीय नागरिक की मौके पर ही मौत हो गई। साल 2022 में कार्यस्थल पर हताहत होने की यह 46वीं घटना है। खबर के मुताबिक, सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स (एससीडीएफ) ने कहा कि उसे शुक्रवार सुबह करीब 9.05 बजे सिंगापुर के पश्चिम में स्थित 21 तुआस एवेन्यू 3 में आग लगने की सूचना मिली और पानी के जेट से आग बुझाई गई।

चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर (एमओएम) के अनुसार, परिसर में सिलेंडरों से एक ज्वलनशील गैस, एसिटिलीन के अनियंत्रित रिलीज से

आग लगी थी।

प्रकाशित एक बयान में एमओएम ने कहा, ज्वलनशील गैसों वाले गैस सिलेंडरों से निपटने के दौरान ऐसी गैसों के किसी भी संचय को रोकने के साथ–साथ यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि काम का माहौल इग्निशन स्रोतों से मुक्त हो।

इसने एशिया टेक्निकल गैस को सभी कार्य गतिविधियों को रोकने का भी निर्देश दिया है। दिसंबर में, एक अन्य 32 वर्षीय भारतीय नागरिक की सिंगापुर में एक नए कार्यकारी संघ के निर्माण स्थल पर एक लॉरी क्रेन के गिरने से मृत्यु हो गई। 2022 की पहली छमाही में, स्लिप, ट्रिप और गिरने से सिंगापुर में कार्यस्थल पर चोटों का प्रमुख कारण पाया गया, 2022 में कार्यस्थल पर 46 मौतें दर्ज की गईं, जो पिछले चार वर्षों में दर्ज की गई सबसे अधिक मौतें हैं।

2021 में कार्यस्थल पर 37 मौतें हुईं थी, 2020 में 30 और 2019 में 39 मौतें हुईं।

इस तरह की घटनाओं में वृद्धि के बाद, एमओएम ने सितंबर 2022 में घोषणा की कि कंपनियों को एक अनिवार्य सुरक्षा टाइम–आउट का संचालन करने की आवश्यकता होगी, जिसमें विफल रहने पर उन्हें एक महीने के लिए नए विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने से रोक दिया जाएगा।

एमओएम ने कहा कि 1 जनवरी तक 10 से अधिक कंपनियों को घातक और बड़ी दुर्घटनाओं के कारण नए विदेशी श्रमिकों को रोजगार देने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

विवादों में घिरे हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने छोड़ा विभाग

चंडीगढ़ (हिंस)। विवादों में घिरे हरियाणा के खेल मंत्री एवं पूर्व हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह ने रविवार को खेल विभाग छोड़ दिया। संदीप सिंह के खिलाफ खेल विभाग की जूनियर महिला कोच ने शिकायत की थी, जिसमें खेल मंत्री पर उसके साथ छेड़छाड़ करने एवं धमकी देने के आरोप लगाए थे। संदीप सिंह ने इन आरोपों को एक साजिश बताया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात के बाद संदीप सिंह ने मीडियाकर्मियों को बताया कि उन्होंने खेल विभाग मुख्यमंत्री को सौंप दिया है। जब तक इस मामले की जांच पूरी नहीं होती तब तक वह खेल विभाग के किसी भी कार्य में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। चंडीगढ़ पुलिस ने महिला कोच की शिकायत पर मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में हरियाणा पुलिस एवं सरकार जहां चुप हैं वहीं

चंडीगढ़ पुलिस की कार्रवाई चर्चा में है। महिला कोच ने पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि 2016 रियो ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद वह खेल विभाग में जूनियर कोच के तौर पर भर्ती हुई थी। इसके बाद संदीप सिंह ने इंस्टाग्राम और स्नैपचैट पर उसको मैसेज भेजे। फिर उसे चंडीगढ़ सेक्टर 7 लेक साइड मिलने के लिए बुलाया। वह नहीं गई तो मंत्री उसे इंस्टाग्राम पर ब्लॉक और अनब्लॉक करते रहे। महिला कोच के आरोपों के मुताबिक एक जुलाई को मंत्री ने उन्हें स्नैपचैट कॉल किया। इसमें डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के लिए सेक्टर 7 स्थित सरकारी आवास पर बुलाया गया। यहीं पर उसके साथ अभद्रता की गई। इस शिकायत के आधार पर चंडीगढ़ के सेक्टर 26 पुलिस थाने में संदीप सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354ए, 354 बी, 342 और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक केस दर्ज करने के बाद इसकी जांच की जा रही है।

दिल्ली में दिहाड़ी-मजदूरी करने वाले के खाते में जमा हुए 9 करोड़ रुपए

हिसार (हिंस)। दिल्ली में दिहाड़ी, मजदूरी करने वाले एक व्यक्ति के खाते में 9 करोड़ से अधिक की ट्रांजेक्शन होना पाया गया है। खास बात यह है कि उसने दिल्ली के मीराबाग स्थित एक्सिस बैंक शाखा में अपना खाता खुलवाया और इसके एटीएम व अन्य दस्तावेज किसी अन्य व्यक्ति को दे दिए। बदले में उसे 35 हजार रुपए दिए गए। हिसार पुलिस की अपराध शाखा ने अब बिन मनी ऐप के जरिए धोखाधडी से रुपए हड़पने के मामले से जुड़े दिल्ली के जेजे कॉलोनी बकरवाल निवासी राकेश को गिरफ्तार किया है। उस पर पिछले वर्ष 17 मई को हिसार के सिविल लाईन थाना में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र ने रविवार को बताया कि बिन मनी क्लब (एंड्रायड लिंक चेन एप्लीकेशन) के मालिक व सदस्यो ने विन मनी क्लब (एंड्रायड लिंक चेन एप्लीकेशन) को भारत सरकार से मंजूरशुदा बताया।

सीएम गहलोत ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री मोदी को याद दिलाए साल 2022 के वादे

जयपुर (हिंस)। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए गए अलग-अलग वादों को पूरे नहीं होने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नए साल के आगमन से पहले देर रात एक के बाद एक कई ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साल 2022 में पीएम की ओर से किए गए अलग-अलग वादे याद दिलाए। गहलोत ने ट्वीट कर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने, हर परिवार को अपना घर देने एवं देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने के वादे किए थे। साल 2022 खत्म हो गया है परंतु यह वादे अभी तक पूरा नहीं हुए। सीएम गहलोत ने ट्वीट करते हुए लिखा कि इन बातों की जवाबदेही को लेकर मीडिया में भी कोई चर्चा नहीं हो रही है, आशा करते हैं कि देश हित में नए वर्ष 2023 में मीडिया में भी देश को बोली गई इन झूठ पर संज्ञान लेगा और मोदी सरकार भी इन आश्वासनों को पूरा करने का प्रयास करेगी। सीएम गहलोत ने लिखा कि राहुल गांधी ने शनिवार को प्रेस वार्ता करके असमानता का एक जरूरी मुद्दा उठाया है, क्योंकि देश में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। अमीर की संपत्ति लगातार बढ़ती जा रही है जबकि गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों के लिए घर चलाना तक मुश्किल होता जा रहा है, अब समय आ गया है कि मोदी सरकार अपनी नीतियों में बदलाव कर गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर काम करें। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 1 फीसदी अमीर लोगों की संपत्ति बाकी 70 फीसदी आबादी से भी अधिक है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। इसके साथ ही 19 मार्च 2021 को भी केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 तक देश के सभी आवासहीन इन परिवारों को पक्का मकान देने का वादा किया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार हमलावर रहते हैं और प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। पहले भी कई योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना प्रबंधन, अग्निपथ स्कीम, केंद्रीय एजेंसियों जैसे मुद्दों को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साध चुके हैं।

सर्दी की रात में घूमकर डेरा के सेवादारों ने बांटे कंबल व कपड़े

गुरुग्राम (हिंस)। सालभर परमार्थ, सेवा के कार्यों में जुटे रहने वाले डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने साल 2022 की आखिरी रात को ठंड में ठिठुरते लोगों कंबल, कपड़े वितरित किए। 2022 में सेवा करते-करते सेवादार 2023 की पहली अलसुबह तक सेवा करते रहे। एक जनवरी से डेरा सच्चा सौदा की दूसरी पातशाही शाह सतनाम सिंह जी महाराज के अवतार माह की खुशी को दुगुना करते हुए सेवादार रात में सेवा में जुटे रहे। सेवादारों ने शहर में घूमकर सड़कों किनारे व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर रह रहे लोगों को सर्दी से बचाने के लिए कंबल आदि वितरित किए। हर साल की तरह इस साल भी डेरा के सेवादारों ने देर रात तक जरूरतमंदों को की इस तरह से सेवा करके नये साल का स्वागत किया। 31 दिसंबर 2022 की रात को गुरुग्राम के ईएसआई अस्पताल, सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल, सेक्टर-4-7 चौक, बाबा प्रकाश पुरी चौक, रेलवे स्टेशन समेत कई स्थानों पर जरूरतमंदों को कंबल व गर्म कपड़े भेंट किए। डेरा सच्चा सौदा के सेवादार शनिवार रात को कार्यक्रम तय करके घर से निकले। अपने वाहनों पर कंबल आदि रखकर सड़कों पर घूमकर सुविधाओं से वंचित लोगों की तलाश करके उनको सर्दी से बचाव के लिए कंबल व कपड़े सौंपते रहे। डेरा के सेवादारों ने बताया कि अपने गुरु संत गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा की शिक्षाओं पर चलते हुए ही वे इस कार्य को कर रहे हैं। उन्होंने सदा मानवता की भलाई, सेवा के लिए प्रेरित किया है। भविष्य में भी इसी तरह से जनसेवा में जुटे रहेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू कल राजस्थान के राजभवन में संविधान पार्क का करेंगी उद्घाटन

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू 3 और 4 जनवरी को पहली बार राजस्थान दौरे पर आएंगीं। सेना के विशेष विमान से राष्ट्रपति तीन जनवरी को जयपुर पहुंचेगी। यहां वे राजभवन में बने संविधान पार्क का उद्घाटन करेगी। इसके बाद सेना के विशेष विमान से माउंट आबू के लिए रवाना होंगी, जहां वे ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। इसके बाद उनका चार जनवरी को पाली के रोहट में राष्ट्रीय जंबूरी में शामिल होने का कार्यक्रम हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार तीन जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुबह सेना के हेलीकॉप्टर से जयपुर आएंगी। एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से राजभवन जाएंगी। सुबह 11 बजे संविधान पार्क के कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद राजभवन में राष्ट्रपति के लिए आयोजित लंच में मौजूद रहेगी। दोपहर बाद राष्ट्रपति सेना के हैलीकॉप्टर से माउंट आबू के लिए रवाना होगी, जहां वह ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल होंगी। इसके बाद वे माउंट आबू में ही डिनर और रात्रि विश्राम करेगी। चार जनवरी को सुबह एयरस्ट्रिप से पाली के रोहट में पहुंचेंगी। जहां राष्ट्रपति राष्ट्रीय जबूरी का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल के पास बनाए गए हैलीपेड से जोधपुर के लिए रवाना होंगी। इसके बाद शाम 4 बजे सेना के हेलीकॉप्टर से दिल्ली रवाना होंगी।

अखिल भारतीय पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने मनाया काला दिवस

जम्मू (हिंस)। अखिल भारतीय पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा (एआईपीआरयूएफ) और जम्मू-कश्मीर शिक्षक संघ (जेकेटीए) और अन्य संबद्ध संगठनों ने रविवार को यहां प्रेस क्लब जम्मू में काला दिवस मनाया। यह नई पेंशन योजना को रद्द करने के लिए संयुक्त कर्मचारी संघ जैसे विभिन्न संगठनों के सहयोग से जेकेटीए और एआईपीआरयूएफ द्वारा दिए गए दो दिवसीय जम्मू चलो कॉल की निरंतरता में है। यहां ज्ञापन सभा को संबोधित करते हुए भूपिंदर सिंह यूटी अध्यक्ष जेकेटीए और राष्ट्रीय संयोजक एआईपीआरयूएफ ने कहा कि सरकार उन लाखों कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है जो नई पेंशन योजना के पक्ष में नहीं हैं और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्यू पेंशन सिस्टम वृद्धावस्था की बढ़ती असुरक्षा का मामला है क्योंकि पेंशन फंड को बाजार में निवेश किया जा रहा है, जो जोखिम

भरा है और वापसी की कोई गारंटी नहीं देता है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार निजीकरण की ओर बढ़ रही है और यह योजना कर्मचारी विरोधी है। उल्लेखनीय है कि अन्य राज्य पुरानी पेंशन योजना की ओर लौट रहे हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना को पहले ही लागू कर दिया है और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को बंद कर दिया है। वक्ताओं ने एलजी प्रशासन से जम्मू-कश्मीर के लाखों कर्मचारियों को सांत्वना प्रदान करने के लिए पुरानी पेंशन योजना को कम से कम संभव तरीके से लागू करने को कहा। यूटी संयोजक एआइपीआरयूएफ तीर्थ सिंह, जावेद चौहान, जोगिंदर डिंगरा, फारूक डिंग, अख्तर अब्बास नाइक तथा अन्य ने भी इस अवसर पर बात की। इस बीच एआईपीआरयूएफ/जेकेटीए आज यानि 2 जनवरी को प्रेस क्लब जम्मू में मेगा प्रोटेस्ट रैली आयोजित कर रहा है।

देश को आत्म-निर्भर बनाने के लिए सूक्ष्म व लघु उद्योग जरूरी : सांसद कौशिक

सोनीपत (हिंस)। सांसद रमेश कौशिक ने रविवार को राई औद्योगिक क्षेत्र में आर्यन क्रीमी फूड कंपनी का उद्घाटन अवसर पर कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सूक्ष्म व लघु उद्योग जरूरी है। कंपनी के मालिक एवं नगर निगम पार्षद पुनीत राई व उसके परिवार को इस उपलब्धि पर बधाई दी। सासंद रमेश कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी सोच पर आगे बढ़ते हुए सूक्ष्म, लघु व माध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं लागू की है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सूक्ष्म व लघु उद्योग बहुत ही जरूरी है क्योंकि आम नागरिकों के प्रयोग में आने वाली हर वस्तु को इन उद्योगों में तैयार किया जाता है। सरकार हर प्रकार से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ है, जिनकी सहायता के लिए विशेष रूप से बहुत बड़े बजट का प्रावधान किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों का जीडीपी में भी विशेष योगदान रहता है। देशभर में छह करोड़ से अधिक इकाइयां हैं, जिन्हें केंद्र सरकार हर संभव सहायता मुहैया करवा रही है। एमएसएमई के लिए सब्सिडी के साथ ऋण सुविधा दी जाती है। सांसद ने कहा कि सरकार के इसी योगदान के कारण आज सोनीपत जिला औद्योगिक क्षेत्र में देश में अपनी अलग पहचान बना रहा है। यहां पर अनेक विदेशी कंपनियां अपना कारखाना लगा रही हैं। हाल ही में आईएमटी खरखौदा में मारूति अपना प्लांट स्थापित कर रही है, जिससे इस क्षेत्र को विकास के रास्ते में आगे बढ़ने में और अधिक मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि गन्नौर में भी रेलवे द्वारा रेल कोच फैक्टरी स्थापित की गई है, जिसके कारण यहां के युवाओं को और अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे। विवेक केसरवानी, जसवीर दोदवा, प्रदीप आंतिल, सुरेंद्र मदान, प्रदीप बंसल, संजीव त्यागी, राकेश कौशिक, संजीव त्यागी, राजेश कौशिक, अमरीश त्यागी, नरेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

जनवादी महिला समिति ने फूंका खेल मंत्री संदीप सिंह का पुतला

हिसार (हिंस)। जनवादी महिला समिति हरियाणा के आह्वान पर शहर के क्रांतिमान पार्क के पास खेल मंत्री संदीप सिंह व महिला आयोग का पुतला जलाकर रोष जताया गया। इस अवसर पर महिला कोच के साथ की छेड़छाड़ व अभद्र टिप्पणी के विरोध में महिलाओं ने प्रदर्शन करके सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। जनवादी महिला समिति कि राज्य उपाध्यक्ष शकुंतला जाखड़ ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में महिला खिलाड़ी सुरक्षित नहीं हैं और उन्हें राज्य में शत्रुतापूर्ण और महिला विरोधी माहौल में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। हैरानी की बात यह है कि पीड़िता द्वारा लिखित शिकायत के बावजूद न तो राज्य सरकार और न ही महिला आयोग मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई कर रहा है। इसके अलावा, पीड़िता को अपनी आवाज उठाने के

लिए मना किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा का प्रबंध किया जाए, महिला कोच की छेड़छाड़ की जांच सरकार निष्पक्षता से कराए और खेल मंत्री संदीप सिंह को बर्खास्त किया जाए। ज्ञात रहे कि खेल मंत्री संदीप सिंह पर महिला कोच ने छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे जिसके बाद शनिवार को चंडीगढ़ में उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ। जांच जारी रहने तक खेल मंत्री संदीप सिंह ने सीएम मनोहर लाल खट्टर को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। संदीप सिंह ने महिला कोच के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि उनकी छवि खराब करने के लिए साजिश रची जा रही है।

देशभर से सैलानी गुलाबी नगरी के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर पहुंचे

जयपुर (हिंस)। नए साल पर गुलाबी नगरी पर्यटकों से गुलजार हो रही है और देशभर से सैलानी जयपुर के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा सैलानी आमेर महल में देखे गए। आमेर महल में 31 दिसंबर को 12 हजार से भी अधिक पर्यटकों ने विजिट किया। वहीं नए साल की रविवार सुबह से ही हजारों की संख्या में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिली। वहीं वन विभाग की ओर से नए साल पर हाथी और हाथी महावतों को तोहफा दिया गया है। जिसमें 82 हाथियों को ड्रेस और सजावट की अन्य चीजें दी गई हैं। आमेर महल में हाथियों पर हैप्पी न्यू ईयर 2023 की रंगोली बनाकर और सजाकर सैलानियों का स्वागत किया गया है। सजे-धजे हाथी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे और साथ ही सैलानियों ने आमेर महल तक हाथी सवारी का लुत्फ उठाया।

हाथी पालकों और महावतों ने भी पर्यटकों को नए साल की शुभकामनाएं दी। यह देखकर सैलानी भी काफी उत्साहित नजर आए। आमेर महल के साथ ही नाहरगढ़ किला, हवामहल, अल्बर्ट हॉल, जंतर मंतर, जयगढ़ फोर्ट, झालाना लेपर्ड सफारी, आमागढ़ लेपर्ड सफारी, नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, जयपुर चिड़ियाघर समेत तमाम पर्यटक स्थलों में भी काफी भीड़ देखी गई। पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी स्मारकों पर विशेष व्यवस्था की गई है। होमगार्ड के अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। वहीं पुरातत्व विभाग के अधिकारी भी सभी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। राजधानी जयपुर के बाजारों में भी काफी भीड़ देखने को मिल रही है।शहरभर में वाहनों से रेलमपेल से कई जगह यातायात जाम रहा। परकोटा का आलम यह था कि वाहन काफी देर तक फंसे रहे। जाम खुलवाने के लिए पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। जौहरी बाजार से लेकर सुभाष चौक तक पर्यटकों की भीड़ लगी रही। जानकारी के अनुसार दिसंबर के आखिरी सप्ताह में 3 लाख 38 हजार से अधिक पर्यटक जयपुर पहुंचे हैं।

भाजपा की जनाक्रोश सभा आज केंद्रीय मंत्री शेखावत होंगे शामिल

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह नगर जोधपुर में भाजपा आक्रोश रैली के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने की कोशिश में है। 2 जनवरी को कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर आक्रोश सभा होगी। जिसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और स्थानीय सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह मुख्य वक्ता होंगे। सभा में ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं, साथ ही आमजन को पत्रक और पीले चावल भी बांटे जा रहे हैं। कांग्रेस सरकार के पिछले चार साल के कार्यकाल में प्रदेश की बिगड़ी हुई व्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए भाजपा पिछले 20 दिन से जनाक्रोश अभियान चला रही है। हर विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश रथ यात्रा निकाली गई। अब सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर जनाक्रोश महासभा की तैयारी की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी के नेतृत्व में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल व मोर्चा अध्यक्षों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सम्पर्क करने के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं से टोली के रूप में आमजन को पीले चावल देकर विराट जनसभा में आने का निमंत्रण दिया गया। इसी तरह राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने मण्डल क्षेत्र में जाकर भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन से सम्पर्क कर सभा में आने का आह्वान किया। जिला महामंत्री महेन्द्र मेघवाल, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र बोहरा, कार्यालय मंत्री विजय राजोरिया, जिला मंत्री संजय चंदीरमानी, जन आक्रोश यात्रा के जिला संयोजक नाथूसिंह राठौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक व्यास, भाजपा संभाग मीडिया प्रभारी जगदीश धाणदिया, मण्डल अध्यक्ष भवानी प्रताप सिंह शेखावत, मनीष पुरोहित, पार्षद दीपक माथुर, रफीक लौहार, सुरेंद्र सर्राफा, सिद्धार्थ चारण सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पांच दिवसीय जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल *जिफ* का आगाज 6 से

जयपुर (हिंस)। गुलाबी नगर से शुरू होकर देश-दुनिया के सिनेमा फलक पर अपनी अनूठी पहचान बनाने वाले पांच दिवसीय जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल *जिफ* का आगाज 6 जनवरी को होगा। इसका उद्घाटन समारोह महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित किया जाएगा। जिफ ने गत वर्ष फिल्म फेस्टिवल्स के इतिहास में यह पहली बार स्क्रीनिंग से पहले ही अवॉर्ड्स की घोषणा करने की परंपरा शुरू की थी, जिसे इस साल भी बरकरार रखा गया है। इसके तहत उद्घाटन के दिन ही सभी पुरस्कृत फिल्मों को अवॉर्ड वितरित कर दिए जाएंगे। जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के फाउंडर डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि ऐसा करने से फिल्म प्रेमियों को जयपुर के मालवीय नगर स्थित जीटी सैंट्रल के आयनॉक्स में बेस्ट फिल्में देखने का ऑप्शन मिल जाएगा और लोग अपनी पसंद के अनुसार फिल्मों का आनंद ले सकेंगे। जिफ इस साल अपनी स्थापना का पंद्रहवां जश्न मना रहा है। छह जनवरी को उद्घाटन के बाद 7 से 10 जनवरी तक चयनित और पुरस्कृत फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

तुगलक जैसे फरमानों की हम तार नहीं गड़ने देंगे, तीर्थराज को शिमला, नैनीताल नहीं बनने देंगे...

नववर्ष की पूर्व संध्या पर जैन बारादरी भगवान पार्श्वनाथ ऑडिटोरियम में विराट कवि सम्मेलन

गुरुग्राम (हिंस)। नववर्ष 2023 के उपलक्ष्य में शनिवार की संध्या को यहां जैन बारादरी भगवान पार्श्वनाथ ऑडिटोरियम में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आए कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से जहां खूब हंसाया, वहीं जैन धर्म के प्रचार-प्रसार और जैन समाज के देश-समाजहित के कार्यों का बखान किया। झारखंड के गिरिडीह जिले में सम्मेद शिखर जी पर्वत को बचाने का भी कवियों ने मंच से आह्वान किया। अपने श्रेष्ठ रचना में तिजारा राजस्थान से आए कवि डॉ. कमलेश जैन बसंत ने सम्मेद शिखर जी पर्वत पर सुनाया-

तुगलक जैसे फरमानों की हम तार नहीं गड़ने देंगे, तीर्थराज को शिमला, नैनीताल नहीं बनने देंगे, पंथवाद का अभिवाद छोड़ना पड़ेगा हमें, तभी जैन देवता का ध्वज लहराएगा..। इस रचना के माध्यम से उन्होंने झारखंड सरकार को सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के फैसले को बदलने की मांग की। इसी तरह से पटना से आए हास्य के बादशाह कवि शंभू शिखर ने भी खूब हंसाया और गंभीर रचनाएं भी पढ़ीं। उन्होंने जैन समाज के मंच से गिरिडीह पर्वत को बचाने का आह्वान करते हुए घोषणा की कि जब तक सम्मेद शिखर जी को धार्मिक स्थल घोषित नहीं किया जाएगा, तब तक वे झारखंड में कवि सम्मेलन नहीं करेंगे। पदमिनी शर्मा ने भी हास्य के रंग बिखेरे और बेटियों, महिलाओं के सम्मान में भी कविता पाठ किया। उन्होंने सुनाया-बंगले के लिए और ना बनी कार के लिए-हीरे की अंगूठी ना किसी हार के लिए, लड़ लूंगी मना लूंगी फिर तुझे-ये सब करूंगी तेरे प्यार के लिए...। मेरठ से आए कवि विनोद पाल ने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के सम्मान में भी रचनाएं पढीं। लखनऊ से आए वीर रस के कवि योगेश चौहान ने भी अपनी श्रेष्ठ रचनाओं के माध्यम से कई सामाजिक संदेश दिए। इस कवि सम्मेलन में जैन समाज के प्रवक्ता अभय जैन एडवोकेट ने जानकारी दी कि पावन वर्षायोग 2022 चातुर्मास के समय में दिल्ली-एनसीआर में बेहतर आयोजन से श्री 1008 दिगंबर जैन मंदिर जैकबपुरा गुरुग्राम को जैन तीर्थ संरक्षण संवाहक के रूप में प्रथम स्थान के लिए अहिंसा पुरस्कार मिला है। कवि सम्मेलन में श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जैकबपुरा के प्रधान नरेश कुमार जैन, उप-प्रधान रविंद्र जैन, महामंत्री अशोक कुमार जैन, सह-मंत्री जैनेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र जैन ने बताया कि नववर्ष की बेला पर हर साल इस तरह का आयोजन किया जाता है।

कपास की कीमतों में गिरावट से गुजरात के किसान परेशान

अहमदाबाद।
एक महीने से भी कम समय में गुजरात में कपास की कीमतें 2500 रुपये प्रति 20 किलोग्राम से गिरकर 30 दिसंबर को 1600 रुपये पर गिर गई। किसानों की शिकायत है कि दिसंबर और मार्च के महीनों में जब उन्हें पैसे की जरूरत होती है, तो कीमतें गिर जाती हैं। मौजूदा कीमतें उत्पादन लागत को भी कवर नहीं कर पाती हैं। व्यापारियों और जानकारों का कहना है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंदी है, कोई खरीदार नहीं है, जिससे सूत और कपड़ा बनाने वाली इकाइयां 50 फीसदी क्षमता पर काम कर रही हैं। साबरकांठा जिले के एक किसान राजू पटेल ने गुरुवार को जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर अपने कपास को जलाने की अनुमति मांगी, क्योंकि वह कपास की उत्पादन लागत भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं। एक उदाहरण का हवाला देते हुए, पटेल ने कहा कि कपास की तुड़ाई के लिए उन्हें 20 किलोग्राम के लिए 180 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। किसानों के मुताबिक, उन्हें 20 किलो के लिए कम से कम 2100 रुपए मिलने चाहिए ताकि खर्च पूरा हो सके और थोड़ा मुनाफा हो सके। केंद्र सरकार ने मानसून से पहले 20 किलो के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के रूप में 1276 रुपये की घोषणा की थी। सरकार का मानना है कि इस कीमत पर किसानों को प्रति 20 किलो पर 600 रुपये का मुनाफा होगा। पत्रकार हर्षद गोहेल ने इसकी गणना को लेकर सवाल किया। उनके अनुसार, सरकार उत्पादन लागत वृद्धि की गणना नहीं कर रही है, चाहे वह बीज हो, खाद हो, कीटनाशक हो, डीजल की कीमत हो, ट्रैक्टर की कीमत हो या लीज रेंट हो, मजदूरों का शुल्क लगभग दोगुना हो गया है। सरकार कभी भी श्रम शुल्क, भूमि उर्वरता और परिवार की रहने की लागत की गणना नहीं करती है। यदि एमएसपी की गणना करते समय इन सभी को शामिल किया जाता है, तो यह किसानों को खचरें को पूरा करने और थोड़ा मुनाफा कमाने या कमोडिटी एक्सचेंज बाजार में फ्यूचर ऑप्शन ट्रेडिंग की अनुमति देने में मदद कर सकता है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव रिंकू पंड्या का मानना है कि कपास के विकल्प व्यापार की अनुमति देना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है, क्योंकि जिस क्षण अनुमति दी जाती है, बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादों को बाजार में उतारना शुरू कर देंगी, घरेलू बाजार में गड़बड़ी होगी। पांड्या ने कहा, कपास की कीमतों में गिरावट का कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कपास की कम मांग है, यहां तक कि सूती धागे की मांग भी कम है। सूती धागे और कपड़ा निर्माण इकाइयां स्थापित क्षमता के 50 प्रतिशत पर काम कर रही हैं। ऐसे में किसान सूत निमार्ताओं से खरीदारी की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। पांड्या का कहना है कि केवल चीन, बांग्लादेश और पश्चिमी देशों से खरीदारी से ही घरेलू स्तर पर परिदृश्य बदल सकता है और कपास की मांग फिर से बढ़ सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

कंगाल पाक में महंगाई से हाल बुरा, प्लास्टिक थैलियों में रसोई गैस भर इस्तेमाल कर रहे लोग

नई दिल्ली। पड़ोसी देश पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। खाद्य पदार्थों से लेकर ईंधन तक का संकट गहरा गया है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि सिलेंडर में भरा जाने वाला रसोई गैस लोग प्लास्टिक बैग्स में भरकर इस्तेमाल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। पाकिस्तान में सबसे ज्यादा गैस उत्पादक प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में परेशान लोग थैलियों में गैस भराकर खाना पका रहे हैं। हालांकि जानकारों का मानना है कि इस तरह घरेलू गैस का इस्तेमाल करना किसी खतरे से कम नहीं है। इस तरह से गैस का इस्तेमाल करना चलता-फिरता बम लेकर चलने के बराबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पाकिस्तान में इन दिनों कमर्शियल गैस सिलेंडर 10 हजार पाकिस्तानी रुपये में मिलता है। महंगाई और आर्थिक तंगी की वजह से इसे खरीदना हर किसी के बस का नहीं। वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक थैली में एलपीजी गैस 500 से 900 रुपये तक में उपलब्ध है। यह सुविधानुसार अलग-अलग साइज की थैलियों में भी उपलब्ध है। इसे भरने के लिए इस्तेमाल होने वाला कंप्रेसर भी महज 1500 से 2000 रुपये में मिल रहा है। हालांकि जानकारों का मानना है कि गैस इस्तेमाल करने का यह तरीका बहुत खतरनाक है। इसके कारण किसी भी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है। पाकिस्तान के पत्रकार गुलाम अब्बास शाह ने प्लॉस्टिक की थैलियों में रसोई गैस ले जा रहे लोगों से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

टेस्ला के कर्मचारियों को सख्त निर्देश, न करें कंपनी से जुड़ी कोई चर्चा

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क की टेस्ला में कर्मचारियों को वेतन और काम करने की स्थिति के बारे में बात नहीं करने का निर्देश दिए जाने के बाद कंपनी पर अमेरिका में श्रम कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। एक शिकायत में, राष्ट्रीय श्रम संबंध बोर्ड (एनएलआरबी) ने दावा किया कि इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने कर्मचारियों से कहा कि वे अपने वेतन या रोजगार की अन्य शर्तों के बारे में उच्च स्तर के प्रबंधकों से शिकायत न करें और कहा कि अन्य व्यक्तियों के साथ अपने वेतन पर चर्चा न करें। कंपनी ने स्टाफ को दूसरों के साथ कर्मचारियों की हायरिंग, सस्पेंड या टर्मिनेट पर चर्चा नहीं करने के लिए भी कहा। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ये घटनाएं दिसंबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच हुईं।

यूट्यूब एंड्रॉइड पर नए वीडियो प्रोग्रेस बार पर कर रहा काम

सैन फ्रांसिस्को। वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब एक अधिक सटल वीडियो प्रोग्रेस बार की टेस्टिंग कर रहा है। 9टू5गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, इनकॉग्निटो समेत कई एंड्रॉइड डिवाइस नए व्हाइट प्रोग्रेस बार को देख रहे हैं। यह केवल डार्क थीम पर लागू होता है और बाधा को कम करने वाला यूट्यूब यूजर इंटरफेस (यूआई) प्रदान करने का एक प्रयास प्रतीत होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब यूजर्स निष्क्रिय रूप से एक वीडियो देख रहे होते हैं, तो डार्क थीम को सक्षम किया जाता है, प्लेटफॉर्म के प्रोग्रेस बार के सामान्य रेड कलर को व्हाइट या ग्रे से बदल दिया जाता है। इस बीच, अक्टूबर में वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म ने एक नए अपडेट की घोषणा की थी, जो सभी चैनल पेजों पर वीडियो कंटेट को शॉर्ट्स, लाइव स्ट्रीम और लॉन्ग-फॉर्म वीडियो के लिए तीन अलग-अलग टैब में पेश करता है। किसी क्रिएटर के चैनल पेज को एक्सप्लोर करते समय यह अपडेट दर्शकों के लिए उस प्रकार के कंटेट को सर्च करना आसान बनाता है, जिसमें उनकी सबसे अधिक रुचि होती है।

नए साल में अपनाएं वित्तीय अनुशासन

मंथली इन्वेस्टमेंट और हेल्थ इंश्योरेंस जैसी इन 5 बातों का रखें ध्यान, नहीं होगी पैसों की दिक्कत

नई दिल्ली।

नए साल 2023 शुरू हो चुका है लेकिन इस साल भी कोरोना ने लोगों को पीछा नहीं छोड़ा है। कोरोना के कारण कई लोगों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा है। इसीलिए यह बहुत जरूरी है कि नए साल में पैसों की परेशानी से बचने के लिए कुछ अच्छी आदतें अपनाई जाएं। आज हम आपको ऐसी ही 5 बातों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप इस साल वित्तीय संकट से बच सकते हैं।

बजट तैयार करके उसका पालन करें

किसी भी तरह की वित्तीय समस्या से निपटने के लिए वित्तीय अनुशासन बहुत जरूरी है। वित्तीय अनुशासन के लिए आपको अपने मासिक खर्चों के लिए एक बजट तैयार करना चाहिए और महीने के अंत में वास्तविक खर्चों के साथ बजट की तुलना करनी चाहिए। यह तुलना आपको एहसास कराएगी कि आपने उस महीने में क्या फिजूल खर्च किया है। इससे आप अपने फिजूल खर्चों को कंट्रोल कर सकेंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अगर किसी वजह से आप आर्थिक संकट के शिकार बन जाते हैं तो इस स्थिति से निपटने के लिए आपको अपने घर खर्च के लिए कम से कम 3 महीने के लिए जरूरी रकम एक इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। यह फंड आप बैंक के सेविंग अकाउंट या म्यूचुअल फंड के लिक्विड फंड में बना सकते हैं। इस फंड का इस्तेमाल सिर्फ इमरजेंसी में ही करें।

मेडिकल इंश्योरेंस है जरूरी

मेडिकल इंश्योरेंस आपको समय पर पर्याप्त मदद मुहैया कराता है। आर्थिक संकट के दौर में अगर आप या आपके परिजनों के सामने कोई मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति आती है तो आप हेल्थ पॉलिसी के दम पर इसे आसानी से पार कर पाएंगे। अगर आपके पास हेल्थ पॉलिसी नहीं होगी तो आप परेशानी में फस सकते हैं। कोरोना के लिए आप अलग से कोरोना पॉलिसी ले सकते हैं।

मंथली निवेश जरूरी

नए साल ने या भविष्य में पैसों को लेकर आपको ज़्यादा परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए निवेश के सही विकल्प चुनें और अगर पहले से निवेश कर रहे हैं तो उसे बंद न करें। मंथली निवेश या सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान बहुत जरूरी है। इसके जरिए आप आसानी से भविष्य की जरूरतों को लेकर फंड तैयार कर सकेंगे।

कर्ज लेने से बचें

इस दौर में जितना हो सके कर्ज लेने से बचें। क्योंकि अगर आप कर्ज लेते हैं तो आपको बाद में इसे लौटना भी पड़ेगा ऐसे में ये आगे चलकर आपके लिए समस्या बन सकता है। इसके अलावा किस्तों पर भी तब तक कोई सामान न लें जब तक उसकी आपको बहुत जरूरत हो।

सूरत के सिंथेटिक टेक्सटाइल उद्योग पर मंदी की मार, हजारों बेरोजगार

सूरत।
सूरत भारत की सिंथेटिक कपड़ा राजधानी है। देश की सिंथेटिक कपड़े की 90 फीसदी जरूरत सूरत उद्योग से पूरी होती है, जो अब अभूतपूर्व मंदी का सामना कर रहा है। कई रंगाई और प्रसंस्करण इकाइयां बंद हो गई हैं, जिससे हजारों कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं। अब घरेलू बाजार में मांग में वृद्धि होने पर ही उद्योग का उत्पादन स्तर बढ़ सकता है। सूरत टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के आंकड़ों के अनुसार सूरत शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगभग 485 प्रसंस्करण (रंगाई और छपाई) इकाइयां थीं। इससे 4 से 5 लाख लोगों को सीधा रोजगार मिल रहा था। साउथ गुजरात टेक्सटाइल प्रोसेसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र वखारिया ने कहा कि तीन से चार महीनों में सूरत में कम से कम 15 से 20 रंगाई और प्रसंस्करण इकाइयां बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग लगभग 4.5 करोड़ मीटर कपड़े का उत्पादन कर रहा था, लेकिन अब केवल 2.5 करोड़ मीटर कपड़े का उत्पादन कर रहा है। इसके पीछे कारण यह है कि पहले उपभोक्ताओं की प्राथमिकता रोटी, कपड़ा और मकान थी, अब प्राथमिकता बदल गई है।

रोटी के बाद मोबाइल फोन, टेलीविजन सेट आदि जैसी अन्य जरूरतें होती हैं। पहले महिलाएं 7 से 8 मीटर लंबी साड़ियां खरीदती थीं, अब साड़ियों की मांग कम हो गई है। वे हर ड्रेस के साथ दुपट्टा खरीद रही थीं, अब वह भी आउट ऑफ फैशन हो गया है, लेगिंग्स की जगह चूड़ीदार पजामा ने ले लिया है, जिससे सिंथेटिक कपड़े की मांग में भारी गिरावट आ गई है। भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस गुजरात के महासचिव कामरान उस्मानी का दावा है कि मंदी का यही एकमात्र कारण नहीं है।

उनके अनुसार अवैध रंगाई और प्रसंस्करण गृह बड़ी संख्या में चल रहे हैं। उन्हें करों और अन्य शुल्कों का भुगतान नहीं करना पड़ता है, विभिन्न विभागों के साथ पंजीकृत इकाइयों की तुलना में उनकी उत्पादन लागत काफी कम है। इस अनुचित प्रतिस्पर्धा के कारण पिछले कुछ महीनों में कई इकाइयां बंद हो गई हैं।

उस्मानी का अनुमान है कि कम से कम 70 हजार से 1 लाख श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं, जिनमें से कई अपने मूल राज्य लौट आए हैं। कुछ साल पहले ये मजदूर 18 से 20 दिन का काम मिलने पर भी गुजारा कर लेते थे, लेकिन सूरत में महंगाई और रहने की बढ़ती लागत के कारण अब 24 दिन का काम भी गुजारा करने के लिए नाकाफी है।

200 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले दुनिया के पहले शख्स बने मस्क

नई दिल्ली।
कुछ दिनों पहले तक दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे एलन मस्क के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया है। वे 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। ऐसा अक्तूबर 2022 में ट्विटर अधिग्रहण के बाद मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में आई गिरावट के कारण हुआ है।

एलन मस्क जनवरी 2021 में 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे शख्स बने थे। उनसे कुछ महीने महीने अमेजन के मुखिया जेफ बेजोस यह तमगा हासिल कर चुके थे। टेस्ला के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर 51 साल के एलन मस्क अब 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले दुनिया के पहले इंसान बन गए हैं। टेस्ला के शेयरों में कमजोरी, खासकर बीते मंगलवार को इसमें आई 11 प्रतिशत की गिरावट के कारण मस्क की संपत्ति अब 137 बिलियन डॉलर (करीब 11.33 लाख करोड़ रुपये) रह गई है। बता दें कि 4 नवंबर 2021 को मस्क की संपत्ति बढ़र 340 बिलियन डॉलर हो गई थी। ऐसे में तब से लेकर अब तक मस्क की संपत्ति में 200 बिलियन डॉलर से अधिक की गिरावट आ चुकी है।

हालांकि वे अब भी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। इसी महीने फ्रेंच कारोबारी और लग्जरी गुड्स ब्रांड लुई विटॉन के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट मस्क से आगे निकलते हुए दुनिया के सबसे अमीर शख्स बन गए थे।

2022 में 65प्रतिशत से अधिक टूटे टेस्ला के शेयर

एलन मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर के अधिग्रहण के लिए पिछले कुछ महीनों में टेस्ला के शेयरों की जमकर बिकवाली की है। मस्क ने दिसंबर महीने में सिर्फ तीन दिनों में ही टेस्ला के लगभग 22 मिलियन (2.2 करोड़) शेयर बेचे, जिनकी कीमत करीब 3.6 बिलियन डॉलर, यानी 29.81 हजार करोड़ रुपए है। टेस्ला के शेयरों इस वर्ष 65प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है।

देश में 2 साल में 4837 बैंक शाखाओं पर लगे ताले

भोपाल।
देश में गरीब से गरीब व्यक्ति तक को बैंक से जोड़ने की कोशिशें जोरों पर है, ताकि सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं और सब्सिडी की राशि सीधे बैंक खातों में जा सके। इतना ही नहीं घरों तक बैंक पहुंचे इसके लिए मोबाइल बैंक अस्तित्व में है मगर आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि देश में बीते दो वित्तीय वर्षों में 4,837 बैंक शाखाओं पर ताले लटक गए हैं। इन बैंकों शाखाओं को या तो पूरी तरह बंद कर दिया गया है अथवा उन्हें दूसरी बैंक शाखा में समायोजित कर दिया गया है। मध्यप्रदेश के नीमच जिले के सूचना के अधिकार के कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने भारतीय रिजर्व बैंक से सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी मांगी थी कि बीते दो वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 में सार्वजनिक बैंकों की कुल कितनी ब्रांच बंद हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से गौड़ को जवाब में बैंक शाखाओं के बंद होने का जो विवरण दिया गया है वह चौंकाने वाला है, इसमें बताया गया है कि बीते दो वित्तीय वर्षों में देश में 4837 बैंक शाखाएं हैं जो या तो समायोजित की गई हैं या पूरी तरह बंद कर दी गई हैं। रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक बैंक के तौर पर बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बंद हुई और मर्ज की गई बैंक शाखाओं का ब्यौरा दिया है। इसके मुताबिक देश में वित्तीय वर्ष 2020-21 में कुल 2,271 बैंक शाखाओं पर ताले लटके हैं इनमें से 86 पूरी तरह बंद की गई हैं वहीं 2,185 शाखाओं को दूसरी शाखा में समायोजित किया गया है।

रिजर्व बैंक की ओर से दिए गए ब्यौरे के मुताबिक इसी वित्तीय वर्ष महानगर में 27, ग्रामीण में 24, अर्ध शहरी में 22 और शहरी क्षेत्रों में 13 शाखाओं को बंद किया गया है जबकि महानगरों (मेट्रोपोलिटन) में 721, ग्रामीण में 147, अर्ध शहरी में 696 और शहरी इलाकों में 621 शाखाओं को दूसरी शाखा में समायोजित किया गया है।

मोती की खेती ने मराठवाड़ा के गरीब किसानों की बदल दी किस्मत, कमा रहे मोटा मुनाफा

उस्मानाबाद।
मराठवाड़ा के पानी की कमी के कारण फसल उगाने में असमर्थ किसानों ने मोती की खेती की ओर कदम बढ़ाया। इस कवायद ने उनकी किस्मत बदल दी। अब वे इससे अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। उस्मानाबाद जिले की तुलजापुर तहसील के शहापुर के एक गांव के किसानों ने मोती की खेती कर अन्य किसानों को भी राह दिखाई है।

2021 की शुरुआत में 10 किसानों ने एक छोटे से तालाब में त्रिवेणी मोती और मछली पालन का कार्य शुरू किया। इससे उन्हें इस साल 14 लाख रुपये की भारी कमाई हुई।

परंपरागत खेती से निराश किसान संजय नरसिंह पवार ने अपने भाइयों विजय एन. पवार और अजय एन. पवार के साथ अपने माता-पिता नरसिंह व शकुंतला व दादी त्रिवेणी पवार के साथ मोती की खेती शुरू की। मोती की खेती करने वाले डॉ. एम. कांबले व औरंगाबाद, चंद्रपुर और सोलापुर के कुछ किसानों से प्रेरित था। इन्होंने हमारा मार्गदर्शन किया।

पवार परिवार के पास जमीन का एक छोटा सा भूखंड था। उस पर उन्होंने अपने स्वंय के संसाधनों व सरकारी मदद से एक एकड़ का तालाब खोदा। जुलाई 2021 में दस किसानों ने मिलकर तालाब में

जालों पर 25 हजार सीपियां लगाईं और 14 महीने के इंतजार के बाद, सितंबर 2022 में, 10 हजार जीवित सीप निकले और प्रत्येक में 2 चमकते मोती जड़े हुए थे। इन मोतियों ने उनकी दशा बदल दी। मोती की चमकदार फसल को 400 रुपये में बेचा गया और 10 किसानों के लिए लगभग 40 लाख रुपये की कमाई हुई। पवार परिवार ने वर्ष 2022 में लगभग 7 लाख रुपए की लागत से 17 लाख रुपये कमाए। जबकि इसके पहले पारंपरिक खेती से परिवार ने 4 लाख रुपये की आय अर्जित की थी। मोती दुनिया भर में 2,500 से अधिक वर्षों से प्रतिष्ठित है और हर वर्ष इसका 18 बिलियन डालर का कारोबार होता है। पवार औरंगाबाद स्थित इंडो पर्ल के प्रति ाभारी हैं, जिसने उन्हें उनके पहले उद्यम में मदद की और खेती का मार्गदर्शन किया। हर महीने मोतियों की देखरेख की। 100 प्रतिशत बीमा की व्यवस्था की और फिर उनके लिए एक खरीदार की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि इस सफलता से उत्साहित होकर इस साल 40 किसानों ने और 50 हजार सीप लगाए हैं और दो और कंपनियों, सोलापुर के जीकेपी पर्ल फार्म और चंद्रपुर में नमो पर्ल फार्म के साथ टाई-अप किया है। पवार बताते हैं, भारत में सफल फसल दर (जीवित सीप) 50 प्रतिशत है, हालांकि कुछ व्यक्तियों ने 70 प्रतिशत प्राप्त किया है। मुंबई स्थित जयपुर ज्वैलर्स के मालिक व अमेरिका में रहने वाले केतन कक्कड़ ने कहा कि मोती के आभूषणों सहित कीमती पत्थरों के उनके चमकदार संग्रह को 2010 में प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड स्विमसूट स्पेशल में प्रमुखता से दिखाया गया था। कक्कड़ ने कहा, मोती को शीर्ष 5 कीमती पत्थरों में स्थान दिया गया है - जिसमें हीरा, माणिक, पन्ना और नीलम शामिल हैं। त्रिवेणी समूह के उपक्रम की सराहना करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के किसान चेहरे किशोर तिवारी ने कहा कि वह अब इसे विदर्भ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बढ़ावा देंगे और आशा है कि यह संकटग्रस्त कृषि क्षेत्र के लिए उद्धार साबित हो सकता है और किसानों की आत्महत्या को रोकने में मदद करे। खेती का विवरण देते हुए पवार ने कहा कि तालाब को छाया प्रदान करने और वाष्पीकरण को रोकने के लिए तिरपाल की चादर से ढका हुआ है। एक स्टील की जाली पानी में क्षैतिज रूप से लटकी हुई है, जिसमें एक दर्जन सीप बंधे हुए हैं। विजय पवार ने कहा, हर महीने, हम तालाब के पानी में लगभग 1 हजार स्पिरुलिना की गोलियां गिराते हैं। ये गोलियां शैवाल के विकास में मदद करती हैं और पीएच स्तर को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से ऑक्सीजन भी देती हैं। पवार कोऑपरेटिव के तकनीकी सलाहकार की मदद मोतियों में भगवान गणेश, भगवान शिव, अशोक चक्र, त्रिशूल, क्रॉस, 786, छत्रपति शिवाजी महाराज की डिजाइन भी बनाते हैं। वर्तमान में अनुमानित 4,000 से अधिक किसान सालाना मोती की खेती कर अच्छा मुनाफा कमा रे हैं। गौरतलब है कि कृत्रिम मोती जापानी जौहरी कोकिची मिकिमोतो द्वारा 1900 के दशक की शुरुआत में विकसित किया गया और 1950 के दशक तक तक यह लोकप्रिय हो गया। भारत में आंध्र प्रदेश को मोतियों के कारोबार का केंद्र माना जाता है।

नए साल के स्वागत से पहले कार्तिक आर्यन ने साल 2022 को यूं कहा अलविदा

बॉलीवुड के हैंडसम हीरो कार्तिक आर्यन ने साल 2022 में अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 से न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि दर्शकों के दिलों पर भी छा गए। वहीं उनकी फिल्म फ्रेडी को भी पॉजिटिव रिव्यू मिला। साल 2022 में धमाल मचाने के बाद कार्तिक ने इस साल के आखिरी दिन सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट के जरिये इस साल को अलविदा कहा है। कार्तिक आर्यन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में कार्तिक आर्यन ने भूल भुलैया 2 और फ्रेडी की तस्वीर को शामिल किया है। इसके साथ ही कार्तिक ने एक तस्वीर अपने पेट कटोरी की भी साझा की है। इन तस्वीरों को साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा- 'बाय बाय 2022, तुम मेरे लिए काफी स्पेशल रहे हो। मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में मेरे जीवन में आपकी तरह और भी 2022 होंगे। आपको हमेशा याद किया जाएगा। इस साल मुझे तीन ब्लॉकबस्टर भूल भुलैया 2, फ्रेडी और कटोरी देने लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।' कार्तिक के इस पोस्ट पर यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। साल 2022 में धमाल मचाने के बाद कार्तिक साल 2023 में भी दर्शकों के दिलों को जीतने के लिए तैयार है। साल 2023 में कार्तिक अभिनेत्री कृति सेनन के साथ फिल्म 'शहजादा' और अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में नजर आयेंगे।

'Pathaan' में होंगे कई बदलाव, सेंसर बोर्ड ने दिया निर्देश

मुंबई। रिलीज होने से पहले विवादों में घिरी शाहरुख खान की आगामी फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने एक बयान जारी कहा है कि, फिल्म पठान हाल ही में सर्टिफिकेशन के लिए सीबीएफसी एग्जामिनेशन कमिटी के पास पहुंची थी और निर्धारित जांच प्रक्रिया से गुजरी है। गौरतलब है कि, फिल्म पठान के गाने बेशरम रंग को लेकर जमकर विवाद छिड़ा हुआ है। जिसके बाद फिल्म के प्रदर्शन पर रोक की आवाज भी बुलंद हो गई है। फिल्म पठान 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। ऐसे में प्रसून जोशी फिल्म के रिलीज होने से पहले विवाद को शांत करने का प्रयास करते हुए ये जानकारी देते हुए कहा है कि, सीबीएफसी एग्जामिनेशन कमिटी ने पठान के निमार्ताओं को विवादित गाने समेत फिल्म में सुझाए गए अन्य बदलावों को लागू करने के बाद फिर से सीबीएफसी के सामने प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिया है।

नहीं बताया, क्या होंगे बदला - आपको बताना चाहेंगे कि, प्रसून जोशी की ओर से अभी ये नहीं बताया गया कि पठान फिल्म में क्या बदलाव करने के लिए कहा गए हैं। ये तो पता तभी चल पाएगा जब फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज हो जाएगी। बता दें कि, बेशरम रंग के बाद पठान फिल्म का दूसरा गाना जियो पठान भी हिट हो गया है। इस फिल्म के जरिए किंग खान यानि शाहरुख खान 4 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं, लेकिन उससे पहले ही इस फिल्म को लेकर उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिल चुकी है।

इस साल बॉक्स ऑफिस पर लहराया दृश्यम 2 का परचम 200 करोड़ का किया कारोबार

- रोहित शेटटी की सर्कस का 8 दिन का कुल कलेक्शन लगभग 31.25 करोड़

मुंबई (ईएमएस)। रणवीर सिंह पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडीज को लीड रोल में लेते हुए बनी फिल्म सर्कस साल 2022 खत्म होते-होते पूअर कलेक्शन रिकॉर्ड पर खत्म हो रही है। आज 2022 का आखिरी और इस फिल्म की रिलीज का 8वां दिन है। इसी के साथ जेम्स कैमरून की अवतारः द वे ऑफ वॉटर और अभिषेक पाठक की दृश्यम 2 भी सिनेमाघरों में टिकी हुई है। यह दोनों ही फिल्में दर्शकों का मनोरंजन कर रहीं हैं। इन फिल्मों को कहानी को ऑडियंस बहुत पसंद कर रही है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प बात होगी कि इन दो बड़ी धमाल करने वाली फिल्मों के बीच रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सर्कस ने साल के अंत में कितना कलेक्शन कर लिया। जेम्स कैमरून की अवतार 2 को रिलीज हुए दो हफ्ते बीत चुके हैं। फिल्म 16 दिसंबर को भारत में हिंदी बेल्ट सहित अन्य राज्यों में भी रिलीज हुई थी। दो हफ्ते के अंदर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 250 करोड़ पार पहुंच गया है। शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने शुक्रवार को 9-11 करोड़ के बीच कमाई की। वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने एक बिलियन डॉर यानी कि 8000 करोड़ के करीब की कमाई कर ली है। टॉप गन मेवरिक के बाद अवतार 2 2022 की दूसरी हाईएस्ट फिल्म है। फिल्म का कुल कलेक्शन 300 करोड़ के आंकड़े के बहुत करीब है। न्यू ईयर 2023 से पहले अवतार 2 के इस आंकड़े को भी आसानी से पार करने की संभावना तेज है। इसी तरह एक महीने से भी ज्यादा समय से बॉक्स ऑफिस पर टिकी दृश्यम 2 ने भी 200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है। इन फिल्मों के आगे साल के आखिर में रिलीज हुई इस फिल्म के आगे रोहित शेट्टी की सर्कस को कोई घास नहीं डाल रहा है। रोहित शेट्टी को कॉमेडी फिल्मों का बादशाह माना जाता है। गोलमाल हो या गोलमाल अगेन उनकी हर फिल्म सुपर हिट रही है। लेकिन अब लगता है कि फिल्म सर्कस यह रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाब हो गई है। फिल्म का 8 दिन का कुल रिकॉर्ड बहुत ही कम स्तर पर है। फिल्म का कुल कलेक्शन 31.25 करोड़ के करीब पहुंच गया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स ने नकार दिया है। फिल्म ने पहले दिन 6.25 करोड़ रुपये दूसरे दिन 6.40 करोड़ तीसरे दिन 8.20 करोड़ चौथे दिन 2.60 करोड़ पांचवे दिन 2.50 करोड़ छठे दिन 2.25 करोड़ और सातवें दिन 20.5 करोड़ का कारोबार किया। शुरूआती आंकड़ों के अनुसार आठवें दिन फिल्म का कुल कलेक्शन एक करोड़ के आसपास खत्म हुआ।

बिग बी ने ब्रेकअप का दर्द बताया

कौन बनेगा करोड़पति लोगों ने बहुत पसंद किया है। अमिताभ बच्चन जिस तरह इस शो को होस्ट करते हैं उससे प्रशंसक आनंद में रहते हैं। हर एपिसोड में बिग बी अपने जीवन से जुड़े किस्से-कहानियां भी सुनाते हैं। कुछ समय पहले एक एपिसोड में उन्होंने ने अपने जवानी के दिनों को याद किया। कंटेस्टेंट के सामने अमित जी ने अपने ब्रेकअप के दर्द के बारे में बताया। बातों-बातों में केबीसी के होस्ट ने उनसे उनकी गर्लफ्रेंड की तरफ इशारा करते हुए पूछा कि उनकी कोई महिला मित्र है या नहीं। इसपर वो युवक बोले कि उनकी गर्लफ्रेंड थी तो लेकिन कुछ समय पहले ही उनका ब्रेकअप हुआ है। इसपर अमिताभ बच्चन बोले कि वो इस ब्रेकअप के दर्द को समझ पा रहे हैं। युवक ने जब कौन बनेगा करोड़पति के होस्ट को अपने ब्रेकअप के बारे में बताया तो वो बोले कि उस युवक को आगे कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि वो समझते हैं कि ब्रेकअप का दर्द कितना बुरा और भयंकर होता है। उन्होंने साथ ही बताया अब तो हमारी शादी हो गई है लेकिन जवानी के दिनों में मैंने भी ब्रेकअप सहा है और मैं समझता हूं कि उसका दर्द कैसा होता है। इस बात पर सभी लोग हंसने लगे।

'शूटर दादी' प्रकाशी तोमर जिन्होंने साबित किया तन बूढ़ा होता है मन नहीं

शूटर दादी या रिवॉल्वर दादी के नाम से मशहूर प्रकाशी तोमर का जन्म दिन 1 जनवरी को है। उनका जन्म एक जनवरी 1937 को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुआ था। वर्तमान में वो बागपत में रहती है। उम्र को मात देने वाली शूटर दादी अपने टैलेंट के दम पर देश का नाम रौशन कर चुकी है। महिलाएं घर से लेकर बाहर तक के हर काम को बखूबी निभाने का दम रखती है। मानसिक और शारीरिक तौर पर भी महिलाएं अब खुद को सशक्त बनाती आ रही है। देश में कई ऐसी महिलाएं हैं जो अपनी हिम्मत और ताकत के दम पर खास मुकाम हासिल कर पाई है। छोटी उम्र में दुनिया के सामने मिसाल बनने वाली कई महिलाओं और लड़कियों के बारे में जानकारी मिलती है मगर उम्र पार करने के बाद खास उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाएं काफी कम है। ऐसी ही एक महिला है शार्प शूटर दादी। वर्ष 2019 में आई फिल्म "सांड की आंख" में तापसी पन्नू और भूमि पेडनेकर ने दो बुजुर्ग महिलाओं का किरदार निभाया था जिसने बुजुर्ग महिलाओं के संबंध में कही जाने वाली बातों तक को झूठा साबित कर दिया था।

उन्होंने निशानेबाजी को पेशे के तौर पर चुनने का मन उस समय बनाया जब अधिकतर लोग घर पर रिटायर होकर बैठने का विचार करते है। उन्होंने 65 वर्ष की उम्र में शूटिंग रेज में जाना शुरू किया। उनका काफी मजाक बनाया गया और ताने दिए गए। कई लोगों ने ताने देकर कहा कि फौज में जाकर भर्ती हो मगर आस पास के लोगों के ताने उनके हौंसलों को पस्त नहीं कर सके। लगातार मिलती आलोचनाओं से भी प्रकाशी तोमर के मन का विश्वास कमजोर नहीं हुआ। उन्होंने निशानेबाजी को सिखने पर अपना पूरा फोकस रखा। उनके इस ध्यान और फोकस का नतीजा रहा कि वो प्रसिद्धी के शिखर पर पहुंची। उन्होंने सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि समाज में और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मिसाल कायम की। बता दें कि प्रकाशी तोमर की शादी बागपत के जोहरी गांव के निवासी जय सिंह से हुई थी। प्रकाशी की दो बेटियां है। वहीं उनकी जेठानी चंद्रो तोमर के साथ मिलकर ही प्रकाशी ने निशानेबादी सिखना शुरू किया था। दोनों एक दूसरे की जेठानी और देवरानी थी। हालांकि चंद्रो तोमर दादी का वर्ष 2021 में कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आने से निधन हो गया था।

ऐसे हुई थी शूटिंग रेंज जानी की शुरूआत - जानकारी के मुताबिक प्रकाशी की बेटी निशाने बाजी सिखने के इच्छुक थी। प्रकाशी अपनी बेटी को लेकर रोजरी रायफल क्लब पहुंची। यहां शौक में आकर प्रकाशी ने भी फायरिंग की और पहली ही बार में उन्होंने सटीक निशाना मारा। 65 वर्ष की उम्र में ऐसा निशाना देखकर क्लब के कोच काफी हैरत में थे। उन्होंने ही प्रकाशी को क्लब जॉइन करने को कहा। प्रकाशी और चंद्रो दोनों ने ही क्लब जॉइन किया और उसके बाद जो हुआ वो सब इतिहास है। बता दें कि दादी प्रकाशी और सीमा तोमर ने देशभर में आयोजित प्रतियोगिताओं में 25 मेडल जीते हैं। चेन्नई में आयोजित की गई वृद्ध निशानेबाजी प्रतियोगिता (वेटेरन शूटिंग चैंपियनशिप) में स्वर्ण पदक भी जीत चुकी है।

मिले हैं कई सम्मान - बता दें कि प्रकाशी तोमर के इस खास योगदान के लिए उन्हें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से आइकन लेडी का पुरस्कार मिल चुका है। वर्ष 2016 में उन्हें देश की 100 वीमेन अचीवर्स में शामिल किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के साथ लंच पर भी दोनों को आंमत्रित किया जा चुका है।

इस दिन शादी के बंधन में बंधेगे सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी, सामने आया लेटेस्ट अपडेट

बॉलीवुड के फेमस लव बर्ड्स कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अक्सर अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। इन दिनों दोनों की शादी की खबरें हर तरफ छाई हुईं हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अब तक इसपर खुलकर कुछ नहीं कहा है। लेकिन अक्सर दोनों को कई मौकों पर साथ में देखा जाता है। वहीं अब इस कपल की शादी को लेकर एक लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अगले साल 6 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों जैसलमेर में सात फेरे लेंगे। दोनों की शादी की तैयारियां जोरो-शोरों से चल रही हैं। रिपोर्ट्स की माने तो दोनों की वेडिंग वेन्यू से लेकर गेस्ट लिस्ट तक फाइनल हो चुकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस शादी में करण जौहर और अश्विनी यार्डी भी शामिल हो सकते हैं। क्योंकि ये दोनों सिद्धार्थ और कियारा के बहुत करीब हैं। वहीं विक्की कौशल, कटरीना कैफ, वरुण धवन, जैकी भगनानी और उनकी गर्लफ्रेंड रकुलप्रीत सिंह को भी इनवाइट किए जाने की संभावना है। शादी के बाद मुंबई में कपल का ग्रैंड रिसेप्शन रखा जाएगा। मल्होत्रा और आडवाणी फैमिली ने शादी की तैयारियों पर काम शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी फिल्म शेरशाह में साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आये थे। इसी फिल्म के सेट पर दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगी और दोनों की अफेयर की खबरें भी जोरों -शोरों से चलने लगी। शेरशाह की रिलीज के बाद भी दोनों को अक्सर साथ में क्वालिटी टाइम बिताते हुए देखा गया। दोनों की कमेस्ट्री फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है और दोनों को एक होते हुए देखना चाहते हैं।

देहरादून के अस्पताल में ऋषभ पंत से मिलने पहुंचे अनिल कपूर और अनुपम खेर

देहरादून। एक भयानक सड़क दुर्घटना में घायल हुए भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत फिलहाल दूरहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती है। ऋषभ पंत के बारे में जैसे-जैसे लोगों को पता चल रहा हैलोग उनसे मिलने के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और अनुपम खेर ने देहरादून के मैक्स अस्पताल पहुंचकर क्रिकेटर ऋषभ पंत से मुलाकात की। ऋषभ पंत अभी ज्यादा बातचीत नहीं कर पा रहे हैं। फिलहाल उनता इलाज चल रहा है। पीठ पर बुरी तरह से जल जाने के कारण उन्हें आइसीयू में रखा गया है। पंथ को दिल्ली भी एयरलिफ्ट किया जा सकता है। ऐसे में अनिल कपूर और अनुपम खेर मैक्स अस्पताल पहुंचे और दोनों ने उन्हें देखा। जबरदस्त फैन फॉलोइंग रखने वाली ऋषभ पंत के लिए देश जल्द सही होने की दुआ मांग रहा है। मैक्स अस्पताल से बाहर निकलने के बाद अनिल कपूर ने संवाददाताओं से कहा, पंत की स्थिति ठीक है। हम उनसे प्रशंसकों के रूप में मिले। आइए हम प्रार्थना करें कि वह जल्द ठीक हो जाएं और हम उन्हें फिर से खेलते हुए देखें। अनिल कपूर के साथ पंत से मिलने अस्पताल पहुंचे अनुपम खेर ने कहा कि उन दोनों ने युवा क्रिकेटर को खूब हंसाया। खेर ने कहा, सब कुछ ठीक है। हम पंत, उनकी मां और रिश्तेदारों से मिले। वे सब ठीक हैं। हमने उन्हें खूब हंसाया। हादसे में पंत के सिर, पीठ और पैर में चोटें आई हैं। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि पंत की हालत स्थिर है। पंत एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे और उनका यहां के इस अस्पताल में उपचारकिया जा रहा है। पंत शुक्रवार तड़के अपनी मसीर्डीज बेंज कार से देहरादून जा रहे थे, तभी दिल्ली-देहरादून मार्ग पर झपकी लगने के कारण उनकी कार सड़क पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उसमें आग लग गई। पंत कार का शीशा तोड़कर बाहर निकले और अपनी जान बचाई।

अमीर खान की लाल सिंह चड्ढा को टीवी के दर्शकों का मिला प्यार, सोशल मीडिया पर करने लगी फिल्म ट्रेंड!

नई दिल्ली: सुपरस्टार आमिर खान हमेशा अपने करियर के दौरान दर्शकों के लिए गुणवत्तापूर्ण कंटेंट लाने के लिए जाने जाते हैं। 2022 में भी आमिर खान ने उसे बरकरार रखने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो गये। आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा सिनेमाघरों में रिलीज हुई लेकिन बहिष्कार का शिकार हो गयी। सिनेमाघर में फिल्म अच्छी कमाई नहीं कर सकी लेकिन ओटीटी और टीवी पर फिल्म को भरपूर प्यार मिला है। लाल सिंह चड्ढा जिसे अपने ओटीटी रिलीज और हाल ही में विश्व टेलीविजन रिलीज के बाद प्यार को दोगुना कर दिया है। आमिर खान और करीना कपूर खान अभिनीत फिल्म का जादू फिर से जीवित हो गया क्योंकि पारिवारिक दर्शकों ने फिल्म को फिर से देखा और छोटे पर्दे पर भी इसका भरपूर आनंद लिया। सोशल मीडिया पर फिल्म को इस समय #RediscoveringLSC के साथ ट्रेंड किया जा रहा है! लाल सिंह चड्ढा को 'भारत की सर्वश्रेष्ठ निर्मित फिल्मों में से एक' के रूप में संदर्भित किया, दूसरों ने ओटीटी और टेलीविजन पर अपने घरों में आराम से देखने के दौरान फिल्म के सुखदायक और संतोषजनक प्रभाव की बात की। 'लाल सिंह चड्ढा' को भारतीय दर्शकों के बीच कई नए प्रशंसक भी मिले, जो सिनेमाघरों में इस फिल्म को देखने से चूक गए। आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि आमिर खान हमेशा अपनी फिल्मों के साथ भावनाओं को गहराई से छूने में कामयाब रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर दर्शकों के साथ जुड़ी हुई हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज होने पर दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, क्योंकि दर्शकों ने इसे 'उत्कृष्ट कृति' और वास्तव में 'एक तरह का' कहा।

सूडोकु नवताल- 6567

★★★✬☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6566 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7631

■	1	2		■	■	3	■	4
5	■		■	6			■	
7					■	8	9	
■	■		■	10	11	■		■
12	13		14	■	15	16		
■		■	17	18	■		■	■
19		20	■	21				22
	■	23			■		■	
	■		■	■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -7630 का हल

■	बे	चा	रा	■	जी	व	न	■
कि	ला	■	ई	■	न	■	भ	ला
ता	■	क	स	र	त	■		य
ब	द	ला	■	थ	■	ह	ल	क
■	■	का	ष्ठ	■	म	नु	■	■
म	क्का	र	■	रा	■	मा	म	ला
ही	■	■	अ	न	ब	न	■	न
ना	ग	■	द	■	हा	■	भा	त
■	म	ल	ना	■	व	च	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अमेरिका में गिर रही बेसबॉल की लोकप्रियता: बढ़ रहा क्रिकेट का आकर्षण, भारतीय मूल के कारोबारी कर रहे 1000 करोड़ का निवेश,

नई दिल्ली।
अमेरिका में पिछले कई सालों से कोशिश की जा रही है कि देश में क्रिकेट को बेहतर किया जाए। इसके लिए कई प्रयास भी किए गए, लेकिन अमेरिका में जहां बेसबॉल को बेहतर माना जाता रहा है। वहां अचानक से क्रिकेट को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है दरअसल, अमेरिका में कई दशकों से बेसबॉल की लोकप्रियता में कमी दर्ज की जा रही है। गैलप के अनुसार, 2017 में केवल 9प्रतिशत अमेरिकी ने बेसबॉल को पसंदीदा खेल बताया था। जबकि, 1937 में 34प्रतिशत अमेरिकी बेसबॉल को पसंद करते थे। केवल 7प्रतिशत युवा आबादी बेसबॉल को अपना पसंदीदा खेल मानती है। 2019 से 2021 के बीच मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) की दर्शक संख्या में 12प्रतिशत की गिरावट आई है।

बेसबॉल मैच लंबा हुआ इसलिए रुचि कम हुई – बेसबॉल में घटती रुचि की सबसे बड़ी वजह बेसबॉल का समय बढ़ना है। 1937 में बेसबॉल मैच 2 घंटे में खत्म हो जाता था। अब एक गेम खत्म होने में औसतन 3 घंटे का समय लगता है। पिचर और बैटर मैच के दौरान काफी समय जाया करते हैं। दूसरी ओर, क्रिकेट में पांच दिन के खेल के साथ 3 घंटों का खेल भी होता है। अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का कारण अमेरिका में भारतीयों और अन्य क्रिकेट खेलने वाले देशों के लोगों की आबादी का बढ़ना भी है। अमेरिका में 46 लाख भारतीय रहते हैं। 10 लाख अन्य लोग क्रिकेट प्रेमी देशों से आते हैं। साथ ही, यहां भारतीय आबादी समृद्ध भी है, जो क्रिकेट में निवेश भी कर रही है।

क्रिकेट से 80प्रतिशत पीछे है बेसबॉल – 2022 में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेलों की सूची में क्रिकेट दूसरे नंबर पर है। आंकड़ों के अनुसार, क्रिकेट को दुनियाभर में 250 करोड़ दर्शक देखते हैं। वहीं, बेसबॉल इस सूची में 8वें स्थान पर है। बेसबॉल की दर्शक संख्या 50 करोड़ है, जो क्रिकेट की दर्शक संख्या का केवल 20प्रतिशत है।

लीग की शुरुआत पर ही 364 करोड़ खर्च – अमेरिका में भारतीय मूल के टेक्नोलॉजी दिग्गज और बिजनेसमैन क्रिकेट में पैसा लगा रहे हैं। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब के सीईओ भी शामिल हैं। जुलाई 2023 में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में छह टीमों के बीच मैच खेले जाएंगे। लीग की शुरुआत पर 364 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बाद में 625 करोड़ रुपए और लगाए जाएंगे। एमएलसी अमेरिका में युवाओं को ट्रेनिंग देगी।

न्यूज ब्रीफ

रोडमैप -2023: टीम लगभग तैयार: पहली बार भारत में पूरा वर्ल्ड कप, इसलिए हमारा दावा मजबूत

नई दिल्ली। साल 2023 में भारतीय क्रिकेट के लिए सबसे बड़ा अवसर वनडे विश्वकप होगा। क्रिकेट इतिहास में पहली बार वनडे विश्वकप सिर्फ भारत में ही आयोजित किया जाएगा। संभवतया रोहित और कोहली के लिए ये आखिरी विश्वकप होगा। बुमराह, भुवनेश्वर, राहुल जैसे खिलाड़ी भी अपने लंबे क्रिकेट करियर में पहली बार विश्वकप की ट्रॉफी पर हाथ जमाना चाहेंगे। इस विश्वकप से इतनी उम्मीदें इसलिए हैं क्योंकि भारत धोनी की कप्तानी में आखिरी बार विश्वकप भारतीय जमीन पर ही जीता था। पिछले एक दशक में घरेलू मैदान पर हमारा रिकॉर्ड शानदार रहा है, जो टीम के मनोबल को जरूर बढ़ाएगा। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। सबसे बड़ा चैलेंज वर्ल्ड कप विनर टीम तैयार करना होगा। पिछले कुछ टूर्नामेंट्स में हम इसी मोर्चे पर फेल होते रहे हैं, जिसकी सबसे बड़ी वजह जरूरत से ज्यादा प्रयोग करना है। अभी भी दर्जनों काबिल खिलाड़ी टीम से जुड़ने की कतार में हैं। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, द. अफ्रीका और पाकिस्तान की मजबूत टीमें भी बैटिंग फ्रेंडली पिचों पर भारत के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सेदारी पर संशय है, और ये उनकी भारत आने की इच्छा और केंद्र सरकार के रवैये पर निर्भर करेगा। साल 2011 में भारत में हुए विश्वकप से लेकर अब तक क्रिकेट काफी बदल चुका है। नए नियम होंगे, नई टीमें होंगी और नई उम्मीदें होंगी। भारत को सबसे बड़ा फायदा घर में खेलने का मिलेगा। भारत ने पिछले एक दशक में यहां जितने मुकाबले जीते हैं, उतने तो किसी दूसरी टीम ने खेले भी नहीं हैं।

ओडिशा एफसी हमारे जैसा ही खेलती है: मुंबई सिटी एफसी के डेस बकिंघम

भुवनेश्वर। मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच डेस बकिंघम ने कहा कि उनके खिलाड़ियों को ओडिशा एफसी द्वारा पेश किए गए खतरे की परवाह किए बिना जिस तरह से वे खेलना चाहते हैं। उसे जारी रखने की जरूरत है, जिसका सामना वे सोमवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में करेंगे। दूसरे स्थान पर मौजूद मुंबई सिटी एफसी ओडिशा एफसी से आठ अंक आगे है, जो आईएसएल तालिका में छठे स्थान पर है। कलिंगा वारियर्स को घर में छह हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन कलिंगा स्टेडियम में मुकाबला करना बाकी है, जहां वे आइलैंडर्स के खिलाफ बेहतर करना चाहेंगे। मिडफील्डर्स अपनी संबंधित टीमों की सफलता के लिए और उनके खेलने के तरीके के संदर्भ में महत्वपूर्ण रहे हैं। बकिंघम ने कहा कि ओडिशा एफसी की खेलने की शैली उनकी टीम के समान है। बकिंघम ने कहा, उनके पास एक अच्छी टीम है और जिस तरह से जोसेप (गोम्बाउ) उन्हें सेट करते हैं, वे एक निश्चित तरीके से खेलना चाहते हैं और यह हमारे जैसा ही है। उनके पास कुछ अच्छे स्ट्राइकर हैं और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि हमारे डिफेंडर्स इसके लिए तैयार है।

लय आपके आत्मविश्वास में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है: फेलिक्स ऑगर-अलियासिम

एडिलेड। 2022 सीजन के अंत में तीन सप्ताह का आश्चर्यजनक समय बिताने के बाद फेलिक्स आगर-अलीसिमे ने फ्लोरेंस, एंटवर्प और बासेल में 13 खिताबी मैचों का विजयी रिकॉर्ड बनाया है। एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई ने बाद में पेरिस मास्टर्स सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीन और मैच जीतकर कनाडा को डेविस कप में अपनी पहली जीत दिलाई। मुझे लगता है कि लय आपके आत्मविश्वास में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। मेरे लिए, यह पिछले कुछ महीनों में बहुत अच्छा रहा है। मॉन्ट्रियल में जन्मे 22 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी को एटीपी 250 टूर्नामेंट में नंबर 2 वरीयता प्राप्त है। उन्होंने कहा, मैं इसे फिर से बनाने की कोशिश करता हूं, न कि यह सोचने के लिए कि यह किसी प्रकार के सितारे संरेखित हैं। मुझे लगता है कि सफलता के पीछे कारण हैं। यह समझने के बारे में है कि आप क्यों खेल रहे हैं। मैं लगातार सफल हो रहा हूं और इसे फिर से करने की कोशिश कर रहा हूं।

घायल पंत का विकल्प खोज रहा बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे, घुटने-टखने और कलाई की चोट बनी वजह

नई दिल्ली।
कार एक्सीडेंट में घायल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल सकेंगे। फरवरी में होने वाली इस सीरीज के लिए टीम सिलेक्शन कमेटी को पंत का विकल्प खोजना होगा। फिलहाल जो नाम रेस में आगे माने जा रहे हैं, वे हैं... केएस भरत, संजू सैमसन, ईशान किशन और उपेंद्र कुमार।

पंत की फिटनेस को लेकर स्पोर्ट्स मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ. रजत जांगिड़ ने कहा कि पंत की रिकवरी में एक साल भी लग सकता है। उन्होंने कहा, अगर हड्डी की चोट होती तो रिकवर करने में 2-3 महीने और लिगामेंट फटने पर ठीक होने में 6 से 9 महीने लग जाते हैं। कार एक्सीडेंट में ज्यादातर एक या कई लिगामेंट टूटते हैं। इन्हें ठीक होने में कभी-कभी साल भर भी लग जाता है।

पंत का विकल्प बन सकते हैं चार खिलाड़ी – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिलेक्शन कमेटी के पास संजू सैमसन, ईशान किशान और केएस भरत और उपेंद्र कुमार विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। भरत और उपेंद्र कुमार भारत ए टीम के सदस्य हैं। ईशान किशन और संजू सैमसन भारत के लिए वनडे और टी-20 में डेब्यू कर चुके हैं। नीचे संभावित दावेदारों के प्रदर्शन का ब्यौरा देख सकते हैं संजू सैमसन ने 11 वनडे मैचों में 66.0 की औसत से 315 रन बनाए हैं। जबकि 16 टी-20 मैचों में उन्होंने 21.14 की औसत से रन बनाए हैं। ईशान किशन ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में डबल सेंचुरी मारी थी। उन्होंने 10 वनडे मैचों में 53 की औसत से 426 रन बनाए हैं। वहीं 21 टी-20 मैचों में उनका रन रेट 29.45 है। केएस भरत और उपेंद्र कुमार को टेस्ट स्पेशलिस्ट माना जाता है। हालांकि, दोनों अभी डेब्यू नहीं कर पाए हैं। भरत ने 84 फर्स्ट क्लास मैचों में 37.46 की औसत से 4533 रन बनाए हैं। वहीं उपेंद्र कुमार यादव ने 32 फर्स्ट क्लास मैचों में 44.83 की औसत से 1390 रन बनाए हैं।

पंत के चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी हुई – पंत का इलाज कर रहे देहरादून के मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत खतरे से बाहर है। शुक्रवार को उनके चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी हुई। वहीं ब्रेन और स्पाइन रिपोर्ट नॉर्मल आई है।

दिल्ली से रुड़की जाते समय हुआ था एक्सीडेंट – पंत का गुरुवार को दिल्ली से अपने घर रुड़की जाने के दौरान एक्सीडेंट हो गया था। वह खुद अपनी मर्सिडीज ड्राइव कर रहे थे। इस दुर्घटना में वे बाल-बाल बचे। उन्हें 5 जगह चोटें आई हैं। इनमें माथा, दाहिने हाथ की कलाई, दाहिने पैर का घुटना, टखना और अंगूठा शामिल हैं। घुटने, टखने और कलाई की चोट अहम हैं, क्योंकि इन जगहों का इस्तेमाल विकेट कीपिंग के लिए अहम है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत होनी है सीरीज – ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू होने वाले 4 टेस्ट मैचों की सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में जगह बनाने की दृष्टि से टीम इंडिया के लिए काफी महत्वपूर्ण है। टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में अभी दूसरे नंबर पर है। जबकि ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया का फाइनल में जगह बनाना लगभग तय है। वहीं साउथ अफ्रीका अभी चौथे नंबर पर है। अगर ऑस्ट्रेलिया अपने घर में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में साउथ अफ्रीका को हरा देता है, तो भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ घरेलू सीरीज को ड्रॉ कराना जरूरी होगा। अगर वह ऐसा नहीं कर पाता है, तो उसे अन्य देशों के टेस्ट सीरीज के रिजल्ट पर निर्भर रहना पड़ेगा।

पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ 49.33 के औसत से रन बनाए – बांग्लादेश दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में पंत ने 3 पारियां खेलीं। इनमें उन्होंने 49.33 की औसत से 148 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइट रेट 91.35 का रहा। पहले मैच में उन्होंने 45 बॉल पर 46 रन बनाए। फिर दूसरे मैच की पहली पारी में अहम मौके पर 104 बॉल पर 93 रन की पारी खेलकर टीम को मुश्किल परिस्थिति से निकाला।

बेहतर नेतृत्व से दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी में हो सकता है सुधार: चैपल

नई दिल्ली।
आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल को लगता है कि अगर टीम के नेतृत्व में सुधार किया जा सकता है तो दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण को टेस्ट क्रिकेट में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में, दक्षिण अफ्रीका को आस्ट्रेलियाई टीम द्वारा पारी और 182 रन से हराया गया था, यह 2005/06 के बाद पहली बार हुआ जब प्रोटियाज ने देश में एक टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती।

अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड से 1-2 की हार के बाद यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज हार है। वे अब सिडनी में चार जनवरी से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में खेलेंगे।

चैपल ने कहा, हालांकि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण में वास्तविक क्षमता है, उनकी विकेट लेने की क्षमता में काफी सुधार किया जा सकता है। वे अपनी टीम की खराब बल्लेबाजी से परेशान हैं। एक टीम जिसे बार-बार कम स्कोर प्रदान किया जाता है और एक और विफलता के बाद नियमित रूप से गेंदबाजी करनी पड़ती है, जिससे उनका मनोबल गिरता जा रहा है।

चैपल ने कहा, कप्तानी की भी बात है। एनरिच नोर्त्जे एक तरफ, बाकी आक्रमण आस्ट्रेलिया में बेहतर नेतृत्व के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। एल्गर, अपने कई साथी अंतरराष्ट्रीय लीडरों की तरह, आस्ट्रेलियाई पिचों पर कप्तानी के अच्छे जानकार नहीं हैं।

चैपल ने रविवार को कहा, गेंदबाजों को पहले यह समझना चाहिए कि खराब गेंदबाजी करने के साथ आस्ट्रेलिया में जीत नहीं मिलेगी। गेंदबाजों को प्रतिभाशाली बल्लेबाजों को अच्छी गेंदबाजी करनी होती है और उनके प्रदर्शन से विरोधियों को अपने विकेट के लिए सतर्क रहना पड़ता है।

हालांकि कागिसो रबाडा ने दस विकेट लिए हैं। एनरिच नोर्त्जे दक्षिण अफ्रीका के सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने इस प्रक्रिया में पांच विकेट लेने के दौरान आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अपनी तेज गति से परेशान किया। चैपल ने टिप्पणी की है कि रबाडा के साथ गेंदबाजी की शुरूआत करने और नई गेंद से विकेट चटकाने के लिए लुंगी एनगिडी की तुलना में नोर्त्जे बेहतर गेंदबाज थे।

उन्होंने कहा, केशव महाराज में एक स्पिनर के रूप में अच्छी क्षमता है लेकिन अगर उन्हें एक गेंदबाज के रूप में अकेले ही उपयोग किया जाता है, तो यह एक गलती है। ज्यादातर समय एक कप्तान को दोनों छोर पर विकेट लेने पड़ते हैं।

हॉकी खिलाड़ी जिसे छेड़छाड़ के आरोपों की वजह से छोड़ना पड़ा मंत्री पद

नई दिल्ली।
हरियाणा के खेल राज्य मंत्री और पूर्व हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह पर छेड़छाड़ के आरोप लगे हैं। इन आरोपों के चलते उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। महिला हॉकी टीम की कोच ने उन पर छेड़छाड़ के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला कोच का आरोप है कि नौकरी लगने से पहले ही खेल मंत्री ने उसे पहले दोस्ती करने को कहा और बाद में गर्लफ्रेंड बनने की पेशकश की। महिला कोच ने छेड़छाड़ की वारदात की तिथि एक जुलाई 2022 बताई है।

चंडीगढ़ के सेक्टर-26 पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा-354, 354, 354, 342, 506 के तहत संदीप के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मंत्री की शिकायत पर हरियाणा सरकार भी एसआईटी का गठन कर चुकी है। हरियाणा में मामले की जांच एसआईटी करेगी।

संदीप सिंह का जन्म 27 फरवरी 1986 को हरियाणा में कुरुक्षेत्र जिले के शाहबाद में हुआ। उनके बड़े भाई हॉकी खेलते थे। यहीं से उनके अंदर हॉकी के प्रति प्रेम जगा और धीरे-धीरे वह इस खेल में कमाल करने लगे। उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाई और टीम के कप्तान भी बने। संदीप का नाम दुनिया के सबसे बेहतरीन ड्रैगफ्लिकर्स की सूची में शामिल किया गया। संदीप की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने 13 साल बाद 2009 में सुल्तान अजलान शाह कप जीता। उनकी कप्तानी में टीम ने आठ साल के बाद 2012 ओलंपिक में भी क्वालीफाई किया था। संदीप ने अर्जुन अवॉर्ड भी हासिल किया। ट्रेन में सफर के दौरान एक हादसे में संदीप को गोली लग गई थी। इसके बाद उनका करियर खत्म माना जा रहा था, लेकिन संदीप ने शानदार वापसी की और सबको गलत साबित किया। फिल्म निर्माता शाद अली ने संदीप सिंह के जीवन पर सूरमा नाम की एक फिल्म बनाई है। संदीप को हरियाणा पुलिस में डीएसपी बनाया गया था, लेकिन उन्होंने इस पद से इस्तीफा दिया और भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। 2019 में उन्होंने हरियाणा की पेहोवा सीट से चुनाव जीता और खेल मंत्री बने। अपने ऊपर लगे आरोपों पर संदीप का कहना है कि उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

15 पर सिमटने वाली सिडनी थंडर ने बनाए 228 रन: बिग बैश का चौथा हाईएस्ट स्कोर; 15 दिन पहले 35 बॉल में हुई थी ऑलआउट

एल्बरी।
बिग बैश लीग का सबसे छोटा स्कोर बनाने वाली सिडनी थंडर ने 20 ओवर में 228 रन बना दिए। सिडनी की टीम 16 दिसंबर को बीबीएल के सबसे छोटे स्कोर 15 रन पर ऑलआउट हो गई थी। टीम ने शनिवार को होबार्ट हरिकंस के खिलाफ बीबीएल का चौथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इस तरह टीम ने 15 दिन के अंदर ही बिग बैश लीग के 2 रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए।

हेल्स-डेविस ने जोड़े 105 रन

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी थंडर को मैथ्यू जाइक्स ने तेज शुरुआत दिलाई। 16 बॉल पर 33 रन बनाने के बाद वह आउट हो गए। ओपनर एलेक्स हेल्स ने 77 रन बनाए। उन्होंने ओलिवर डेविस के साथ दूसरे विकेट के लिए 105 रन जोड़े। डेविस ने 203.12 के स्ट्राइक रेट से 65 रन बनाए। टीम के दूसरे बैटर्स में राइली रुसो ने 18, एलेक्स रॉस ने 14 और नाथन मैकएंड्रयू ने 10 रन बनाए। डेनियल सैम्स और बेन कटिंग 1-1 रन ही बना सके। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन बनाए। होबार्ट के लिए नाथन एलिस ने 4 और रिले मेरेडिथ ने 2 विकेट लिए।

मैथ्यू वेड ने 223 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

229 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी होबार्ट को कप्तान मैथ्यू वेड ने तेज शुरुआत दिलाई। वेड ने 30 बॉल पर 67 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 2 चौके और 6 छक्के जड़े। उनके अलावा टीम का कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सका और टीम 17 ओवर में 166 पर ऑलआउट हो गई। उन्हें 62 रन से हार का सामना करना पड़ा। थंडर के लिए ब्रैंडन डोजेट ने 4 और बेन कटिंग ने 2 विकेट लिए। होबार्ट के बैटर्स में सेलेब जेवेल ने 20, डार्सी शॉर्ट ने एक, टिम डेविड ने 25, जिमी नीशाम ने 13, आसिफ अली ने 6, शादाब खान ने एक, जोएल पैरिस ने 4, नाथन एलिस ने 7 और पैट्रिक डूले ने 10 रन बनाए। रिले मेरेडिथ शून्य के स्कोर पर नाबाद रहे। बिग बैश लीग में सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड मेलबर्न स्टार्स के नाम है। उन्होंने 19 जनवरी 2022 को होबार्ट के खिलाफ ही 273/2 का स्कोर बनाया था।

आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर में भारतीय दावेदार नहीं

कोहली ने 2018 में जीता था अवॉर्ड; जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा इस साल रेस में

नई दिल्ली।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए 4 खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया है। इनमें भारत के किसी भी प्लेयर को जगह नहीं मिली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का नाम इस लिस्ट में है। उनके अलावा इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउदी और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। आगे खबर में हम नॉमिनेट किए गए चारों प्लेयर्स की परफॉर्मेंस देखेंगे। भारत के किन प्लेयर्स को इससे पहले आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला है।

फर्स्ट क्लास में 1043 विकेट और 28 हजार रन – सोबर्स ने अपने करियर में एक ही वनडे खेला। क्योंकि 1974 में इनके संन्यास लेने के दौरान वनडे क्रिकेट बहुत ज्यादा नहीं खेला जाता था। 1975 में पहली बार वनडे वर्ल्ड कप खेला गया था। ओवरऑल 383 फर्स्ट क्लास मैचों में सोबर्स ने 28,314 रन बनाए हैं। इनमें 86 सेंचुरी और 121 फिफ्टी भी जमाईं। उन्होंने 1043 विकेट भी लिए हैं। इनमें 36 बार पारी में 5 विकेट शामिल हैं।

किस आधार पर मिलता है अवॉर्ड – आईसीसी हर साल सभी फॉर्मेट में साल के बेस्ट क्रिकेटर्स को सम्मानित करता है। इनमें विमेंस और मेंस क्रिकेट के 9 अलग-अलग अवॉर्ड शामिल होते हैं। सभी कैटेगरी में 4 प्लेयर्स को नॉमिनेट किया जाता है। वहीं, आईसीसी के अवॉर्ड पैनल में क्रिकेट के फेमस लेखक, दुनियाभर के ब्रॉडकास्टर्स और दिग्गज क्रिकेटर शामिल रहते हैं। आखिर में फैन पोल के पॉइंट्स और अवॉर्ड पैनल की राय के आधार पर क्रिकेटर ऑफ द ईयर के अवॉर्ड दिए जाते हैं। आम तौर पर अवॉर्ड पैनल में शामिल एक्सपर्ट्स के नाम जारी नहीं किए जाते।

सबसे बड़ा दावेदार कौन

बाबर आजम, पाकिस्तान 7 2598 रन बनाए – पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम क्रिकेटर ऑफ द ईयर की लिस्ट में सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। बाबर ने 2022 में तीनों फॉर्मेट मिलाकर 44 मैचों में 2598 रन बनाए। इस साल 2000 से ज्यादा रन बनाने वाले वह इकलौते प्लेयर हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 17 अर्धशतक भी बनाए। बाबर 2022 के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर भी हैं। 9 टेस्ट में उन्होंने 1184 रन बनाए। उन्होंने 15 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के जो रूट से भी ज्यादा रन बनाए। रूट ने 2022 में 1098 रन बनाए। बाबर की कप्तानी में टीम टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल और एशिया कप के फाइनल में भी पहुंची। टी-20 के 26 मैचों में उन्होंने एक शतक समेत 735 रन बनाए। 2021 के मेंस वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर बाबर ने इस साल 9 वनडे मैचों में 679 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 8 पारियों में 50 से ज्यादा के स्कोर बनाए। वह आईसीसी बैटर्स की वनडे रैंकिंग में भी टॉप पर रहने के साथ वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर की लिस्ट में भी शामिल हैं।

बेन स्टोक्स 7 इंग्लैंड - 1066 रन, 33 विकेट – इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट में अटैकिंग अप्रोच की नई परिभाषा लिख रहे हैं। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने इस साल 10 टेस्ट खेले, इनमें से 9 जीते। टीम ने भारत, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड को घर में और पाकिस्तान को पाकिस्तान में हराया। इन मैचों में स्टोक्स ने 2 शतक के साथ 870 रन बनाए और 26 विकेट भी लिए।

सिकंदर रजा 7 जिम्बाब्वे - 1380 रन, 33 विकेट – जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर की लिस्ट में शामिल अपने देश के पहले ही प्लेयर हैं। 2004 से मिल रहे इस अवॉर्ड में उनके अलावा जिम्बाब्वे के किसी भी प्लेयर का नाम अब तक इस अवॉर्ड की लिस्ट में नहीं आया था। रजा ने इस साल वनडे और टी-20 के 39 मैचों में 1380 रन बनाए। इस दौरान उन्हें 33 विकेट भी मिले।

टिम साउदी 7 न्यूजीलैंड - 65 विकेट – न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउदी ने इस साल तीनों फॉर्मेट के 31 मैचों में 65 विकेट लिए हैं। टेस्ट के 8 मैचों में 28, वनडे के 8 मैचों में 14 और टी-20 के 15 मैचों में उन्होंने 23 विकेट लिए। टी-20 वर्ल्ड कप के 5 मैचों में तो उन्होंने महज 6.57 के इकोनॉमी रेट से रन दिए। टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज के मैच में उन्होंने महज 6 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन से टीम ने जीत हासिल की और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया।

सुझाव

सेंधा नमक अपनाएं, चेहरे के गड्ढों को दूर भगाएं

क्या आप भी अपनी त्वचा पर होने वाले कील-मुंहासों के बाद होने वाले गड्डों से परेशान है और इन्हें दूर करने के लिए उपायों की खोज कर रहे हैं तो सॉल्ट स्क्रब आपकी इस समस्या को बहुत आसानी से दूर कर सकता है। जी हां अब आपको खूबसूरत त्वचा पाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे कॉस्मेटिक का सहारा लेने की जरूरत नहीं है।

आप सेंधा नमक स्क्रब की मदद से खूबसूरत त्वचा पा सकते हैं। सेंधा नमक एक बेहतरीन ब्यूटी प्रोडक्ट है। इसके इस्तेमाल से डेड स्किन तो साफ होती है साथ ही ब्लैकहेड्स भी दूर हो जाते हैं और चेहरे के गड्डे भी तेजी से भरता है। आइए जानें त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करने के लिए सेंधा नमक का इस्तेमाल कैसे किया जाता है।

सेंधा नमक और ओटमील स्क्रब

नमक और ओटमील का स्क्रब ऑयली त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। इसके लिए आप ओटमील और सेंधा नमक को अच्छी तरह मिला लें और इसमें कुछ बूंदे नींबू के रस और बादाम के तेल की मिक्स कर लें। फिर इस स्क्रब से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। कुछ देर स्क्रब करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

सेंधा नमक और जैतून के तेल का स्क्रब

सेंधा नमक को अगर आप जैतून के तेल में मिलाकर चेहरे पर लगाते हैं तो इससे आपके चेहरे में निखार आता है। अगर आपकी त्वचा ड्राई है तो सॉल्ट और ऑयल का यह पेस्ट आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि यह आपके चेहरे को नमी प्रदान करता है।

सेंधा नमक और नींबू का स्क्रब

त्वचा के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए सेंधा नमक में कुछ बूंदे नींबू की मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इससे अपने चेहरे पर स्क्रब करें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से आप मुंहासों, ब्लड हैड्स और व्हाइटहेड्स को आसानी से दूर कर सकते हैं।

सेंधा नमक और शहद का स्क्रब

सेंधा नमक और शहद का स्क्रब त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। शहद टैनिंग को दूर करने का काम करता है और यह त्वचा को नमी भी प्रदान करता है। इस स्क्रब को बनाने के लिए एक कटोरी में सेंधा नमक लेकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करके चेहरे पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। सूखने के बाद त्वचा को पानी से धो लें। इस उपाय को हफ्ते में दो बार करें।

यौन शोषण से अपने बच्चे को बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए.

क्या आपका बच्चा दर्द से कराहता हुआ घर वापस आता है, उसकी आंखों में आंसू हैं और वह चुपचाप घर के कोने में बैठ जाता है? क्या आपका बच्चा घर के बाहर किसी से डरता है? सावधान हो जाइए! शायद आपका बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार है. ऐसा ही कुछ एक चार साल की बच्ची के साथ स्कूल में हुआ है. बच्ची के साथ पढ़ने वाले एक बच्चे ने उसके अंडरवियर में अपनी अंगुली डाली और फिर उसने पेंसिल छीलकर उसे भी उसके अंदर डाल दिया. बच्ची की मां का कहना है कि इससे बच्ची को गहरा घाव हो गया है.

बच्ची के साथ यौन छेड़छाड़

बच्चों का यौन उत्पीड़न भले ही असामान्य लगे, लेकिन ऐसा है नहीं. यह दुर्भाग्यपूर्ण जरूर है, लेकिन असामान्य नहीं है. आप जितना सोच भी नहीं सकते उससे भी ज्यादा मामले ऐसे हैं जो सीधे तौर पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े हुए हैं. यह बहुत दुखद है कि कुछ लोग अपनी काम वासना पर नियंत्रण नहीं कर पाते और बच्चों को अपना शिकार बिना लेते हैं. और इससे बुरी बात क्या हो सकती है कि इस विकृति की कोई उम्र नहीं है. चार साल की वो बच्ची अपने ही क्लासमेट की विकृति का शिकार हुई. जिस चार साल के लड़के ने यह सब किया उसकी उम्र ही क्या है.

इसमें भी जो सबसे खराब बात है वो ये है कि उन डरे हुए बच्चों को तो यह भी नहीं मालूम है कि उनके साथ हो क्या रहा है और उन्हें इसके बारे में किससे बात करनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा जिंदगी के सबसे कड़वे अनुभव से गुजर रहा है और आपको उसक बारे में पता भी नहीं है. यौन उत्पीड़न वो जोंक है जो बच्चों का बचपन उजाड़कर उनका सामना दुनिया के अंधेरे पहलुओं से करा रही है. आप दुनिया की इन अंधेरी गलियों को गायब नहीं कर सकते, लेकिन आप इसके खतरे को कुछ कम जरूर कर सकते हैं. आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए. यहां पर हम आपको ऐसी कुछ टिप्स दे रहे हैं जो इस तरह की दरिंदगी से आपके बच्चों की रक्षा करेंगी

बच्चे की दिनचर्या जानें

अपने बच्चे से बातचीत करें. बच्चे को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें और उससे पूछें कि उसने दिन भर क्या-क्या किया. उनके साथ बैठें, बातें करें क्योंकि उन्हें कई बार अंदाजा नहीं होता है कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है. वो शायद इतने समझदार न हों कि इन गलत बातों के बारे में समझ सकें लेकिन आप तो समझदार हैं. है न?

सिखाएं प्यार जताने का तरीका

कई बार आप जिस तरह से अपने बच्चे को लाड़ करते हैं वैसे ही यौन हमलावर भी करते हैं. जैसे कि जब आप थोड़ी थकान महसूस करते हैं या परेशान होते हैं तो आप अपने बच्चे से आपको किस और हग करने के लिए कहते हैं. इससे आपका बच्चा यह समझने लगता है कि जब कोई दुखी होता है तो उसे खुश करने के लिए यही किया जाता है. इसी तरह का रवैया हमलावर आपके बच्चे पर भी आजमा सकता है. ऐसे में आपको अपने ढंग से बच?चों को प्यार जताने का तरीका सिखाना होगा.

शरीर के बारे में बताएं

बच्चों को उनके बॉडी पार्ट्स के बारे में बताएं. अगर ज्यादा डिटेल में नहीं बता सकते तो कम से कम ये जरूर बताएं कि शरीर के कौन से हिस्से बेहद प्राइवेट होते हैं, जिन्हें कोई नहीं छू सकता.

बच्चे आप से बात करें

अपने बच्चों से कहिए कि वो आपके पास आकर बात करें. बच्चों के साथ मजबूत कम्यूनिकेशन बनाना बेहद जरूरी है ताकि वे आपसे बात कर सकें. उन्हें सिखाईये कि वे आपसे बातें छिपाएं नहीं और जानने के बाद आप गुस्सा होने के बजाए खुश होंगे. आप उन्हें भरोसा दिलाइए कि आप उनकी मदद करेंगे और उन्हें सुरक्षा देंगे.

सही-गलत की पहचान

बच्चों को बताइए कि किस तरह का बर्ताव गलत है और उसके बारे में किसी बड़े को जल्द से जल्द बताना चाहिए. हालांकि यौन उत्पीड़न जननांगों के अलावा होंठ, टांगें, गरदन और यहां तक कि बांहों तक ही सीमित नहीं है, लेकिन इनके बारे में बताकर आप शुरुआत तो कर ही सकते हैं. उन्हें बताइए कि किस तरह का टच सही और किस तरह का बर्ताव बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और उसके बारे में जितना जल्दी हो सके आपको बताना है.

सीक्रेट फैक्टर

ज्यादातर यौन हमलावर इसे दो लोगों के बीच का सीक्रेट कहते हैं और इसके बारे में किसी को भी बताने से मना कर देते हैं. आप अपने बच्चों को सिखाइए कि कोई भी बात मम्मी-पापा से नहीं छिपानी चाहिए. उन्हें बताइए कि इस तरह की सीक्रेट बातें छिपाना खतरनाक हो सकता है.

किन लोगों पर भरोसा करें बच्चे

अपने बच्चों को बताइए कि वे किन लोगों पर भरोसा कर सकते हैं और किनसे उन्हें दूर रहना है. लेकिन इससे भी जरूरी उन लोगों का चुनाव करना आपकी जिम्मेदारी है. आपका बच्चा जिस स्कूल में जाता है, जो टीचर आपके बच्चे को देखती है, जो बेबीसिटर आपके बच्चे की देखभाल करता है और यहां तक कि हर वो आदमी जो किसी न किसी रूप में आपके बच्चे से जुड़ा हुआ, उसका चुनाव करते समय बेहद सावधानी बरतें ताकि उस पर आप भरोसा कर सकें..देखा जाए तो हमारे बच्चे कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, चारों ओर ही दरिंदे हैं. ऐसे समय में जरूरी है कि आप अपने बच्चे के साथ ताकतवर बॉन्ड बनाएं और इन सब का सामना करने के लिए उन्हें मजबूत बनने में उनकी मदद करें. याद रखिए आपके बच्चे का दरिंदा चार साल का क्लासमेट भी हो सकता है.

सुझाव

फोबिया को रोकते हैं शरीर के नैसर्गिक दर्द निवारक

किसी हालात को देखकर या सोचकर डर जाना। उससे बचने की हर संभव कोशिश करना। उन हालात में आते ही हाथ-पैर फूल जाना। फोबिया एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोग इसे पहचान नहीं पाते। वे इससे बचने का हर संभव प्रयास करते हैं। आइये जानें क्या है फोबिया और कैसे शरीर के दर्द निवारक ही इससे बचने का उपाय हो सकते हैं।

क्या है फोबियाः फोबिया एक प्रकार का मानसिक रोग है। इसमें व्यक्ति को किसी खास चीज, काम अथवा हालात के प्रति डर उत्पन्न हो जाता है। व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर के बारे में सोचते ही इन्सान की मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर बुरा प्रभाव पड़ने लगता है। जरूरी नहीं कि यह डर वास्तविक हो। कई बार काल्पनिक डर भी काफी भयातीत कर देता है। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

दर्द निवारकों में छुपा इलाजः मानव शरीर की दर्द निवारक प्रणाली मे ही फोबिया (किसी चीज का भय) से लड़ने की क्षमता होती है। शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक अंतरराष्टीय दल ने यह अध्ययन किया। इन लोगों ने पाया कि लोगों में भय को बढ़ाने वाले कारक की स्थिति शरीर की दर्द निवारक प्रणाली के चलते ही एक सीमा के बाद कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 30 पुरुषों को शामिल किया। ब्रेन स्कैन से पता चला कि इस दौरान जिन लोगों की ओपायड (उन्माद पैदा करने वाली तंत्रिकाएं) प्रणाली सक्रिय थी, उनके एमाइग्डेला (मस्तिष्क का एक खास हिस्सा) में भय के लक्षण दिखाई दिए। ऐसे लोगों ने जब भी दर्द के संकेत देखे, उनके एमाइग्डेला में तेज प्रतिक्रिया देखी गई।

फोबिया के लक्षण

- फोबिया पीड़ित आम लोगों की ही तरह ही नजर आते हैं। रोग का पता तभी चल पाता है जब व्यक्ति का या तो अपने डर से सामना होता है या फिर वह कोई उसके बारे में बात करता है। फोबिया पीड़ित व्यक्ति अपने डर से बचने का ही प्रयास करते रहते हैं। वे उन हालातों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, जिनसे उन्हें डर लगता है। लेकिन, अनजाने में अपना डर सामने आने पर फोबिया का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है।
- फोबिया का दौरा पड़ने पर तनाव, बेचैनी, बहुत ज्यादा पसीना आना, हालात से दूर भागने की कोशिश करना, सिर में दर्द व भारीपन, अजीब-अजीब सी आवाजें सुनाई देना। फोबिया पीड़ित व्यक्ति की दिल की धड़कन काफी तेज भागने लगती है। उनकी सांसों की रफ्तार तेज हो जाती है और उन्हें चक्कर आने की शिकायत भी हो सकती है। डायरिया, पेट खराब और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां भी नजर आ सकती हैं।
- इन हालात में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

मेकअप आपको कहीं बदसूरत तो नहीं बना रहा..

आज हर कोई स्मार्ट और खूबसूरत दिखना चाहता है। इस रेस में सबसे आगे लड़कियां होती है। वह कभी किसी से कम नहीं दिखना चाहती है। जिसके कारण कभी-कभी उनकी खूबसूरती एक चूक के कारण बदसूरती में बदल जाती है। इसमें सबसे अहम चीज होती है वह है फाउंडेशन। अगर आपने ठीक ढंग का फाउंडेशन का इस्तेमाल न किया तो आपको यह भारी पड़ सकता है। स्किन के अनुकूल सही फाउंडेशन का पता लगाने के लिए आपको अंडरटोन के बारे में सही से पता होना चाहिए, ताकि त्वचा की बाहरी रंगत और आंतरिक रंगत में अंतर पता चले। अंडरटोन गर्म, तटस्थ और ठंडा तीन प्रकार के होते हैं।अंडर टोन का पता आप अपनी कलाई की नसों के रंग से कर सकती हैं अगर आपके कलाई की नस की रंगत नीली या बैंगनी है और यह सूरज की रोशनी में लाल पड़ जाती है । तो आपका अंडरटोन ठंडा है। गर्म अंडरटोन वालों का नस हरा व हल्का पीले रंग का होता है और तटस्थ अंडरटोन वालों का नीला, हरा और बैंगनी मिक्स रंग होता है। जानिए किस स्किन के लिए कौन सा फाउंडेशन ठीक होगा।

- **मिनरल फाउंडेशन-** यह फाउंडेशन मुंहासों वाले और सवंदनशील त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। यह लंबे समय तक टिका भी रहता है।
- **फाउंडेशन स्टिक-** यह फाउंडेशन दाग-धब्बों वाली त्वचा के लिए सही होता है। इसे ब्रश से या सीधे चेहरे पर लगाकर सही से मिला ले।
- **मूस फाउंडेशन-** यह क्रीमी-बेस फाउंडेशन सामान्य व तैलीय त्वचा के लिए सही है। यह त्वचा में चमक लाता है।
- **लिक्विड फाउंडेशन-** यह विभिन्न प्रकार जैसे मैट और सैटिन आदि में उपलब्ध होते हैं। यह सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है।
- **क्रीम फाउंडेशन-** यह फाउंडेशन दुल्हन के लिए या दाग-धब्बे, मुंहासो और समास्याग्रस्त त्वचा के लिए उपयुक्त होता है।
- **पाउडर डुअल कॉम्पैक्ट-** रूखी त्वचा वाली महिलाएं ब्रश गीला करके और तैलीय त्वचा वाली महिलाएं इसे पाउडर की तरह लगाएं, इसे लिक्विड फाउंडेशन के ऊपर से बढ़िया लुक पाने के लिए भी लगाया जा सकता है।

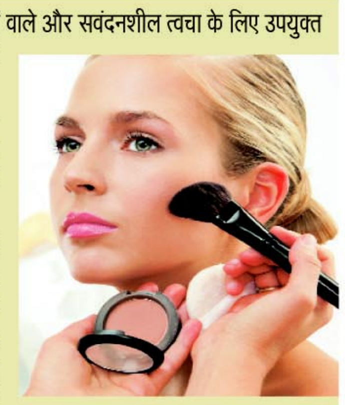

रोज पिएं एक कप ब्लैक टी रहेंगे हमेशा फिट

अगर आप अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं और वेट लूज़ करना चाहते हैं तो ब्लैक टी आपके लिए बहुत फायदेमंद है। एक स्टडी के मुताबिक ये पाया गया है कि ब्लैक टी ना सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होती है बल्कि ये आपको कई बीमारियों से भी बचाती है। पढ़ें ब्लैक टी के 5 फायदे जो आपको रखेंगे सेहतमंद।

वजन कम करने में सहायताः ज्यातार लोगों के उनका मोटापा या लगातार बढ़ता वजन परेशानी बन जाता है। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट में रोज एक कप ब्लैक टी पीएंगे तो आपके लिए फायदेमंद रहेगा। रोज ब्लैक टी पीने स शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी घट जाती है और वजन घटने लगता है।

दिल का रखें ख्यालः अगर आप रोज़ एक कप ब्लैक टी पीएंगे तो आपका दिल भी स्वस्थ रहेगा। ब्लैक टी हार्ट को हेल्दी रखने में मदद करती है। ब्लैक टी में कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो आपके शरीर से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम कर देते हैं। ब्लैक टी पीने से बाल भी अच्छे रहते हैं।

पसीने की बदबू से मिलेगा छुटकाराः अगर आप अपनी बॉडी से आने वाली बदबू से परेशान हैं तो ब्लैक टी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ब्लैक टी आपकी बॉडी में बैक्टेरिया को पनपने नहीं देती जिससे पसीने की बदबू नहीं आती।

तनाव दूर करने में मददः भागदौड़ भरे दिनचर्या की वजह से लोग आजकल बहुत तनाव में रहते हैं। जिसकी वजह से आपके शरीर में कई बीमारियां पैदा हो जाती हैं। ऐसे में अपनी डाइट में ब्लैक टी शामिल करें जिससे आपका स्ट्रैस लेवल कम होगा। ब्लैक टी पीने से याद्दाशद भी मज़बूत होती है।

कैंसर से लडने में फायदेमंदः ब्लैट टी पीने से कैंसर होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। रोजाना एक कप ब्लैक टी कैंसर से बचाव में मददगार है।

रेसिपी

सौंठ के लड्डू का सेवन

सामग्री

एक तिहाई कप पीसी हुई सोंठ - 1/3 कप (25 ग्राम), तीन कप कप गेहूं का आटा, दो कप गुड़ या फिर चीनी, आधा कप देशी घी, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल, आधा कप छोटे-छोटे टुकड़ो में गोंद, पीसा हुआ बादाम, बारीक कटे थोडा काजू,या फिर आप अपनी पसंद के कोई भी मेवा ले सकते हैं

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में घी डालकर गर्म करें। फिर गैस का आंच धीमी करके इसमें गोंद डालकर भूने। इसके बाद जब यह भून जाए तो इसे एक प्लेट में निकाल लें। इसके बाद बचे हुए घी में आटा डालकर हल्का ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसे जल्द ही एक प्लेट में निकाल लें। अब फिर कढ़ाई में थोड़ा सा घी डालकर गर्म करें और उसमें सोंठ डालकर कम से कम दो मिनट भूने। इसके बाद इसे आटा में डालकर मिक्स कर लें। ठंडी हो चुकी गोंद को बेलन की सहायता से कूट लें। इसके बाद एक कढ़ाई में गुड डालकर थोड़ा पानी डाले और इसे पिघलने दे। जब यह एक तार का बन जाए तो गैस बंद करके इसमें धीरे से आटा, सोंठ,गोंद, बादाम पाउडर, नारियल और पिस्ते डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद हाथ में थोडा सा पानी लगाकर इस मिश्रण को थोड़ा लेकर लड्डू के आकार में बना लें। हाथ में पानी सिर्फ इतना लगाए कि हाथ न जल पाए। इसके बाद सभी मिश्रण का लड्डू बनाकर एक हवा बंद कंटेनर में रख लें। जिसे आप कई दिनों तक खा सकते है।

कोकोनट कबाब

सामग्री

2-3 गाजर कटी हुई, दो आलू कटे हुए, तीन अंडे, एक चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच काली मिर्च पाउडर, एक चम्मच मेथी दाना,एक कप मैदा, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल,ऑयल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले सभी सब्जियां को एक गहरे पैन में डाले और आवश्कतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। उबलने के बाद इसमें हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और मेथी दाने डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिला लें। इसके बाद अपने हाथों में थोड़ा सा तेल लगाकर इस मिश्रण से टिक्कियां बना लें। इसके बाद एक बाउल में अंडा डालकर फैट लें और इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। आपने जो टिक्कियां तैयार की है उन्हें अंडे और मैदे के इस मिश्रण में डिप करें और फिर इन्हें कद्दूकस किए हुए नारियल से लपेटकर तलने के लिए तैयार कर लें। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गर्म करें। जब गर्म हो जाएं तो आंच धीमी करके इसमें टिक्कियां डाल दें और दोनों साइड से गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। आपके कोकोनट कबाब बनकर तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)